राष्ट्रीय दैनिक

हर खबर की खबर

प्रातः किरण

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

07 मायावती का कांग्रेस पर निशाना......

योगी सरकार का अनोखा कारनामा...... 04

वर्ष : 17 | अंक : 121 | नई दिल्ली, सोमवार, 24 अगस्त , 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 41.0°C

न्यूनतम तापमान 32.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	60%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,24,456
चांदी	2,43,758
सेंसेक्स	76,214.84
निफ्टी	24,623.46

हम रक्षा क्षेत्र में किसी भी देश पर निर्भर नहीं रह सकते: राजनाथ सिंह

प्रात: किरण, एजेंसी

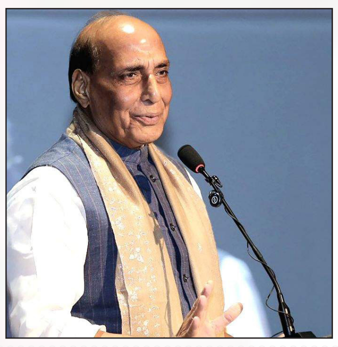

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि अब हमारी सोच यह नहीं होनी चाहिए कि भारत को दुनिया से क्या खरीदना है। हमारी सोच यह होनी चाहिए कि दुनिया भारत से क्या खरीदना चाहती है। स्वदेशी हथियार हमारे लिए कितने जरूरी हैं, इसका उदाहरण हमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारत की स्वदेशी हथियार प्रणालियों की क्षमता देखी। राजनाथ सिंह ने यह बात रविवार को पांच रक्षा प्रोजेक्टों का शिलान्यास करने के दौरान कहीं। जिनका शिलान्यास किया गया वे पश्चिम बंगाल स्थित जीआरएसई और यंत्र इंडिया लिमिटेड की 5 नई फैसिलिटी हैं। जीआरएसई देश के प्रमुख युद्धपोत निर्माण प्रतिष्ठानों में शामिल है। जीआरएसई के पास 800 से अधिक जहाजों के निर्माण का अनुभव है। यहां राजनाथ सिंह ने कहा, हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि क्वालिटी ऐसी कि दुनिया भरोसा करे, कीमत ऐसी कि दुनिया चुने और डिलीवरी ऐसी कि दुनिया बार-बार ऑडर करे। उन्होंने बताया जीआरएसई पास तकनीकी जानकारी है, कुशल कार्यबल है और अब विस्तारित क्षमता भी होगी। आपको इसका पूरा उपयोग करना होगा। आप अभी नौसेना के ऑर्डर के साथ-साथ, एक जर्मन कंपनी के लिए 12 मालवाहक जहाज बना रहे हैं। यह बिल्कुल हमारी मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड, विजन के अनुरूप है। जैसे-जैसे आपकी क्षमता बढ़ेगी, आपको घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों ही बाजारों में अधिक आक्रामक बोली लगानी होगी। राजनाथ सिंह ने कहा, ह्लआगे भी, रक्षा मंत्रालय के साथ, हमारी प्रयोगशालाएं, हमारे सार्वजनिक उपक्रम, और निजी हितधारक मिलकर, अपनी सेनाओं को स्वदेशी प्लेटफॉर्म से लैस करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। हमने यह साबित किया है कि आत्मनिर्भरता केवल एक नीति नहीं है। आत्मनिर्भरता, युद्धक्षेत्र क्षमता का गुणक है। और इस पहल में जीआरएसई, तथा यंत्र इंडिया लिमिटेड की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होने वाली है। रक्षामंत्री ने कहा कि यदि हम हिंद महासागर क्षेत्र में जहाज मरम्मत और ओवरहॉल का केंद्र बन जाएं, तो विदेशी मुद्रा की बचत के साथ-साथ, हजारों रोजगार पैदा होंगे। आज भी हमारे बनाए युद्धपोत, दुनिया के संघर्ष क्षेत्रों से होकर हमारी ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम रक्षा क्षेत्र में किसी भी देश पर निर्भर नहीं रह सकते। हमारी अपनी स्वदेशी कंपनियों और अनुसंधान संस्थानों को ही इस क्षेत्र में पूरी तरह प्रभुत्व हासिल करना होगा। और आज के ये पांचों परियोजनाएं उसी रणनीतिक स्वायत्तता को प्रतिबिंबित कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने बताया, आज हम, लगभग साढ़े तीन हजार करोड़ रुपयों की लागत वाली पांच अत्यंत महत्त्वपूर्ण परियोजनाओं का भूमि पूजन और शिलान्यास कर रहे हैं।

बोले–ऊर्जा और महत्वाकांक्षा देखकर बहुत प्रभावित हुआ

पीएम मोदी ने स्पेस स्टार्टअप्स के सीईओ और फाउंडर्स से की बात

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में स्पेस स्टार्टअप्स के सीईओ और फाउंडर्स के साथ बातचीत की। इस बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री ने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए स्पेस टेक्नोलॉजी के व्यापक इस्तेमाल पर जोर दिया। पीएम मोदी ने बातचीत का वीडियो एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, भारत के सबसे होनहार स्पेस स्टार्टअप्स से मुलाकात हुई। हमेशा की तरह, उनकी ऊर्जा और महत्वाकांक्षा देखकर बहुत प्रभावित हुआ। आपको उनकी सोच और सकारात्मक नजरिया जरूर पसंद आएगा। मुझे जरूर बताइए, भारत के स्पेस सफर के बारे में आपको सबसे ज्यादा क्या उत्साहित करता है? प्रधानमंत्री ने सभी सीईओ और फाउंडर्स से कहा, ह्लआप लोगों ने नए क्षेत्र में साहस दिखाया है। सबसे बड़ी बात है कि सरकार की बात पर भरोसा किया। मेरा मत रहा है कि हम जो भी निर्णय करें, उस पर अडिग रहें और बार-बार बदलाव न करें, ताकि कोई भी रिस्क ले तो उसे भरोसा रहे। भारत के पहले स्पेस टेक यूनिकॉर्न के सीईओ ने पीएम मोदी को बताया, ह्ल18 जुलाई को हमने भारत का पहला प्राइवेट रॉकेट सफलतापूर्वक लॉन्च किया था, यह अभी शुरूआत है। अगले साल में हम हर महीने एक रॉकेट लांच करने की योजना पर काम कर रहे हैं, इसके लिए तीन फैक्ट्री तैयार है। इन फैक्ट्रियों में एक महीने में एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। मेरा सपना है कि हर सप्ताह और फिर हर दिन एक रॉकेट लांच करना है ।ह्व एक सीईओ ने प्रधानमंत्री को बताया, हमने एक ऐसा इंजन बनाया है, जो दुनिया के आधुनिक इंजनों में से एक है। इस इंजन की टेस्टिंग जारी है। एक अन्य सीईओ ने कहा, स्पेस इंडस्ट्रीज खुलने के बाद यूएस और यूरोप में रह रहे लोग यहां आकर काम करना चाहते हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा, हमें बहुत लोगों को जोड़ना है। इस (स्पेस) क्षेत्र में दुनिया भर के लोगों को हिंदुस्तान आने के लिए प्रेरित करना होगा। आपके कारण हम ऐसा कर सकते हैं। एक अन्य सीईओ ने प्रधानमंत्री को बताया, ह्लहम सैटेलाइट का इंजन बनाते हैं। वैश्विक स्तर पर बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। एक्सपोर्ट के लिए भारत सरकार का बहुत सहयोग मिला है। इस पर पीएम मोदी ने कहा, लागत में हम प्रतिस्पर्धी हैं और टैलेंट में तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता है। रिस्क टेकिंग कैपेसिटी हमारे देश के लोगों में ज्यादा होती है। इसके कारण हम अपनी जगह बहुत तेजी से बना सकते हैं ।ह्व स्पेस फार्मा स्टार्टप के अंतरिक्ष ने पीएम मोदी से कहा, ह्लहम भारत के पहले फार्मा स्टार्टअप हैं। हम ऐसे सैटेलाइट बना रहे हैं, जो स्पेस में जाकर फार्मास्यूटिकल मैन्युफैक्चर कर सके और उसे वापस ला सके।

मुंबई में 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरी, 2 मौतें

5 घायलों में 2 बच्चियां; वेल्डिंग सपोर्ट टूटने से हादसा, मूर्ति तीन हिस्सों में बंटी

प्रात: किरण, एजेंसी

मुंबई के भुलेश्वर में शनिवार रात करीब 10 बजे 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। 5 घायल हो गए, जिनमें 5 और 7 साल की दो बच्चियां शामिल हैं। पुलिस की शुरूआती जांच के मुताबिक, प्रतिमा लालबाग से भुलेश्वर लाई जा रही थी। पंडाल से करीब 50-60 मीटर पहले प्रतिमा के पीछे लगा वेल्डिंग सपोर्ट टूट गया। इससे मूर्ति का संतुलन बिगड़ा और वह आगे की तरफ लोगों पर गिर गई। हादसे के बाद प्रतिमा के तीन टुकड़े हो गए। फायर ब्रिगेड, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस और इटउ की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव शुरू किया। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (अऊफ) दर्ज की है। मृतकों में गणेश मंडल के अध्यक्ष भी हादसे में संकेत नेवशे (33) और बृजेश हेमंत जोशी (30) की मौत हुई। संकेत नेवशे भुलेश्वरचा राजा गणेश मंडल के अध्यक्ष थे। घायलों में वैभव घेनंद (38), पवन चौरसिया (25), लावण्या गनेर (5), दिव्या गनेर (7) और कुणाल काशिद (26) शामिल हैं। सभी की हालत स्थिर बताई गई है। आगमन समारोह के दौरान हुआ हादसा यह हादसा आगमन समारोह के दौरान हुआ। मुंबई में घरों और पंडालों में गणेश प्रतिमा की स्थापना से पहले कई मंडल आगमन समारोह आयोजित करते हैं। इस दौरान जुलूस निकाले जाते हैं। मुंबई में हर साल इन आगमन जुलूसों में ढोल-ताशे, संगीत और सजावट के साथ गणेश प्रतिमाओं को पंडालों तक ले जाया जाता है, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

संक्षिप्त खबरें

NCP विधायक रोहित पवार के PA की बेटी की मौत

पुणे। के बारामती में NCP(SCP) विधायक रोहित पवार के पर्सनल असिस्टेंट (PA) की 12 साल की बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, बच्ची रोहित पवार के ढअ की बेटी थी। उसका शव रविवार सुबह बारामती के साईनगर इलाके में घर के नाले के पास मिला। शनिवार को किसी बात को लेकर बच्ची का अपनी मां से मामूली विवाद हुआ था। इसके बाद वह नाराज होकर घर से बाहर चली गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत की वजह स्पष्ट होगी काफी देर तक बच्ची के घर नहीं लौटने पर परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। रविवार सुबह घर के पास बच्ची का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए बारामती सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भेज दिया। रोहित बोले- बच्ची का शव सुबह 8:30 बजे मिला रोहित पवार ने बताया कि वह बारामती मेडिकल कॉलेज में हैं, जहां बच्ची के परिवार, दोस्तों और परिचितों समेत कई लोग मौजूद हैं। संबंधित अधिकारी से बात करने पर उन्हें पता चला कि बच्ची के शव का पोस्टमार्टम शुरू हो चुका है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से करीब आधे घंटे तक बात की। पुलिस एक लड़के के मोबाइल फोन की जांच कर रही सब-डिविजनल पुलिस ऑफिसर चैतन्य कदम ने बताया कि लड़की के लापता होने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। उसके मोबाइल की जांच में पता चला कि घर से निकलने से पहले उसका अपनी मां से विवाद हुआ था। पुलिस आत्महत्या और अन्य संभावनाओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और एक लड़के के मोबाइल फोन की भी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की सही वजह स्पष्ट होगी।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह जैश हेडक्वार्टर दोबारा तैयार

रिपोर्ट- बहलावलपुर में मरकज सुभानअल्लाह के गुंबदकी मरम्मत, नया संगमरमर और प्लास्टर लगा

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स ने पाकिस्तान के बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का मरकज सुभानअल्लाह हेडक्वार्टर तबाह कर दिया था। अब यह फिर से बनकर तैयार हो गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसके री-कंस्ट्रक्शन में 15 महीने लगे। रिपोर्ट में दावा किया गया कि मरकज सुभानअल्लाह के क्षतिग्रस्त गुंबद फिर बना दिए गए हैं, नया संगमरमर और प्लास्टर लगाया गया है। नया पेंट भी किया गया है। दीवारों समेत पूरी इमारत की मरम्मत कर की गई है। 2025 में 6-7 मई की रात हुए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकवादी संगठन जैश के इस ठिकाने को काफी नुकसान पहुंच था। 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने जवाबी कार्रवाई की थी। मरम्मत पर 25 करोड़ पाकिस्तानी रुपए खर्च रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार ने जैश को मरम्मत के लिए 25 करोड़ पाकिस्तानी रुपए दिए। मदरसा अल-सबीर और जैश कमांडरों के रहने के लिए इस्तेमाल होने वाले एरिया का भी दोबारा निर्माण भी किया जा रहा है। भर्ती और ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल होता था बेस मरकज सुभान अल्लाह भारत पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से 100 किलोमीटर दूर है। यहां जैश नए आतंकियों की भर्ती, ट्रेनिंग और ब्रेनवॉश करता था। 18 एकड़ में फैले इस परिसर को उस्मान-ओ-अली कैंपस के नाम से भी जाना जाता है। यहां एक मस्जिद और दूसरी सुविधाएं भी मौजूद थीं। बहावलपुर का यह कैंप लंबे समय से भारत के खिलाफ जैश की गतिविधियों से जुड़ा रहा है। संगठन का नाम 2001 के संसद हमले, 2016 के पठानकोट एयरबेस हमले और 2019 के पुलवामा आत्मघाती हमले से जुड़ा है। माना जाता है कि पुलवामा हमले की साजिश भी सुभान अल्लाह कैंप में बनाई गई थी।

महाराष्ट्र पहाड़ हादसे से पहले मां ने किया था पोस्ट

कहा– रिश्ता ऐसा हो तो तोड़ देना चाहिए, दावा– आईफोन के लिए पहाड़ी से कूदा था बेटा

प्रात: किरण, एजेंसी

महाराष्ट्र। के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को करीब 250 फीट गहरी खाई में गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में मुरलीधर चांदगुडे (48 साल) संगीता चांदगुडे (42 साल) और इनका बेटा कुणाल चांदगुडे (18 साल) शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, बेटे ने ⁄ढँङ्गल्ली तो खरीद लिया था, लेकिन वह इसकी एटक नहीं चुका पा रहा था। एटक चुकाने के लिए वह परिवार से पैसे मांग रहा था। इसे लेकर उसकी अपने पिता के साथ कहासुनी हो गई थी। यहीं से इस दर्दनाक घटना की शुरूआत हुई। इसी के बाद कुणाल गुस्से में घर से निकल गया और खवड्या पहाड़ पर चढ़ गया था। इस हादसे से महज एक दिन पहले संगीता ने अपने ङ्म४ळ४ी चैनल पर रिश्तों और प्यार की अहमियत को लेकर एक वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा था- जो व्यक्ति प्यार को महत्व नहीं देता, उसके लिए कुछ भी करने का कोई मतलब नहीं है। एक चपाती तभी स्वादिष्ट लगती है जब वह दोनों तरफ से पक जाए: संगीता मराठी भाषा में बनाए एक मिनट के वीडियो में संगीता ने कहा था- अपना भाग्य उसी व्यक्ति को सौंपने के लिए तैयार रहें, जो आपके प्रेम का सम्मान करता हो। यदि कोई व्यक्ति आपका सम्मान नहीं करता, आपके प्रेम का सम्मान नहीं करता, या आपके द्वारा उनके लिए किए गए कार्यों का सम्मान नहीं करता, तो ऐसे व्यक्ति के लिए कुछ भी करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा- एक चपाती तभी स्वादिष्ट लगती है जब वह दोनों तरफ से पक जाए। रिश्तों के मामले में भी यही बात लागू होती है। अगर दोनों तरफ से अच्छा व्यवहार हो, दोनों ही रिश्ते को महत्व देते हों, तो ऐसे रिश्ते में बने रहें। अगर एक व्यक्ति रिश्ते को महत्व देता है और दूसरा नहीं, तो ऐसे रिश्ते का कोई मतलब नहीं है। ऐसे रिश्ते से बाहर निकल जाना हमेशा बेहतर होता है। संगीता के यूट्यूब पर 29,000 से अधिक फॉलोअर्स थे, ने अपने चैनल पर कई मोटिवेशनल वीडियो पोस्ट किए थे। उन्होंने अपने बेटे के साथ कई छोटे ब्लॉग भी पोस्ट किए थे। घटना के चश्मदीद और गांव के पूर्व सरपंच संजय ने बताया- कुणाल सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक पहाड़ की ऊंची चट्टान पर खड़ा रहा। बार-बार अपनी जगह बदल रहा था। पिता मना रहे थे, उसकी मां भी लगातार रोते हुए बेटे से नीचे आने की गुहार कर रही थी, लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नहीं था। उन्होंने बताया- मैंने भी उसे समझाते हुए कहा कि तुम पढ़े-लिखे हो, ऐसा कदम मत उठाओ, लेकिन उस पर कोई असर नहीं हुआ। चार साल पहले कुणाल के छोटे भाई की भी मौत हो चुकी है। इस हादसे के बाद पूरा परिवार खत्म हो गया। कुणाल के पिता पहाड़ी के उस हिस्से तक पहुंचे जहां वह खड़ा था। उन्होंने बेटे को पीछे खींचने की कोशिश की, लेकिन संतुलन बिगड़ने से दोनों गहरी खाई में गिर गए।

रिजिजू ने नदी में तैरने का वीडियो शेयर किया

लिखा– मेरे लिए यह बच्चों का खेल; स्कूबा डाइविंग पर राहुल गांधी से तुलना हुई थी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश की एक नदी में तैरने का वीडियो पर पोस्ट किया है। वीडियो अरुणाचल प्रदेश की पहाड़ी नदी का है। उन्होंने लिखा है- कुछ घंटों बाद किरेन ने एक और पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी से अपनी तुलना करने वालों को निशाना बनाते हुए कहा कि तैराकी उनके लिए बच्चों का खेल है। पोस्ट में लिखा- ह्यकई लोग कह रहे हैं कि मैं भी राहुल गांधी जैसा कर रहा हूं। राहुल जी शायद इसके लिए ट्रेनिंग लेते हों, लेकिन मेरी जिंदगी में यह आम बात है। दरअसल, जून 2026 में राहुल गांधी का निकोबार में स्कूबा डाइविंग का वीडियो सामने आया था। इसके बाद किरेन रिजिजू ने स्वराजद्वीप में स्कूबा डाइविंग की थी। तब से यह कहा जा रहा था कि रिजिजू ने राहुल की देखा-देखी स्कूबा डाइविंग की थी। इसी के जवाब में रिजिजू ने नदी में तैराकी का वीडियो बनाया। रिजिजू के डेली रूटीन में शामिल है स्विमिंग केंद्रीय मंत्री रिजिजू अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट कामेंग जिले के नाखू में जन्मे हैं। वे अरुणाचल पश्चिम लोकसभा सीट से सांसद रहे। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक 54 साल के रिजिजू यात्रा के दौरान अपने शेड्यूल में शाम 4 से 5 बजे का समय वॉक, स्विमिंग या जॉगिंग के लिए निकालते हैं। जून में सामने आया था राहुल की स्कूबा डाइविंग का वीडियो राहुल गांधी ने 5 जून को 16 मिनट का एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें उन्होंने बताया कि वे भारत के सबसे दक्षिणी छोर इंदिरा पॉइंट पर गए। दुनिया की सबसे शानदार कोरल रीफ (मूंगा चट्टानों) के बीच गोता लगाया था। हालांकि राहुल उस समय सरकार के ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट का विरोध करने के लिए गए थे। 15 दिन बाद रिजिजू ने स्वराज द्वीप पर स्कूबा डाइविंग की किरेन रिजिजू अंडमान में एक इवेंट में शामिल हुए, जहां उन्होंने स्कूबा डाइविंग की।

कहा- 32 साल की उम्र में दी थी शहादत

सीएम योगी ने अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी को दी श्रद्धांजलि

प्रात: किरण, एजेंसी

लखनऊ। स्वाधीनता संग्राम सेनानी अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी के 91वें बलिदान दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को झंडेवाला पार्क, अमीनाबाद में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि 23 अगस्त 1935 को मात्र 32 वर्ष की उम्र में भारत माता के महान सपूत अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी ने ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती देते हुए इसी पार्क में भारत का तिरंगा फहराया था। उस समय तिरंगा स्वाधीनता का प्रतीक था। कायर ब्रिटिश सरकार ने उनके इस साहस का जवाब गोलियों से दिया और वह देश की आजादी के लिए शहीद हो गए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुलाब सिंह लोधी बलिदान हुए लेकिन आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वाधीनता का एक स्वर्णिम पृष्ठ छोड़ गए हैं। उनके बलिदान के महज 12 वर्ष बाद देश ब्रिटिश दासता से मुक्त होकर स्वतंत्र हुआ। सीएम योगी ने कहा कि इस अवसर पर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से वह अमर शहीद की पुण्य स्मृतियों को नमन करते हैं। गुलाब सिंह लोधी का जन्म वर्ष 1903 में उन्नाव के एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। बचपन से ही उनके भीतर देश की आजादी के लिए जज्बा था। इसी भावना के साथ उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया और लखनऊ आकर देश की स्वाधीनता के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी जी की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रदेश सरकार ने उन्नाव जिले में पार्क, स्वास्थ्य केंद्र और पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय का नामकरण उनके नाम पर करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उत्तर प्रदेश सरकार अपने उन सभी अमर बलिदानियों के पुण्य स्मरण को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत की आजादी के लिए 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में अपने आप को बलिदान करने वाली वीरांगना अवंतीबाई लोधी जी के नाम पर अलीगढ़ में स्टेडियम का नामकरण और बदायूं में पीएसी की नई बटालियन का नामकरण किया गया है। लखनऊ में पीएसी की महिला बटालियन का नाम वीरांगना ऊदा देवी पासी के नाम पर रखा गया है। इसी तरह गोरखपुर में नवस्थापित पीएसी महिला बटालियन का नाम वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर तथा औरैया में नए मेडिकल कॉलेज का नाम लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के नाम पर किया गया है। इन सभी महापुरुषों और वीरांगनाओं ने भारत की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी जैसे क्रांतिकारियों ने देश की आन, बान और शान को बनाए रखने के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया। उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाए रखना वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और अमर बलदानियों की स्मृतियों को संरक्षित रखने के लिए स्मारक निर्माण के कार्यक्रम को निरंतर आगे बढ़ाएगी।

स्मृति बोलीं- राहुल महिलाओं के समर्थक हैं तो साबित करें

33% महिला आरक्षण लागू होने दें; पूरा वंदे मातरम भी गाएं

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा महासचिव स्मृति ईरानी ने रविवार को कहा कि अगर राहुल गांधी महिलाओं के समर्थक हैं तो उन्हें पहले महिला आरक्षण लागू करने का समर्थन करना चाहिए। वे 33% आरक्षण लागू कराने और पूरे वंदे मातरम के गायन का समर्थन करके अपनी बात साबित करें। स्मृति ने कहा कि वंदे मातरम के आखिरी 2 पैरा देवी दुर्गा को समर्पित हैं। स्मृति का यह बयान राहुल गांधी के पुणे में हुए छात्रों की गूंज इवेंट के बाद आया है। जहां राहुल ने लड़कियों से कहा था कि उन्हें पितृसत्ता को खत्म करना चाहिए। राहुल गांधी शनिवार को पुणे में छात्राओं से बात करते हुए ह्यमनुस्मृति की मानसिकताह्ण पर निशाना साधते हुए कहा था कि इसने महिलाओं को पुरुषों के अधीन रहने मजबूर किया है। वंदेमातरम पूरा न गाए जाने पर भी बोलीं स्मृति स्मृति ने कहा- ३हिंदू धार्मिक परंपरा में 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता' की भावना निहित है और भगवती, लक्ष्मी तथा सरस्वती जैसी देवियों की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि देवी दुर्गा को शक्ति के स्वरूप के रूप में पूजा जाता है। मैं आग्रह करती हूं कि कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाया जाए, जिसमें देवी दुर्गा का आह्वान करने वाली पंक्तियां भी शामिल हों। राहुल ने महिलाओं से पितृसत्ता खत्म करने को कहा था राहुल गांधी ह्यछात्रों की गूंजह्ण कार्यक्रम में मौजूद थे। यहां करीब 15 हजार छात्राएं थीं। इसी दौरान राहुल ने कहा था कि महिला को जीवन के हर पड़ाव पर पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा था कि महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकने के लिए समाज में हिंसा का इस्तेमाल किया जाता है और 80% महिलाएं उत्पीड़न का सामना करती हैं। कांग्रेस ने कहा था वंदे मातरम के दो ही पैरा गाएंगे कांग्रेस ने वंदे मातरम को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 19 अगस्त को कहा था कि पार्टी 1937 में हुई कांग्रेस बैठक में लिए गए फैसले का पालन करेगी। इसके तहत पार्टी के कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल दो अंतरे गाए जाएंगे। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि वंदे मातरम और राष्ट्रगान कांग्रेस के लिए भावनात्मक मुद्दे हैं, जबकि भाजपा के लिए ये राजनीतिक मुद्दे हैं। 1950 में संविधान सभा ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 24 अगस्त, 2026

हरिद्वार-देहरादून-ऋषिकेश हाईवे पर सड़क हादसों के खतरनाक प्वाइंट

देहरादून, एजेंसी। राजधानी देहरादून को हरिद्वार और ऋषिकेश को जोड़ने वाला हाईवे प्रदेश की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक है. राजधानी आने वाला हर वाहन इसी मार्ग से गुजरता है, लेकिन डोईवाला से लेकर लच्छीवाला, मणिमाई मंदिर, लालतप्पड़, नुन्नावाला और आगे मोतीचूर फ्लाईओवर तक का हिस्सा पिछ्ले कुछ समय से हादसों की ऐसी कहानी लिख रहा है, जिसमें सफर खत्म होने से पहले ही कई परिवारों की खुशियां उजड़ जा रही है. कभी बेकाबू डंपर ने टोल प्लाजा पर कतार में खड़ी कारों को कुचल दिया तो कभी यात्रियों और बरातियों से भरी बस ब्रेक फेल होने के बाद डिवाइडर से जा टकराई. कहीं बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की भिड़ंत के बाद कई वाहन आग की चपेट में आ गए और कहीं सड़क किनारे खड़े भारी वाहन से टकराने के बाद कार सवारों की जान चली गई. कुछ सवाल जो बार-बार खड़े हो रहेः सबसे चिंताजनक बात यह है कि हादसों की जगह और परिस्थितियां अलग होने के बावजूद उनके पीछे तेज रफ्तार, भारी वाहनों का दबाव, वाहन फिटनेस, ब्रेक-टायर की स्थिति, सड़क किनारे खड़े वाहन, टोल क्षेत्र की सुरक्षा और यातायात नियंत्रण जैसे सवाल बार-बार सामने आ रहे हैं. 19 अगस्त 2026 को हुई घटनाः हाल ही में 19 अगस्त 2026 को देहरादून-हरिद्वार मार्ग पर मणिमाई मंदिर के पास हुए हादसे ने इस पूरे कॉरिडोर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए. पुलिस के अनुसार देहरादून की ओर से आ रहे एक वाहन का पिछ्ला टायर अचानक निकल गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराया. पीछे से आ रही ईको वैन भी उससे भिड़ गई. दोनों वाहनों में कुल सात लोग सवार थे. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चार लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हुए. कुछ लोग टक्कर के दौरान वाहन से बाहर भी जा गिरे. इस हादसे की वजह तकनीकि खामी मानी जा रही है. तेज रफ्तार से पीछे से आ रही गाड़ी भी इसकी मुख्य वजह रही. बेकाबू डंपर ने तीन कारों को मारी टक्कर, दो की मौतः 24 मार्च 2025 की सुबह लच्छीवाला टोल प्लाजा हादसों के इस हाईवे की सबसे भयावह तस्वीर सामने आई थी. देहरादून से हरिद्वार की ओर जा रहा खनन सामग्री से भरा डंपर टोल प्लाजा पर पहुंचते ही बेकाबू हो गया और कतार में खड़ी तीन कारों को टक्कर मार दी. एक कार डंपर और टोल प्लाजा के पोल के बीच बुरी तरह दब गई. इसमें टिहरी जिला न्यायालय के दो कर्मचारियों रतनमणि उनियाल और पंकज कुमार की मौत हो गई. पुलिस ने उस वक्त बताया था कि डंपर के ब्रेक फेल से ये हादसा हुआ था. चालक को हिरासत में लिया गया था. सीसीटीवी फुटेज भी जांच का हिस्सा बनी थी. यह हादसा इसलिए सबसे ज्यादा चिंतित करता है, क्योंकि टोल प्लाजा ऐसी जगह होती है, जहां वाहन कतार में खड़े होते हैं और उनके पास अचानक आने वाले बेकाबू भारी वाहन से बचने के लिए बेहद सीमित जगह होती है. यानी जिस स्थान पर वाहनों की गति स्वाभाविक रूप से कम होनी चाहिए. वही स्थान भारी वाहन के बेकाबू होने मौत के जाल में बदल सकता है. लच्छीवाला टोल पहली चेतावनी नहीं थीः लच्छीवाला टोल प्लाजा पर बेकाबू वाहनों के पहुंचने का सिलसिला केवल 2025 की घटना तक सीमित नहीं है. नवंबर 2024 में भी यात्रियों और बरातियों से भरी बसों के टोल क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं सामने आई थीं. एक घटना में बरातियों से भरी बस ब्रेक फेल होने के बाद टोल प्लाजा के डिवाइडर से जा टकराई. बस में करीब 30 लोग सवार थे, जिनमें 12 घायल हुए और एक की हालत गंभीर बताई गई थी. गनीमत रही कि इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई.

इसी दौर में यात्रियों से भरी रोडवेज बस के टोल बैरियर के पोल से टकराने की घटना भी रिपोर्ट हुई थी. यानी टोल प्लाजा पर बसों के बेकाबू होने की घटनाएं कोई नई समस्या नहीं हैं. इन हादसों में किसी का जान नहीं गई. लेकिन इन्हें महज सामान्य सड़क दुर्घटना मानकर नजरअंदाज करना भी खतरे से खाली नहीं है. क्योंकि यही घटनाएं बताती हैं कि टोल क्षेत्र में वाहन बेकाबू होने की स्थिति में सुरक्षा कवच कितना प्रभावी है. लच्छीवाला टोल प्लाजा के इतिहास में और पीछे जाएं तो भारी वाहन से जुड़ी दुर्घटना की समस्या और पुरानी दिखाई देती है. साल 2021 में टोल प्लाजा के पास बेकाबू ट्रक औरबस की टक्कर की घटना सामने आई थी. उस समय भी भारी वाहन की रफ्तार और टोल क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे थे. यानी 2021 से 2026 तक घटनाओं की कड़ी में बस, ट्रक, डंपर और अन्य भारी वाहन अलग-अलग परिस्थितियों में टोल क्षेत्र या उसके आसपास दुर्घटना का कारण बनते रहे हैं. अब सवाल यही है कि वर्षों से सामने आ रहे इन संकेतों के बाद भी क्या टोल क्षेत्र की इंजीनियरिंग और सुरक्षा व्यवस्था में वह बदलाव हुआ, जो ऐसे हादसों को पूरी तरह रोक सके. क्योंकि 21 अगस्त 2026 फिर टोल प्लाजा पर बेकाबू ट्रक की वजह से बड़ा हादसा हो गया था. राहत की बात यह थी कि इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई. न ही किसी को गंभीर चोट आई. एक ही पॉइंट के आसपास बार-बार बड़े सड़क हादसे होने वहां की सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े करता है. टोल प्लाजा से लेकर हाईवे किनारे तक खतरा एक जगह नहींः इस मार्ग पर रोजाना सफर करने वाले संजीव ठाकुर कहते है कि लच्छीवाला टोल की समस्या को केवल टोल बूथ तक सीमित करके देखना भी सही नहीं होगा. मणिमाई मंदिर के पास 19 अगस्त को हुए हादसे ने दिखाया कि टोल क्षेत्र से कुछ दूरी पर सड़क किनारे खड़े भारी वाहन भी तेज गति से चल रहे वाहनों के लिए जानलेवा खतरा बन सकते हैं. इसलिए सड़क सुरक्षा की जांच सिर्फ टोल बैरियर बूथ या पोल तक सीमित नहीं रहनी चाहिए. टोल से पहले और बाद का पूरा हाइवे सड़क किनारे पार्किंग, खराब वाहन सर्विस लेन, कट, डिवाइडर, लाइड व्यवस्था और भारी वाहनों की आवाजाही सबका एक साथ सुरक्षा ऑडिट होना चाहिए.

इंजीनियरिंग की कमी या फिर लापरवाही!

डीएम ललित मोहन रयाल ने कहा- सड़कों के देख पर्यटक सोचेंगे यह जिला दरिद्र और निर्धन है

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल की खराब सड़कों पर डीएम ललित मोहन रयाल ने नाराजगी जताई। भीमताल में हुई बैठक में उन्होंने कहा कि सड़कों के गड्ढों से पर्यटकों पर गलत प्रभाव पड़ेगा और वे जिले को दरिद्र समझेंगे। नैनीताल जिले की सड़कों की दशा बेहद खराब है। सड़कों के गड्ढों के चलते नैनीताल घूमने आने वाले पर्यटकों में भी इसका गलत संदेश जाएगा और पर्यटक यह सोचेंगे की यह जिला दरिद्र और निर्धन होगा। यह नाराजगी शनिवार को डीएम ललित मोहन रयाल ने भीमताल में आयोजित बैठक में लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई और एनएच के अधिकारियों के लिए जताई। डीएम ने कहा कि नैनीताल की सड़कों से माननीय भी सफर करते हैं लेकिन उसके बाद भी सड़कों की स्थिति खराब है। डीएम ने ओखलकांडा के गौनियारों मोटर मार्ग जल्द को जल्द सही कराने के निर्देश लोनिवि के ईई को दिए। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में जिन सड़कों पर गड्ढे हो रहे हैं उन्हें गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए। डीएम ने सड़कों के गड्ढों से आम जनता, यात्रियों और सैलानियों को परेशानियों का सामना न करना पड़े इसका विशेष ध्यान देते हुए गुणवत्ता के साथ सड़क पर डामरीकरण करने को कहा। भीमताल विकास भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने सीएम पोर्टल पर दर्ज जनशिकायतों के समाधान में हीलाहवाली पर विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। डीएम ने सख्त लहजे में चेतावनी देते हुए कहा अधिकारी समस्याओं के समाधान में गंभीरता दिखाएं, मुझे सख्त कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई के लिए विवश न करें। जिले में सीएम पोर्टल पर 817 शिकायतें लंबित रहने पर डीएम ने सभी अधिकारियों को तय समयसीमा के भीतर प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्कैनर से भुगतान का झांसा देकर दो युवकों से साइबर ठगी

झूलाघाट , एजेंसी। झूलाघाट में दो युवक साइबर ठगी का शिकार हो गए। साइबर ठग ने स्कैनर के जरिए भुगतान करने का झांसा देकर दोनों के खातों से 10 हजार रुपये उड़ा लिए। पीड़ितों ने झूलाघाट थाने में तहरीर देकर ठगी की रकम वापस दिलाने की मांग की है। कानड़ी निवासी दीपक भट्ट पुत्र स्व. आनंद भट्ट रेत ढुलान का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने पांच पिकअप रेत जिला मुख्यालय के ऐंचोली में पहुंचाने की बात कही। ऐंचोली पहुंचने पर दीपक ने संबंधित व्यक्ति को फोन किया तो उसने खुद के मीटिंग में होने की बात कही। इसके बाद आरोपी ने दीपक को एक स्कैनर भेजा और उसे स्कैन कर पासवर्ड डालने पर 10 हजार रुपये मिलने का झांसा दिया। दीपक ने पहली बार स्कैन कर पासवर्ड डाला तो उसके खाते में एक रुपया आया। इसके बाद दोबारा पासवर्ड डालते ही उसके खाते से आठ हजार रुपये कट गए।झ दीपक ने इसे अपनी गलती समझकर कानड़ी निवासी अपने साथी मनोज धरियाल से पासवर्ड डालने को कहा। मनोज ने जैसे ही पासवर्ड डाला, उसके खाते से भी दो हजार रुपये कट गए। इसके बाद दोनों को साइबर ठगी का पता चला। पीड़ितों ने पुलिस से साइबर ठग का पता लगाकर रकम वापस दिलाने की गुहार लगाई है। सीओ गोविंद बल्लभ जोशी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही इस संबंध में कुछ कहा जा सकेगा।

सुरक्षा दीवार गिरने से खतरे में आया मकान

अस्कोट(पिथौरागढ़), एजेंसी। लगातार हो रही बारिश से देवल गांव में एक आवासीय मकान खतरे की जद में आ गया है। बृहस्पतिवार रात को बारिश के दौरान देवल गांव में भू-धंसाव होने से महेंद्र सिंह पाल के मकान का आंगन में दरार आ गई और सुरक्षा दीवार गिर गई। सुरक्षा दीवार गिरने से मकान को खतरा पैदा हो गया है। शुक्रवार को सूचना पर पहुंचे राजस्व उप निरीक्षक अमित रावत ने हालात का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दी है। ग्राम प्रधान कैलाश पाल सहित स्थानीय निवासी चंद्र मोहन पाल, प्रकाश पाल ने प्रशासन से शीघ्र सुरक्षा के उपाय किए जाने की मांग की है।

एमबीपीजी कॉलेज में छात्र नेताओं के बीच बवाल, देर रात चार छात्रों पर एफआईआर दर्ज; एक आरोपी हिरासत में

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी के एमबीपीजी कॉलेज में छात्रसंघ चुनाव प्रचार के दौरान हुए मारपीट और हंगामे के मामले में पुलिस ने देर रात चार छात्रों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। कार्रवाई की मांग को लेकर छात्र कोतवाली में घंटों धरने पर बैठे रहे। हल्द्वानी में छात्र नेता से मारपीट मामले में पुलिस ने मारपीट और शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में शनिवार देर रात प्राथमिकी दर्ज हुई। इसमें चार लोगों को नामजद किया गया है। इनमें रुद्राक्ष गोस्वामी, कार्तिक बोरा, हिमांशु भट्ट और मनोज बिष्ट हैं। हालांकि दिन में एक छात्रा ने छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए भी शिकायत दी थी लेकिन बाद में उसे वापस ले लिया। इसके बाद उप सचिव पद पर चुनाव की तैयारी करने वाले छात्र मानस आर्या की तहरीर पर पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज किया।झ शनिवार को एमबीपीजी कॉलेज में चुनाव प्रचार के दौरान दो पक्षों में जमकर विवाद हुआ। झगड़ा तब शुरू हुआ जब मानस आर्या के प्रचार स्थल पर एक छात्रा से छेड़छाड़ की बात सामने आई। छात्रा के बुलाने पर पहुंचे मानस आर्या का आरोप था कि दूसरे पक्ष के छात्रों ने उन्हें प्राचार्य कार्यालय में जाने से रोका और बुरी तरह पीटा। इसके बाद हंगामा बढ़ता चला गया। सूचना पर पुलिस पहुंची लेकिन आरोपी छात्र नहीं माने और मारपीट करते रहे। पुलिस ने लाठियां भी फटकारीं लेकिन हालात काबू में नहीं आए। काफी देर की मशक्कत के बाद पुलिस हंगामा शांत करने में सफल हुई लेकिन कुछ ही घंटे के लिए। रात करीब 7:30 बजे से मानस आर्या के समर्थक छात्र कोतवाली के अंदर धरने पर बैठ गए। आरोप था कि तहरीर दिए जाने के बावजूद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की। करीब तीन घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की।

हाईकोर्ट को हल्द्वानी स्थानांतरित करने के खिलाफ याचिका पर सुनवाई, अदालत ने निर्णय सुरक्षित रखा

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय को नैनीताल से हल्द्वानी के बेल बाबा क्षेत्र में स्थानांतरित करने और बिना केंद्र सरकार की अनुमति के भूमि आरक्षित करने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई पूरी हो गई है. वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने सभी पक्षों की विस्तृत बहस और दलीलें सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया है. नैनीताल से हाईकोर्ट हल्द्वानी शिफ्ट करने के खिलाफ याचिका पर सुनवाईः सुनवाई के दौरान पर्वतीय राज्य की मूल अवधारणा का मुद्दा जोर-शोर से उठा. इसमें कहा गया कि राज्य बनाने का मुख्य उद्देश्य पहाड़ों का विकास था. वकीलों ने तर्क दिया कि यदि उच्च न्यायालय को नैनीताल से स्थानांतरित करना ही है, तो उसे मैदानी क्षेत्र के बजाय पहाड़ के ही किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट किया जाना चाहिए.

याचिकाकर्ताओं ने दिए ये तर्कः मामले में याचिकाकर्ता व राज्य आंदोलनकारी अधिवक्ता रमन शाह ने कोर्ट को अवगत कराया कि जिलाधिकारी नैनीताल द्वारा हाईकोर्ट के लिए बेल बाबा मंदिर के पास रिजर्व फॉरेस्ट की जमीन का प्रस्ताव बनाना वन संरक्षण अधिनियम 1980 की धारा-2 का सीधा उल्लंघन है. याचिका में आरोप लगाया गया कि इस प्रकार के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए. याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि जिस समय सुप्रीम कोर्ट ने मामले में स्टे दिया हुआ था, उसी दौरान मई 2026 में जिलाधिकारी ने इस विवादित भूमि का प्रस्ताव तैयार किया.

इसके अलावा, चिन्हित क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया है और यह क्षेत्र हाथी कॉरिडोर के अंतर्गत आता है. भूमि हस्तांतरण को बताया गैर कानूनीः याचिका में केंद्र सरकार की अनिवार्य अनुमति का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए कहा गया कि सर्वोच्च न्यायालय के 15 जुलाई 2026 के आदेश और उत्तराखंड सरकार की 12 अगस्त 2026 की अधिसूचना में भी उक्त भूमि को 'फॉरेस्ट जमीन' ही माना गया है. वन संरक्षण अधिनियम 1980 के कड़े प्रावधानों के तहत किसी भी रिजर्व फॉरेस्ट भूमि को डी-रिजर्व करने या उसके स्वरूप को बदलने का कानूनी अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास निहित है, न कि राज्य सरकार या अन्य प्राधिकरणों के पास. ऐसे में बिना केंद्रीय मंजूरी के इस भूमि का हस्तांतरण पूरी तरह से नियमों के विपरीत और गैर-कानूनी है. राज्य सरकार के वकीलों ने दिया ये तर्कः दूसरी ओर, राज्य सरकार की तरफ से पेश हुए अधिवक्ताओं ने इन सभी तर्कों का खंडन करते हुए कहा कि हाईकोर्ट शिफ्टिंग के लिए आगे की प्रक्रिया नियमानुसार चल रही है. सरकार का पक्ष था कि जिस स्थान पर उच्च न्यायालय को स्थानांतरित किया जाना प्रस्तावित है, वह कोई हाथी कॉरिडोर नहीं है.

अल्मोड़ा के लाल का कमालः 315 दिनों की पैदल यात्रा में नापे 12 ज्योतिर्लिंग और चारधाम; लोगों ने किया स्वागत

नैनीताल, एजेंसी। अल्मोड़ा के मनोज पांडे 315 दिनों की पैदल यात्रा पूरी कर 12 ज्योतिर्लिंगों और चारों धाम के दर्शन करने के बाद सकुशल घर लौट आए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न राज्यों में बच्चों और बालिकाओं को आत्मरक्षा और योग का प्रशिक्षण भी दिया। दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत हौसले के दम पर नगर के एनटीडी निवासी मनोज पांडे ने एक नया इतिहास रच दिया है। देश के कोने-कोने में स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों और चारों धामों की पैदल परिक्रमा कर वे पूरे 315 दिनों बाद सकुशल अपने घर लौटे हैं। लंबी, दुर्गम और बेहद चुनौतीपूर्ण यात्रा को फतह कर गृहक्षेत्र पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। मनोज पांडे की यह यात्रा सिर्फ धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने इसे एक सामाजिक मिशन का रूप दिया। अपनी 315 दिनों की लंबी पैदल यात्रा के दौरान उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में बच्चों और बालिकाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। उन्होंने जगह-जगह रुककर बच्चों को योग, ध्यान और आत्मविश्वास बढ़ाने के प्रति जागरूक किया। विभिन्न शिविरों के माध्यम से उन्होंने बालिकाओं को अपनी सुरक्षा खुद करने और हर परिस्थिति में सजग रहने का एक मजबूत संदेश दिया। यात्रा पूरी कर वापस अल्मोड़ा पहुंचने पर एनटीडी में स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया। वहां भुवन तिवारी, सौरभ वर्मा, लक्षित तिवारी, प्रमोद तिवारी आदि मौजूद रहे।

झअपने कठिन सफर के अनुभवों को साझा करते हुए मनोज पांडे ने कहा यात्रा मनुष्य को छोटा होना सिखाती है, बौना होना सिखाती है। जब तक आप कुबाटा (कठिन और उबड़-खाबड़ रास्तों) पर नहीं चलेंगे तब तक आप एक सच्चे और अच्छे यात्री नहीं बन सकते। उन्होंने बताया कि पहाड़ों और मैदानों के इन दुर्गम रास्तों ने उन्हें जीवन में विनम्रता, असीम धैर्य और हर परिस्थिति से लड़कर सीखने की कला सिखाई है। कठिन रास्ते ही इंसान को भीतर से फौलाद बनाते हैं और जीवन को देखने का एक नया नजरिया देते हैं।

पुलिस के सामने महिला से अभद्रता, नशे के कारोबार के विरोध में राजपुरा में फूटा लोगों का गुस्सा

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी के राजपुरा क्षेत्र में मादक पदार्थों की कथित बिक्री से नाराज लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। स्थानीय लोगों ने पुलिस चौकी का घेराव कर सख्त कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी में ही एक महिला के साथ अभद्रता और गाली-गलौज की गई। हल्द्वानी के कोतवाली क्षेत्र के राजपुरा इलाके के लोगों ने शनिवार को मादक पदार्थों की बिक्री को लेकर चौकी का घेराव किया। वहीं राजपुरा की ही रहने वाली महिला जब पुलिस लेकर उस मकान पर लेकर पहुंची जहां मादक पदार्थों की धड़ल्ले से बिक्री होती है, तब वहां मौजूद लोगों ने उनसे पुलिस के सामने ही अभद्रता कर डाली। आरोप है कि पुलिस खड़े-खड़े देखती रही लेकिन आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की। काफी देर हंगामे के बाद पुलिस लोगों को शांत करा पाई। कांग्रेस यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष हेमंत साहू ने बताया कि वह राजपुरा के लोगों संग मिलकर लंबे समय से क्षेत्र में मादक पदार्थों की बिक्री के विरोध में अभियान चला रहे हैं। शनिवार को जब लोग चौकी पहुंचे तब पुलिस के पूछने पर ही क्षेत्रीय महिला पुलिसकर्मियों को लेकर उस मकान पर पहुंची जहां मादक पदार्थों की बिक्री करने की बात कही जाती है। इसके बाद उस मकान से दो लोग निकले और महिला से अभद्रता करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी।

तेज रफ्तार कार ने दो महिलाओं को मारी टक्कर, पांच माह की गर्भवती की मौत

देहरादून, एजेंसी। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि हादसे के समय कार की रफ्तार कितनी थी और चालक नशे में था या नहीं। देहरादून के राजपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से पांच माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। हादसे में दूसरी महिला भी घायल हो गई। घटना कैनाल रोड पर हुई, जहां तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे जा रही दोनों महिलाओं को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों महिलाएं सड़क पर जा गिरीं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने पांच माह की गर्भवती महिला को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरी महिला का उपचार चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही राजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार सवार दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया है। शुरुआती जानकारी में दोनों युवकों के नशे की हालत में होने की बात सामने आई है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस की जांच और मेडिकल परीक्षण के बाद होगी। पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि हादसे के समय कार की रफ्तार कितनी थी और चालक नशे में था या नहीं।

तवाघाट-धारचूला सड़क पर फिर मलबा-बोल्डर का कहर, सात घंटे ठप रही आवाजाही, सैकड़ों यात्री फंसे

नैनीताल, एजेंसी। चीन सीमा और आदि कैलाश क्षेत्र को जोड़ने वाली तवाघाट-धारचूला सड़क पर शनिवार सुबह भारी मलबा और बोल्डर गिरने से सात घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा। सड़क बंद होने से पूजा कर लौट रहे 400 से अधिक श्रद्धालुओं समेत सैकड़ों यात्री रास्ते में फंस गए। चीन सीमा के साथ ही आदि कैलाश और दारमा, व्यास, चौंदास घाटी को जोड़ने वाली तवाघाट-धारचूला सड़क पर फिर से मलबा और बोल्डर गिरने से सात घंटे तक आवाजाही ठप रही। इस दौरान हिमालयी क्षेत्रों में पूजा कराने गए सैकड़ों लोग फंस गए। बमुश्किल सड़क खुली तो लोग धारचूला लौट सके। तवाघाट-धारचूला सड़क पर शनिवार सुबह पांच बजे के करीब कुलागाड़ और मलघाट में भारी मात्रा में पहाड़ी से मलबा आ गया। सड़क पर आवाजाही ठप होने से दोनों तरफ बड़ी संख्या में वाहन और यात्री फंस गए।वहीं दारमा और व्यास घाटी में पूजा संपन्न होने के बाद लौट रहे लोगों का भी धारचूला पहुंचना मुश्किल हो गया। सभी सड़क खुलने का इंतजार करते रहे। बीआरओ ने बमुश्किल मलबा और बोल्डर हटाकर दोपहर करीब 12 बजे आवाजाही सुचारू कराई और फंसे यात्री गंतव्य को रवाना हो सके। शनिवार को दारमा और व्यास घाटी से 400 से अधिक लोग पूजा से लौटे। पांगला के सोबन सिंह ने बताया कि कुलागाड़ और मलघाट में पहाड़ी से लगातार बोल्डर गिर रहे हैं। ऐसे में सड़क के फिर से बंद होने की आशंका बनी हुई है। दारमा घाटी से पूजा से लौटे दीलिंग दारमा सेवा समिति के अध्यक्ष करन सिंह ग्वाल ने बताया कि कुलागाड़ व एलागाड़ के साथ ही तवाघाट से बालिंग तक कई जगहों पर बारिश में सड़क पर जगह-जगह कीचड़ जमा होने से वाहनों की आवाजाही जोखिम भरी साबित हो रही है।

यदि बीआरओ पानी की उचित निकासी करता तो आवाजाही सुरक्षित होती। वहीं धारचूला के एसडीएम आशीष जोशी ने बताया कि जगह-जगह जेसीबी तैनाती की गई हैं ताकि सड़कों पर जल्द आवाजाही सुचारु कराई जा सके।

नियमों को ताक पर रख कर चलाया जा रहा था एसएस मोता सिंह स्कूल, मैनेजमेंट पर कार्रवाई करें एलजी: सौरभ भारद्वाज

● शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, स्कूल ने यौन उत्पीड़न की जानकारी शिक्षा निदेशालय को नहीं दी: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट में एसएस मोता सिंह स्कूल में उजागर हुई तमाम कमियों को लेकर मैनेजमेंट के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि स्कूल प्रबंधन की ओर से कई गंभीर गैरकानूनी गतिविधियां उजागर हुई हैं, लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है। उन्होंने उपराज्यपाल से इस मामले में कार्रवाई करने का अनुरोध करते हुए कहा कि स्कूल ने शिक्षा निदेशालय (डीओई) को यौन उत्पीड़न की घटना की जानकारी नहीं दी, जबकि ऐसा करना अनिवार्य है। स्कूल में प्रिंसिपल या वाइस प्रिंसिपल की नियुक्ति नहीं की गई थी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि शिक्षा निदेशालय की मंजूरी के बिना स्कूल को एक अवैध आवासीय इमारत से चलाया जा रहा था। सभी सीसीटीवी कैमरे खराब रखे गए थे और प्रबंधन को महीनों से इस बात की जानकारी थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि शिक्षकों के लिए अनिवार्य पॉक्सो ट्रेनिंग भी नहीं करवाई गई थी। साथ ही प्रबंधन ने धोखे से यह दिखाने की कोशिश की कि उनका जूनियर स्कूल से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने डीएम रेखा गुप्ता से पूछा कि तमाम नियमों के उल्लंघन के बावजूद स्कूल और मैनेजमेंट को बचाने की कोशिश क्यों की गई? सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब अभिभावक अपने बच्चों को किसी प्राइवेट स्कूल में भेजते हैं, तो वे यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की सुरक्षा उस स्कूल की जिम्मेदारी है। मैंने पहले भी बताया था कि एसएस मोता सिंह स्कूल के अंदर जिस तरह से एक बच्ची के साथ हादसा हुआ और जिस तरह से सरकार इस स्कूल के बचाव में दिखी, उससे ऐसा लगता था कि सरकार का स्कूल से कोई कनेक्शन है। पहले सबूत कम थे, लेकिन अब मेरे पास शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गई एक आधिकारिक जांच रिपोर्ट है। इससे साफ हो जाता है कि स्कूल के अंदर ऐसी बड़ी-बड़ी चीजें चल रही थीं जो सीधे तौर पर चाइल्ड प्रोटेक्शन एक्ट और पोक्सो के विरोध में थीं। इसके बावजूद यह स्कूल चलता रहा और आज तक सरकार या शिक्षा विभाग ने इस स्कूल के प्रबंधन और प्रिंसिपल पर पोक्सो के तहत कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराया है। इसका जवाब विभाग के मंत्री आशीष सूद और रेखा गुप्ता को देना चाहिए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि रिपोर्ट में कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। पहली बात यह है कि यह जूनियर स्कूल शिक्षा निदेशालय की पूर्व अनुमति या मंजूरी के बिना एक आवासीय इमारत से चल रहा था और अब तक इन पर कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हुई है। चाइल्ड प्रोटेक्शन लॉ, पोक्सो और डीओई के दिशा-निर्देशों के तहत यह अनिवार्य है कि ऐसे किसी भी हादसे (यौन उत्पीड़न) की जानकारी शिक्षा निदेशालय को दी जाए, लेकिन स्कूल द्वारा यह जानकारी नहीं दी गई। जब हमने शोर मचाया, तब यह मामला आगे बढ़ा। बहुत हैरानी की बात है कि इस जूनियर स्कूल में कोई प्रिंसिपल या वाइस प्रिंसिपल नियुक्त नहीं किया गया था। इसके अलावा स्कूल के 64 सीसीटीवी कैमरे कई महीनों से खराब थे और प्रबंधन को इसकी जानकारी थी, फिर भी कोई मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट नहीं दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय नशा-आतंक नेटवर्क का भंडाफोड़ अर्श डल्ला सिंडिकेट के 4 गुर्गे गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने संगठित नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकी गतिविधियों से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए अर्श डल्ला सिंडिकेट के 4 कथित गुर्गों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि यह गिरोह नशीले पदार्थों की तस्करी से जुटाए गए धन का इस्तेमाल हथियारों की खरीद और आतंकी गतिविधियों को आर्थिक मदद देने के लिए करता था। मामले की जांच आगे बढ़ने के साथ नेटवर्क से जुड़े कई अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत कनाडा भेजे जा रहे एक कूरियर पार्सल से अफीम बरामद होने के बाद हुई। जांच आगे बढ़ने पर नशीले पदार्थों के बदले हथियार हासिल करने और आतंकी गतिविधियों के लिए धन जुटाने वाले कथित नेटवर्क का पता चला। इस नेटवर्क के तार विदेश में मौजूद

खालिस्तानी आतंकी अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला से जुड़े पाए गए हैं। 5.138 किलो अफीम बरामद विशेष पुलिस आयुक्त, अपराध शाखा हर गोविंद सिंह धालीवाल के अनुसार, पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 5.138 किलो उच्च गुणवत्ता वाली अफीम बरामद की है। पुलिस का दावा है कि कनाडा में इसकी कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपये है। जांच में सामने आया कि यह नेटवर्क पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के अलावा विदेश तक फैला हुआ था। आरोपित सामान्य खाद्य पदार्थों के पैकेट में नशीले पदार्थ छिपाकर कूरियर के माध्यम से विदेश भेजते थे। इसके लिए फर्जी पहचान संबंधी दस्तावेजों का भी इस्तेमाल किया जाता था। कूरियर पार्सल से शुरू हुई जांच पुलिस के मुताबिक, 7 फरवरी को नई दिल्ली स्थित एक कूरियर कार्यालय से मामले की जांच शुरू हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि कनाडा भेजे जा रहे एक पार्सल में खाद्य पदार्थों के नीचे अफीम छिपाकर भेजी जा रही है। जांच के दौरान पार्सल के भीतर विशेष रूप से बनाए गए गुप्त खाने से 2.998 किलो अफीम बरामद हुई।

संक्षिप्त खबरें

सफदरजंग अस्पताल में पहली बार निशुल्क रोबोटिक सर्जरी से घुटना प्रत्यारोपण

नई दिल्ली। सफदरजंग अस्पताल के केंद्रीय ऑर्थोपेडिक इंस्टीट्यूट में रोबोटिक सर्जरी की मशीन लगाई है। शनिवार को विभाग के डॉक्टरों ने पहली बार रोबोटिक सर्जरी कर एक 75 वर्षीय मरीज के घुटने बदले। खास बात यह है कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) योजना के तहत बुजुर्ग के निशुल्क घुटना प्रत्यारोपण किया गया। सर्जरी आर्थोपेडिक के यूनिट प्रमुख प्रोफेसर डॉ. भगवती प्रसाद शर्मा, डॉ. ध्रुव मणि व डॉ. कार्तिक यादव ने की। इस पहल से घुटने, कूल्हे और हड्डियों की बीमारियों से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी अब रोबोटिक सर्जरी की अत्याधुनिक सुविधा मिल सकेगी। सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में रोबोटिक सर्जरी की एक मशीन पहले से मौजूद है। उससे यूरोलॉजी से संबंधित बीमारियों की सर्जरी की जाती है। इसके अलावा हृदय रोग की भी रोबोटिक सर्जरी हो चुकी है। इसी क्रम में अब अस्पताल के केंद्रीय ऑर्थोपेडिक इंस्टीट्यूट नई रोबोटिक मशीन लगाई है। इसके अलावा स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर में भी रोबोटिक मशीन लगाने की तैयारी है। डॉक्टर बताते हैं कि रोबोटिक सर्जरी में मरीज को ज्यादा बढ़ा चीरा लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। सर्जरी ज्यादा सटीक होती है और रक्तस्राव कम होता है। इस वजह से सर्जरी के बाद मरीज जल्दी ठीक जाते हैं।

डॉक्टर आंबेडकर कॉलेज के पास अवैध पार्किंग, कूड़े से यातायात, स्वास्थ्य पर खतरा

नई दिल्ली। डॉक्टर भीमराव आंबेडकर कॉलेज के आसपास अवैध पार्किंग, कूड़े के ढेर और निर्माण सामग्री के मलबे से स्थानीय स्तर पर चिंताएं बढ़ गई हैं। इससे छात्रों के आवागमन के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। भाजपा उत्तर-पूर्वी दिल्ली जिला उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी ने इस समस्या पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कॉलेज के पीछे और आसपास अवैध पार्किंग की शिकायतें लंबे समय से मिल रही हैं। कई बड़े वाहन और बसें कॉलेज के प्रवेश मार्ग तक खड़ी कर दी जाती हैं। इससे छात्रों और अन्य लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। परिसर के आसपास यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। कॉलेज के खेल मैदान के पास कूड़े का बड़ा ढेर और निर्माण सामग्री का मलबा जमा है। इससे क्षेत्र में गंदगी और प्रदूषण बढ़ रहा है। विद्यार्थियों को दुर्गंध और धूल-मिट्टी का सामना करना पड़ रहा है। त्रिवेदी ने संबंधित विभागों से इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

24 जोड़े बने यजमान, बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

नई दिल्ली। सावन के रविवार को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जौहरीपुर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में द्वादश ज्योतिलिंर्गों का पार्थिव पूजन व रुद्राभिषेक कराया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। द्वादश ज्योतिर्लिंग पार्थिव पूजन में 24 जोड़े यजमान के रूप में शामिल हुए। वैदिक विधि से सभी जोड़ों को पूजा कराई गई। रुद्राभिषेक के दौरान भगवान शिव को 108 बेलपत्र व 108 फूल अर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने जल, दूध व अन्य सामग्री से शिवलिंग का अभिषेक किया। मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य पंडित विजय कृष्ण ने बताया कि सावन में शिव पूजा का विशेष महत्व है। इसी को ध्यान में रखते हुए 12 ज्योतिलिंर्गों के प्रतीक स्वरूप मिट्टी से 12 पार्थिव ज्योतिर्लिंग तैयार किए गए। पूजा को विधिवत संपन्न कराने के लिए 21 वैदिक विद्वानों ने हिस्सा लिया।

सरकार के वादों की समीक्षा करेगी सीजेपी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पार्टी ने कहा, नया आंदोलन शुरू करने का विकल्प खुला नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सोमवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक बुलाएगी। इसमें 25 जुलाई को अपना देशव्यापी आंदोलन वापस लेने के बाद केंद्र द्वारा किए गए वादों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। पार्टी का कहना है कि सरकार ने अभी तक उन वादों को पूरा करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में औपचारिक रूप से कोई जानकारी नहीं दी है। सीजेपी ने कहा कि वादों को पूरा कराने के लिए सभी कदमों पर विचार किया जाएगा, जिसमें एक और शांतिपूर्ण देशव्यापी आंदोलन

शुरू करने की संभावना भी शामिल है। पार्टी ने छात्रों, युवा नागरिकों, अपने समर्थकों और स्वयंसेवकों से सोमवार की बैठक के नतीजों के लिए तैयार रहने को भी कहा। ये घोषणाएं सुप्रीम कोर्ट द्वारा 18 अगस्त को देश भर में छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर की एक संयुक्त सूची मांगने के कुछ दिनों बाद की गई हैं। सीजेपी ने कहा कि शीर्ष अदालत ने केंद्र से तीन बार यह सूची मांगी थी ताकि वह मामलों को रद्द करने के लिए अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने पर विचार कर सके। अदालत द्वारा बार-बार यह सूची मांगने के बावजूद, केंद्र सरकार ने इसे उपलब्ध कराने का कोई वादा नहीं किया। सीजेपी ने यह भी कहा कि संगठन के साथ बातचीत करने वाले सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने लिखित वादों (जिनमें एफआईआर और मुआवजा शामिल हैं) को पूरा करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी देने के लिए औपचारिक रूप से उनसे संपर्क नहीं किया।

आजाद नगर में 300 पौधे लगाए, 2500 और पेड़ लगाने का लक्ष्य

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। पर्यावरण संरक्षण और आजाद नगर वार्ड को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत महाराणा प्रताप पार्क में रविवार को पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन निगम पार्षद नीलम चौधरी ने किया। इस दौरान 300 पेड़ लगाए गए। कार्यक्रम में भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद हर्ष मल्होत्रा, गांधी नगर विधायक अरविंदर सिंह लवली, शाहदरा जिला अध्यक्ष दीपक गाबा और जिला प्रभारी अनिल गुप्ता समेत भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस मौके पर हर्ष मल्होत्रा ने पौधारोपण

करते हुए कहा कि पेड़ पर्यावरण को स्वच्छ रखने के साथ जीवन और आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा का आधार हैं। उन्होंने लोगों से अपनी मां के सम्मान और स्मृति में कम से कम एक पेड़ लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, हरित ऊर्जा और सतत विकास को लेकर लगातार काम किया जा रहा है। एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान जनभागीदारी के जरिए पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का रूप दे रहे हैं। विधायक अरविंदर सिंह लवली ने क्षेत्रवासियों को आगामी विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र में जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। निगम पार्षद नीलम चौधरी ने कहा कि आज लगाए गए 300 पौधों के अलावा आने वाले समय में आजाद नगर वार्ड में 2500 और पेड़ लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि उनकी उचित देखभाल और संरक्षण भी सुनिश्चित किया जाएगा। वार्ड के पार्कों और सार्वजनिक स्थानों को भी अधिक हरा-भरा बनाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम में अतिथियों और कार्यकताओं ने सामूहिक रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। स्थानीय नागरिकों ने भी अभियान में भाग लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। नीलम चौधरी ने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे अपने परिवार और बच्चों के साथ इस अभियान से जुड़कर आजाद नगर को स्वच्छ, सुंदर और हरित वार्ड बनाने में योगदान दें।

तुलसीदास भारत की अमूल्य धरोहर, उनकी साहित्यिक प्रतिभा का दुनिया में कोई सानी नहीं: डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। महान संत, रामभक्त एवं कालजयी कवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती के अवसर पर रविवार को दिल्ली के यमुना बाजार स्थित कथा पुंज पार्क में भव्य गोस्वामी तुलसीदास जयंती महोत्सव एवं शोभायात्रा का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय गोस्वामी महासभा के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में भारतीय जनता पार्टी के सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को भारत की अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर बताते हुए उनके साहित्यिक योगदान को नमन किया। अपने संबोधन में डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास भारत को प्राप्त हुई उन अनमोल विभूतियों में से एक हैं, जिनका देश के इतिहास, धर्म, साहित्य और संस्कृति पर अत्यंत व्यापक प्रभाव रहा है। उन्होंने कहा कि तुलसीदास जी केवल भगवान

श्रीराम के परम भक्त ही नहीं, बल्कि विश्व साहित्य के महानतम रचनाकारों में से एक थे। उनकी साहित्यिक प्रतिभा का उदाहरण विश्व स्तर पर मिलना अत्यंत कठिन है गोस्वामी एक सम्मानजनक उपाधि थी डॉ. त्रिवेदी ने गोस्वामी शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि इसका संबंध संस्कृत के गो और स्वामी शब्दों से है। गो का अर्थ इंद्रिय, वाणी अथवा गाय के रूप में लिया जाता है, जबकि स्वामी का अर्थ स्वामी या नियंत्रण रखने वाला होता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में गोस्वामी एक सम्मानजनक उपाधि के रूप में प्रयुक्त होता था। उन्होंने कहा कि गोस्वामी समाज की देश के इतिहास, धर्म, साहित्य और संस्कृति के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। गोस्वामी तुलसीदास जी इस गौरवशाली परंपरा के ऐसे महामानव हैं, जिनकी रचनाओं ने भारतीय जनमानस को सदियों से प्रभावित किया है। भारतीय साहित्य को विदेशी पैमाने से देखने पर उठाए सवाल डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने औपनिवेशिक मानसिकता का उल्लेख करते हुए कहा कि बचपन से ही भारतीयों को ऐसी अनेक बातें पढ़ाई जाती रही हैं, जिनमें हमारी अपनी महान साहित्यिक परंपरा को विदेशी मानकों के आधार पर परिभाषित किया गया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि महाकवि कालिदास जैसे महान भारतीय साहित्यकार को अक्सर भारत का शेक्सपियर कहकर संबोधित किया जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय साहित्य की अपनी अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली परंपरा रही है। कालिदास और तुलसीदास जैसे महान साहित्यकारों को किसी विदेशी साहित्यकार के संदर्भ में परिभाषित करने के बजाय उनकी मौलिक प्रतिभा और भारतीय सांस्कृतिक योगदान के आधार पर समझने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी की रचनाओं में भक्ति, दर्शन, लोकजीवन, नैतिकता और भारतीय संस्कृति का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। उनकी साहित्यिक विरासत आज भी समाज को दिशा और प्रेरणा प्रदान कर रही है। भव्य शोभायात्रा में उमड़ा गोस्वामी समाज अखिल भारतीय गोस्वामी महासभा के तत्वावधान में आयोजित समारोह के दौरान गोस्वामी समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की।

बदहाल स्थिति में हैं जहांगीर पुरी के बस स्टैंड यात्रियों को हो रही भारी परेशानी: भास्कर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जहांगीर पुरी क्षेत्र में बस स्टैंडों की बदहाल स्थिति को लेकर रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी एससी-एसटी विभाग के चेयरमैन एम. एल. भास्कर ने दिल्ली सरकार और संबंधित विभागों पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। एम. एल. भास्कर ने बताया कि जहांगीर पुरी लाल बत्ती से लेकर बाबू जगजीवन राम अस्पताल तक स्थित बस स्टैंडों के सेड अत्यंत जर्जर अवस्था में हैं। कई स्थानों पर यात्रियों के लिए उचित छायादार एवं सुरक्षित व्यवस्था नहीं है। विकराल गर्मी और बरसात के मौसम में यात्रियों को खुले आसमान के नीचे बसों का इंतजार करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन बस स्टैंडों की मरम्मत, रखरखाव और उचित देखरेख की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग की है,

लेकिन लंबे समय से इनकी स्थिति सुधारने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इसके कारण प्रतिदिन बसों से सफर करने वाले हजारों यात्रियों, महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और श्रमिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एम. एल. भास्कर ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि जहांगीर पुरी क्षेत्र के सभी जर्जर बस स्टैंडों का तत्काल निरीक्षण कराकर पुराने सेडों को हटाकर नवनिर्मित एवं सुरक्षित सेड लगाए जाएं तथा यात्रियों के बैठने और मूलभूत सुविधाओं की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इस समस्या का तत्काल समाधान नहीं किया गया तो रोहिणी जिला कांग्रेस कमेटी एससी-एसटी विभाग के नेतृत्व में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार और संबंधित विभाग की जिम्मेदारी है तथा यात्रियों की समस्याओं की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए बाहरी जिले में विशेष अभियान 10 दिन में 15 हजार लोगों तक पहुंची शिष्टाचार टीम

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। महिलाओं की सुरक्षा और आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने के लिए बाहरी जिला पुलिस की शिष्टाचार टीम ने जिलेभर में विशेष जागरूकता एवं गश्त अभियान चलाया। पिछले दस दिनों में टीम ने 15 हजार से अधिक लोगों से संपर्क किया। इस दौरान महिलाओं, छात्राओं, बुजुर्गों और यात्रियों से संवाद कर उनकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं को जाना गया तथा संदिग्ध गतिविधियों की तत्काल सूचना पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के दौरान दिल्ली पुलिस अधिनियम की धारा 65 के तहत 127 लोगों को हिरासत में लिया गया। पिछले तीन दिनों में पार्कों, स्कूलों, बस स्टॉप, बसों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिलाओं को महिला हेल्पलाइन 1093 और आपातकालीन हेल्पलाइन 112 की जानकारी दी गई। साथ ही व्यक्तिगत सुरक्षा, सुरक्षित यात्रा और दिल्ली पुलिस की सहायता सेवाओं के बारे में बताया गया। संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त बढ़ाने के साथ बस स्टॉप और बसों में पुलिस की मौजूदगी भी बढ़ाई गई तथा असामाजिक तत्वों पर नजर रखने के लिए नियमित निवारक जांच की गई। पुलिस के मुताबिक शिष्टाचार टीम ने महिलाओं और छात्राओं से मैत्रीपूर्ण संवाद कर उन्हें बिना झिझक पुलिस की मदद लेने के लिए प्रोत्साहित किया। लगातार सामुदायिक संपर्क, जागरूकता और निवारक कार्रवाई के माध्यम से बाहरी जिला पुलिस महिलाओं के लिए सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण बनाने की दिशा में काम कर रही है। पुलिस ने लोगों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

लुधियाना में पंजाब प्रदेश कबीर पंथ संत सम्मेलन का भव्य आयोजन सम्पन्न

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

लुधियाना। पंजाब प्रान्त के लुधियाना शहर के बड़ी हब्बोवाल, जसिया रोड, ज्वाला सिंह चौक स्थित कबीर मठ के प्रांगण में विश्व कबीर दिव्य ज्योति धर्म सेवा संस्थान के तत्वाधान में पंजाब प्रदेश कबीर पंथ संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष वैरागी राम विलास दास ने की। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन उद्योगपति सह भाजपा नेता बी.एम. अमरेश पोद्दार ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माण्ड में जितने भी देवी-देवता, भगवान, गुरु, सद्गुरु, जगतगुरु हुए, सभी ने क्रोध नहीं करने का उपदेश किया लेकिन खुद क्रोध का वरण किया। सद्गुरु कबीर साहेब बावन तरह की घोर

यातना सहने के बावजूद कभी क्रोध का वरण नहीं किया। मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य महंथ धर्म दास साहेब ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को शैक्षणिक और आध्यात्मिक दोनों गुरु बनाना चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में अंतर्राष्ट्रीय संरक्षक महंथ डॉ. राजकुमार आजाद ने कहा कि उच्च शिक्षित व्यक्ति एस.पी., कलेक्टर, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर बनकर माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़कर मंदिर-मस्जिद में भगवान खोजता है, लेकिन आध्यात्मिक व्यक्ति गरीबी में भी माता-पिता में ही भगवान ढूंढ लेता है। अति विशिष्ट अतिथि अंतर्राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सुधीर पासवान ने बढ़ते हुए वृद्धा आश्रम पर दुःख व्यक्त किया ' तथा सम्बोधित करते हुए कहा कि अध्यात्म के बल पर ही राष्ट्र और घर में वास्तविक शांति लाई जा सकती है ' विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महंथ डॉ. अशोक दास, गया, राष्ट्रीय महासचिव संतोष कबीरपंथी, प्रदेश संरक्षक महंथ महेंद्र दास, राष्ट्रीय सचिव उपेंद्र पासवान शास्त्री, विशुनदेव पासवान आदि संतों ने प्रवचन-भजन से माहौल भक्तिमय कर दिया। संस्थान के पंजाब प्रदेश के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों को माला पहनाकर व चादर ओढ़ाकर सम्मानित किया। स्वागत समिति के सदस्य सरदार रंजीत सिंह पोद्दार, निरंजन पोद्दार, विजय पोद्दार, योगेंद्र पोद्दार, सोनेलाल पोद्दार, श्रवण पोद्दार, रामानंद पोद्दार, बंटी पोद्दार, सरदार सुरेंद्र सिंह, पप्पू पोद्दार आदि ने आये हुए श्रद्धांलुओं का गर्मजोशी के साथ भरपूर सेवा किया 'कार्यक्रम में दूर-दराज से हजारों लोग गाड़ी, ट्रेन, बस, टेम्पू आदि से सत्संग का लाभ लेने पहुँचे।

बाइक जब्त करने पर पुलिसकर्मियों पर हमला, आंखों में मिर्च पाउडर डालने के आरोप

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भलस्वा डेयरी इलाके में पुलिसकर्मियों के बाइक जब्त करने से नाराज लोगों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। हमलावरों ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्च पाउडर फेंकने के बाद उनपर ईंट और डंडों से हमला कर दिया। पुलिस ने मौके से एक 17 साल के नाबालिग आरोपी को पकड़ लिया, जबकि अन्य आरोपी वहां से भाग गए। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि 22 अगस्त को दोपहर करीब तीन बजे भलस्वा डेयरी थाने के बीट स्टाफ हवलदार दिनेश और

राजेश जनता विहार मुकुंदपुर इलाके में गश्त कर रहे थे। तलाशी के दौरान उन्हें एक ऐसी बाइक मिली, जिसके वैध दस्तावेज मौजूद नहीं थे। पुलिस ने दिल्ली पुलिस अधिनियम 66 के तहत बाइक को थाने लेकर आ गई। करीब आधे घंटे बाद जब पुलिसकर्मी दोबारा इलाके में पहुंचे तो बाइक मालिक और उसके परिवार के सदस्यों समेत कुछ लोग वहां पहुंच गए। वह पुलिसकर्मियों का विरोध करने लगे और बाइक लेकर जाने को लेकर कहासुनी करने लगे। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। पुलिस अधिकारी के मुताबिक हमलावरों ने उनकी आंखों में मिर्च पाउडर डाल दिया और ईंट व डंडों से हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद उनकी मदद के लिए हवलदार टीनू वहां पहुंचे, आरोपियों ने उनको भी अपना निशाना बनाया। हमले में हवलदार दिनेश के सिर में गंभीर चोट लगी है, वहीं अन्य पुलिसकर्मियों को चोटें आई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाने से अन्य पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और घायल पुलिसकर्मियों को अस्पताल लेकर गए। आरोपी पक्ष की महिला का आरोप : आरोपी पक्ष की महिला सीमा ने पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि पुलिसकर्मी का इलाके में सक्रिय नशा तस्करों से मिलीभगत है। जिसकी वह लगातार शिकायत करती रहती है। जिसकी वजह से पुलिसकर्मियों ने उसकी गाड़ी लेकर चले गए थे। वह गाड़ी को थाने में न रखकर दूसरी पार्किंग में लगा दी। जिसका वीडियो बनाकर उसने 112 नंबर पर शिकायत कर दी। जिससे गुस्साए पुलिसकर्मी उनके घर पर आए और परिवार के सदस्यों के साथ गाली गलौज और मारपीट शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने उसके नाबालिग बेटे की भी पिटाई की।

गाजीपुर रोड पर कूड़े का ढेर और सीएनजी पंप बने जाम की वजह

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर रोड पर सड़क किनारे जमा कूड़े का ढेर और त्रिलोकपुरी के पास स्थित सीएनजी पंप यातायात के लिए बड़ी बाधा बन गए हैं। इस मार्ग पर रोजाना लगने वाले जाम से वाहन चालक और राहगीर परेशान हो रहे हैं। हाल में नाले पर बनाई गई स्लिप रोड का फायदा भी लोगों को नहीं मिल पा रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार, गाजीपुर रोड पर शमशान घाट से पहले कूड़ा डलावघर से कूड़ा उठाने का काम समय पर नहीं होने के कारण कूड़े का ढेर आधी सड़क तक फैल जाता है। इससे वाहनों के आवागमन के लिए बेहद संकरी जगह ही बचती है। यह समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब इसी रोड से बसें और ट्रक भी गुजरते हैं। संकरी सड़क पर बड़े वाहनों के गुजरने से छोटे वाहन फंस जाते हैं और देखते ही देखते लंबा जाम लग जाता है। इस मार्ग से एनएच-9 से कोंडली, मयूर विहार फेज-3 और दल्लूपुरा की ओर जाने वाले वाहन चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। रोज सुबह और शाम के व्यस्त समय में यह समस्या और विकराल रूप ले लेती है। इसी तरह त्रिलोकपुरी के पास यूपी लिंक रोड से आने वाले गाजीपुर रोड के कैरिजवे पर दो सीएनजी पंप भी जाम की एक बड़ी वजह बने हुए हैं।

PUBLIC NOTICE

I, No. 15503176L, Rank DFR, Name Lakshman Kumar Ray R/o Village Jalalpur Apahar, Distt Saran. Bihar-841402, A/P 255 (I) Armd Bde (Rudra) C/o 56 APO do hereby solemnly affirm and state on oath as follows: That I have changed my son's name from Laksh Kumar to Lakshay Kumar due to wrong mention in my Army Record. That my son's correct name is Lakshay Kumar. Vide Affidavit No. IN-LA11854171165610Y

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, सोमवार, 24 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 32 हजार से अधिक चालान काटे

नई दिल्ली। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस सख्ती से निपट रही है। बीते एक सप्ताह में चलाए गए विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान गलत दिशा में वाहन चलाने, बिना हेलमेट गाड़ी चलाने और तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने समेत अन्य उल्लंघन करने पर 32235 चालान किए गए हैं। जाम वाले इलाकों में ई-रिक्शा के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। 63 ई-रिक्शा जब्त किए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) विजयंता गोयल आर्या ने बताया कि अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ सबसे अधिक 22992 चालान किए गए। जबकि, गलत दिशा में वाहन चलाने पर 7675 और तीन सवारी बैठाने पर 1568 चालान काटे गए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक ऐसे गंभीर उल्लंघनों में 2676 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं। ई-रिक्शा से जुड़ी हाल की दुर्घटनाओं और अव्यवस्थित ड्राइविंग, गलत दिशा में चलने तथा अचानक रुकने जैसी घटनाओं को देखते हुए भीड़भाड़ वाले स्थानों पर इनके खिलाफ कार्रवाई गई। उन्होंने कहा कि बार-बार, जानबूझकर या गंभीर उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और वाहन जब्त करने सहित सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने चोरी के आरोपी को दबोचा

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के गीता कॉलोनी थाना पुलिस ने घर में हुई चोरी का 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 38 वर्षीय प्रमोद उर्फ गांजा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का मोबाइल, तीन महंगी घड़ियां और आईपैड बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, वह गीता कॉलोनी थाने का घोषित बदमाश है और पहले भी 12 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, 20 अगस्त को गीता कॉलोनी के मकान नंबर 6/349 में चोरी की शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि रात के समय अज्ञात लोग घर में घुसे और कीमती सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने रानी गार्डन इलाके में 22 अगस्त को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

डीडीए मास्टर प्लान से जुड़े मामलों पर बैठक करेगा

नई दिल्ली। दिल्ली मास्टर प्लान-2047 के विजन को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने को लेकर डीडीए हितधारकों को शामिल करेगा। इसके तहत डीडीए ने अगले तीन माह में 20 से अधिक बैठकें आयोजित करने की योजना बनाई है। इन बैठकों में जन प्रतिनिधियों, सरकारी एजेंसियों, पेशेवर संस्थाओं, इंडस्ट्री, स्थानीय लोगों, जमीन मालिकों और दूसरे संबंधित लोगों के साथ इस प्लान को लागू करने के बारे में सीधे बातचीत की जाएगी। डीडीए के मुताबिक वेबैठकें एमपीडी-2047 के विभिन्न प्रावधानों पर केंद्रित बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करेंगी। योजना के विजन को हकीकत में बदलने के लिए बेहतर समन्वय और भागीदारी को बढ़ावा देंगी। सांसद और विधायकों के साथ एमपीडी-2047 के मुख्य प्रावधानों पर बातचीत करने के साथ इस प्लान को लागू करने के लिए तालमेल बेहतर बनाने के उद्देश्य से सरकारी एजेंसियों और सेवा प्रदाता के साथ भी अलग-अलग बैठक की जाएगी। डीडीए ग्रुप हाउसिंग के पुनर्विकास के लिए आरडब्ल्यूए, कोऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटियों और दूसरे स्टेकहोल्डर्स से संपर्क करेगा। लैंड पूलिंग के लिए किसानों, जमीन मालिकों और स्थानीय स्टेकहोल्डर्स के साथ क्षेत्र अनुसार बैठक के जरिए बातचीत की जाएगी।

डॉक्टर हत्याकांड में दो आरोपियों को जमानत

नई दिल्ली। जंगपुरा में मई 2024 में डॉक्टर योगेश चंदर पॉल की हत्या और लूट के मामले में हाईकोर्ट ने दो आरोपियों को नियमित जमानत दे दी है। अदालत ने कहा कि दोनों आरोपी दो साल से अधिक समय से जेल में हैं, जबकि मामले में अभियोजन के 46 गवाहों में से अब तक सिर्फ एक की गवाही हुई है। ऐसे में मुकदमे के जल्द पूरा होने की संभावना नहीं है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने हिमांशु जोशी और बसंत को जमानत देते हुए कहा कि मुकदमे में देरी के लिए दोनों आरोपियों को जिम्मेदार ठहराने वाली कोई सामग्री रिकॉर्ड पर नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि मामला परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित है। लंबे समय से हिरासत और मुकदमे की स्थिति को देखते हुए दोनों जमानत के हकदार हैं।

योगी सरकार का अनोखा कारनामा, जौनपुर में 5 प्राथमिक स्कूल ही चोरी हो गए: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह ने सरकारी प्राथमिक विद्यालय को लेकर योगी सरकार का अजब कारनामा उजागर किया है। उन्होंने बताया कि जौनपुर में 5 प्राथमिक स्कूल ही चोरी हो गए हैं। इनमें प्राथमिक विद्यालय ढालगढ़ टोला, मिसिरपुर, गगन अर्जनी, उर्दू बाजार और बाघ हासिन शामिल हैं। जमीन पर न विद्यालय, न बच्चे और ना ही शिक्षकों का पता है। फिर भी सरकार कागजों में इन्हें संचालित दिखा रही है। उन्होंने यूपी सरकार और भाजपा के लोगों को चुनौती देते हुए कहा कि कोई इन पांच में से एक स्कूल खोजकर दिखा दें, एक लाख इनाम दूंगा। आप के राज्यसभा सदस्य व उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि आज मैं योगी सरकार का अद्भुत और अनोखा मामला सामने आया है। अभी तक हम लोग वह विद्यालय दिखा रहे थे जिसकी बिल्डिंग मौजूद थी, जिसके भीतर कूड़ा-कचरा था, रसोई घर और टॉयलेट की हालत खराब थी, जो कागजों में चल रहा था लेकिन मौके पर नहीं चल रहा था। लेकिन जौनपुर जिले में सरकारी स्कूल ही गायब हो गया है। उन्होंने बताया कि यूपी सरकार के यू-डाइस पोर्टल पर स्कूल ऑपरेशनल दिखाया जा रहा है और डबल इंजन की सरकार कह रही है कि स्कूल चल रहा है, लेकिन यहां तो बिल्डिंग का ही अता-पता नहीं है। आम आदमी पार्टी योगी सरकार और भाजपा के लोगों को चुनौती देती है कि इन पांच स्कूलों में से एक स्कूल खोजकर दिखा दें। मैं खोजने वाले को एक लाख रुपए दूंगा। जौनपुर के इन पांच प्राथमिक विद्यालयों के नाम प्राथमिक विद्यालय ढालगढ़ टोला, प्राथमिक विद्यालय मिसिरपुर, कन्या कंपोजिट विद्यालय गगन अर्जनी, प्राथमिक विद्यालय उर्दू बाजार और प्राथमिक विद्यालय बाघ हासिन है। संजय सिंह ने कहा कि नगर शिक्षा अधिकारी की चिट्ठी में इन पांचों विद्यालयों के बारे में बताया गया है कि इनका कोई पता नहीं है। ये विद्यालय किराए के मकान में चल रहे थे और अब इन पर भवन स्वामियों का कब्जा करा दिया गया है। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार के ऑनलाइन यू-डाइस पोर्टल पर मिसिरपुर प्राथमिक विद्यालय, कन्या कंपोजिट विद्यालय गगन अर्जनी, बाघ हासिन विद्यालय, ढालगढ़ टोला का विद्यालय और उर्दू बाजार का विद्यालय ऑपरेशनल दिख रहे हैं। यू-डाइस पर ये स्कूल चल रहे हैं, लेकिन हकीकत में न विद्यालय का पता है, न बच्चों का और न ही शिक्षकों का पता है।

दिल्ली में H1N1 के बीच कोविड निगरानी तेज अस्पतालों को जांच और रिपोर्टिंग के निर्देश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में H1N1 के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 की निगरानी भी तेज कर दी है। एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के तहत इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षणों तथा गंभीर श्वसन संक्रमण वाले मरीजों पर विशेष नजर रखी जा रही है। अस्पतालों को ऐसे मरीजों की पहचान, आवश्यक जांच और नियमित आंकड़ा दर्ज करने की व्यवस्था का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों से प्राप्त जानकारी को एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच के माध्यम से दर्ज किया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने जुलाई में राज्यसभा में बताया था कि इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षण, गंभीर श्वसन संक्रमण और कोविड-19 की निगरानी एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के माध्यम से की जा रही है। सभी गंभीर श्वसन संक्रमण मरीजों की कोविड जांच पर जोर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 29 मई 2025 को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षण, गंभीर श्वसन संक्रमण और कोविड-19 की निगरानी के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसके तहत गंभीर श्वसन संक्रमण से पीड़ित सभी मरीजों की कोविड जांच तथा इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षण वाले मरीजों में से 5 प्रतिशत के नमूनों की कोविड जांच करने को कहा गया था। इसके साथ ही कोविड से संबंधित आंकड़ों को नियमित रूप से एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए थे। दिल्ली में ल1ठ1 के मामलों में वृद्धि के बाद अस्पतालों में इन व्यवस्थाओं के पालन और नियमित रिपोर्टिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। H1N1 और कोविड के लक्षण काफी हद तक समान ल1ठ1 और कोविड-19 दोनों श्वसन संबंधी संक्रमण हैं। दोनों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना, शरीर में दर्द, सिरदर्द और थकान जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

विवाह के चार महीने बाद महिला की मौत, मायके वालों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। द्वारका जिले के भरथल गांव में करीब चार महीने पहले शादी हुई 30 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला की पहचान नाजिया खानम के रूप में हुई है। वह रक्षा मंत्रालय में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद पर तैनात थीं। शुरूआत में परिवार ने ससुराल पक्ष पर कोई शक या आरोप नहीं लगाया था, लेकिन अगले दिन मायके वालों ने पति और ससुराल के अन्य सदस्यों के खिलाफ शिकायत दी। इसके बाद सेक्टर-23 द्वारका थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस के मुताबिक, 21 अगस्त को शाम करीब 4:21 बजे भरथल गांव में महिला की मौत की सूचना पीसीआर कॉल के जरिए मिली थी। सूचना मिलते ही एसआई सतपाल डागर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर संबंधित एसडीएम को सूचना दी और जरूरी कानूनी प्रक्रिया के बाद शव को अस्पताल के शवगृह में रखवाया। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशलपाल सिंह ने रविवार को बताया कि मृतका नाजिया खानम, तवाब खान की बेटी थीं। उनकी शादी 11 अप्रैल 2026 को मोहम्मद आजम अली खान के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुई थी। शादी के बाद वह अपने वैवाहिक घर में रह रही थीं और रक्षा मंत्रालय में सहायक अनुभाग अधिकारी के तौर पर काम कर रही थीं। महिला की मौत के बाद 21 अगस्त को उसके परिवार के सदस्य कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने पेश हुए और अपने बयान दर्ज कराए। पुलिस के अनुसार, उस समय दिए गए बयान में परिवार ने महिला के पति या ससुराल के किसी सदस्य पर कोई शक या आरोप नहीं लगाया था। पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त को मृतका के माता-पिता दोबारा एसडीएम के सामने पहुंचे और एक शिकायत दी। इसमें उन्होंने महिला के पति और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों पर आरोप लगाए। शिकायत में सामने आए तथ्यों के आधार पर सेक्टर-23 द्वारका थाने में 22 अगस्त को प्राथमिकी संख्या 214/2026 दर्ज की गई। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 और 108 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है।

राहुल गांधी के प्रदर्शन के दौरान संसद मार्ग थाने की दीवार गंदी करने पर एक की गिरफ्तारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। संसद मार्ग पुलिस थाने की दीवार पर ग्रैफिटी बनाने के मामले में दिल्ली पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह मामला लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रदर्शन से जुड़ा है। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान थाने की दीवार पर ग्रैफिटी लिखकर उसे गंदा किया गया था। इस मामले में पुलिस ने दिल्ली संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की गई और फिर उसे गिरफ्तार किया गया। हालांकि, इस मामले में जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज होने के कारण आरोपी को जमानत पर छोड़ दिया गया है। बता दें कि 21 अगस्त को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी नई दिल्ली के संसद मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। वे जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन के दौरान छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर चल रही जांच की प्रगति जानने के लिए डीसीपी ऑफिस गए थे। राहुल गांधी पहले कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन गए थे। वहां से वे सीधे संसद मार्ग थाने में स्थित डीसीपी ऑफिस पहुंचे। वे पैलेट गन पीड़ित साहिल को साथ लेकर गए थे और इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए थाने पहुंचे थे। दिल्ली के डीसीपी ऑफिस में उनके साथ नई दिल्ली के डीसीपी के अलावा जॉइंट सीपी भी डीसीपी रूम में मौजूद थे। डीसीपी ऑफिस से बाहर आते ही राहुल गांधी पीड़ित परिवार के साथ संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में धरने पर बैठ गए थे। तब पुलिस की ओर से जानकारी दी गई थी कि शिकायतकर्ता की तरफ से शिकायत दी गई है, जबकि राहुल गांधी शिकायतकर्ता नहीं हैं पुलिस ने कहा था कि विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों की ओर से तब बताया गया था कि 20 जुलाई को दर्ज हुए सभी मामलों की जांच क्राइम ब्रांच के पास है। बाद में पुलिस ने राहुल गांधी की ओर से इस मामले में एफआईआर ली थी। जंतर-मंतर छात्र प्रदर्शन के दौरान घायल हुए छात्र साहिल लोचब की शिकायत पर एफआईआर दर्ज होने के बाद कांग्रेस ने इसे राहुल गांधी की लगातार कोशिशों का नतीजा बताया था।

आईएसओ 55001:2024 प्रमाणन हासिल करने वाला भारत का पहला मेट्रो संगठन बना डीएमआरसी

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) ने मुंबई मेट्रो लाइन-3 के एसेट मैनेजमेंट सिस्टम के लिए आईएसओ 55001:2024 प्रमाणन हासिल कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। डीएमआरसी भारत का पहला मेट्रो संगठन बन गया है, जिसे परिसंपत्ति प्रबंधन के इस नवीनतम अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप प्रमाणित किया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह उपलब्धि केवल एक प्रमाणन नहीं, बल्कि मेट्रो परिसंपत्तियों के प्रबंधन में रोकथाम-आधारित देखभाल से आगे बढ़कर रणनीतिक, जोखिम-आधारित और जीवन-चक्र आधारित परिसंपत्ति प्रबंधन की दिशा में डीएमआरसी की महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाती है। आईएसओ 55001:2024 के तहत परिसंपत्तियों का प्रबंधन केवल उनके अनुरक्षण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि प्रदर्शन, जोखिम, लागत और दीर्घकालिक जीवन-चक्र को संगठन के समग्र उद्देश्यों के साथ जोड़कर किया जाता है। इससे परिसंपत्तियों की विश्वसनीयता एवं उपलब्धता बढ़ाने के साथ-साथ संसाधनों के बेहतर उपयोग और दीर्घकालिक लागत-प्रभावशीलता में भी सहायता मिलती है। डीआरएमसी ने ने यह प्रमाणन रिकॉर्ड समय में हासिल किया है। इसके लिए रणनीतिक संपत्ति प्रबंधन योजना (एसएएमपी) को मजबूत करने, परिसंपत्ति प्रबंधन के उद्देश्यों को संगठनात्मक प्राथमिकताओं से जोड़ने, जोखिम आकलन एवं जीवन-चक्र नियंत्रणों को सुदृढ़ करने और अधिकारियों एवं कर्मचारियों की क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया। संपत्ति प्रबंधन व्यवस्था की निरंतर निगरानी केपीआईएस, ऑडिट और प्रबंधन समीक्षा के माध्यम से की जा रही है। विज्ञप्ति के अनुसार, डीएमआरसी मुंबई मेट्रो लाइन-3 के 33.5 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के परिचालन और रक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहा है, जो कोलाबा, बांद्रा और सीपज को जोड़ता है। इसके अंतर्गत रोलिंग स्टॉक, ट्रैक्शन, सिग्नलिंग, टेलीकम्युनिकेशन, स्टेशन, लिफ्ट, एस्केलेटर, ट्रैक और सिविल इंफ्रास्ट्रक्चर सहित अनेक महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों का सुरक्षित एवं कुशल प्रबंधन शामिल है। आईएसओ 55001:2024 प्रमाणन के साथ डीएमआरसी ने सुरक्षा, विश्वसनीयता, दक्षता और स्थायित्व के अपने मूल उद्देश्यों को परिसंपत्ति प्रबंधन की एक वैश्विक रूप से मान्य प्रणाली के साथ और मजबूती से जोड़ा है। यह उपलब्धि भारत के शहरी रेल क्षेत्र में वैज्ञानिक, संरचित और जीवन-चक्र आधारित परिसंपत्ति प्रबंधन के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित करती है। साथ ही, यह डीएमआरसी की उस क्षमता को भी प्रदर्शित करती है जिसके माध्यम से वह देश के विभिन्न शहरों में विश्वस्तरीय मेट्रो ओ एंड एम एवं परिसंपत्ति प्रबंधन विशेषज्ञता उपलब्ध करा सकता है।

नारी शक्ति 3.0: महिलाओं की सेहत को जागरूकता से आगे, समय पर जांच और उपचार से जोड़ने की पहल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मेडिवेज हेल्थ फाउंडेशन ने नारी शक्ति 3.0 पहल की शुरूआत की। नई दिल्ली के चेल्म्सफोर्ड क्लब में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में महिलाओं की प्रिवेंटिव हेल्थ सर्विसेज की जागरूकता, स्क्रीनिंग, जांच, सही चिकित्सकीय मार्गदर्शन और आवश्यकता पड़ने पर समय पर उपचार से जोड़ने पर जोर दिया गया। नारी शक्ति 3.0 का मुख्य उद्देश्य यह समझाना और मजबूत करना है कि महिलाओं की स्वास्थ्य जांच केवल एक कार्यक्रम तक सीमित न रहे। किसी संभावित बीमारी की पहचान के बाद महिला को उचित जांच, विशेषज्ञ परामर्श, रेफरल और उपचार तक पहुंच सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस पहल के तहत 25 और 26 सितंबर 2026 को द लीला पैलेस, नई दिल्ली में एक विशेष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें नीति निमार्ता, डॉक्टर, पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ, टेक्नोलॉजी लीडर्स, कॉरपोरेट प्रतिनिधि और सामाजिक संस्थाएं महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगी। सम्मेलन में पांच प्रमुख विषयों—अर्ली डिटेक्शन, इंस्टीट्यूशनल प्रिवेंशन, एआई और महिला स्वास्थ्य, उरफके माध्यम से महिला स्वास्थ्य तथा पब्लिक हेल्थ एवं लास्ट-माइल एक्सेस—पर विचार-विमर्श किया जाएगा। मेडिवेज हेल्थ फाउंडेशन की सीओओ एकता राठी ने कहा, महिलाओं की स्क्रीनिंग के बाद उनकी स्वास्थ्य यात्रा रुकनी नहीं चाहिए। हमारा प्रयास जागरूकता, जांच, निदान, उपचार और फॉलो-अप को एक मजबूत एवं निरंतर व्यवस्था से जोड़ना है। डॉ. मृणाल कांत पांडे ने कहा, कैंसर के बेहतर परिणाम उपचार शुरू होने से पहले तय होने लगते हैं। समय पर जोखिम पहचान, स्क्रीनिंग और उचित रेफरल से अनावश्यक देरी को कम करना जरूरी है। डॉ. उर्वशी मित्तल ने कहा, समय पर बीमारी की पहचान केवल बड़े शहरों या अस्पतालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। समुदाय स्तर पर जांच को उचित स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना आवश्यक है। कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) रामाकांत द्विवेदी, बृजेश श्रीवास्तव, मनीष मंगल, मोनिका खेरा, श्री आनंद मिश्रा और डॉ. प्रखर सिंह, को-फाउंडर, डरश्कहेल्थकेयर सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े सदस्य, सलाहकार और हितधारक उपस्थित रहे। नारी शक्ति 3.0 यह संदेश देती है कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए केवल जागरूकता अभियान पर्याप्त नहीं हैं। वास्तविक बदलाव तभी संभव है, जब स्वास्थ्य सेवाएं जागरूकता से शुरूआती पहचान, पहचान से सही चिकित्सकीय मार्ग और उपचार से निरंतर देखभाल तक एक मजबूत व्यवस्था के रूप में काम करें। पहल का उद्देश्य महिलाओं को बीमारी के गंभीर रूप लेने से पहले समय पर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना और एक अधिक सुलभ, समावेशी एवं परिणाम-आधारित स्वास्थ्य व्यवस्था को बढ़ावा देना है।

दिल्ली-एनसीआर में रविवार सुबह हुई झमाझम बारिश, तापमान में देखी जा रही गिरावट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए रविवार की सुबह खुशनुमा रही। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद से लेकर गुरुग्राम तक तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। बारिश के बाद कई इलाकों में जलभराव हो गया। राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में सुबह से ही बरसात का दौर जारी रहा। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को दिल्ली-एनसीआर में बादल छाए रहेंगे। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास ही रहने की संभावना है। दिल्ली में सोमवार को भी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से जानकारी दी गई है कि भारतीय मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, दिल्ली एयरपोर्ट के आस-पास खराब मौसम की स्थिति रहने की संभावना है। दिल्ली एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन अभी सामान्य है। आपकी यात्रा बिना किसी परेशानी के पूरी हो, इसके लिए हमारी ग्राउंड टीमें सभी संबंधित पक्षों के साथ मिलकर पूरी लगन से काम कर रही हैं। उड़ानों से जुड़ी ताजा जानकारी के लिए यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। रविवार को उत्तर प्रदेश में भी मौसम विभाग की ओर से तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बनारस, प्रयागराज, समेत 13 जिलों में बारिश से बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग की ओर से देश के कई हिस्सों में मानसून के सक्रिय रहने की संभावना जताई गई है। उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश के ऊपर बने मौसम तंत्र और बंगाल की खाड़ी में बन रहे नए दबाव के कारण मध्य और पूर्वी भारत के राज्यों में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका है।

सफदरजंग अस्पताल में बड़ी कामयाबी पहला रोबोटिक नी-रिप्लेसमेंट सफल

नई दिल्ली। दिल्ली में वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) और सफदरजंग अस्पताल के सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स (सीआईओ) ने आधुनिक इलाज की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की। अस्पताल ने 22 अगस्त को अपना पहला रोबोट-असिस्टेड टोटल नी रिप्लेसमेंट (टीकेआर) सफलतापूर्वक किया। सीआईओ में रोबोट-असिस्टेड ऑर्थोपेडिक सर्जरी की शुरूआत वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता शर्मा के नेतृत्व, समर्थन और प्रोत्साहन से हुई है। इस पहल से सरकारी हेल्थ सिस्टम में एडवांस और टेक्नोलॉजी-आधारित ऑर्थोपेडिक देखभाल को और मजबूती मिलेगी। यह सर्जरी सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्थोपेडिक्स के निदेशक प्रो. डॉ. सुमित सुरल के मार्गदर्शन में की गई। सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व डॉ. भगवती प्रसाद शर्मा, कंसल्टेंट प्रोफेसर और यूनिट हेड ने किया। यह ऐतिहासिक सर्जरी आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरी तरह से मुफ्त की गई। यह ऑपरेशन इस केंद्रीय सरकारी अस्पताल में 75 साल के एक आर्थिक रूप से कमजोर पुरुष मरीज पर किया गया। ऑर्थोपेडिक टीम का नेतृत्व डॉ. भगवती प्रसाद शर्मा ने किया, उनके साथ डॉ. ध्रुवे मैनी और डॉ. कार्तिक यादव थे। एनेस्थीसिया टीम का नेतृत्व डॉ. सुशील गुरिया ने किया। ऑपरेशन थिएटर की नर्सिंग स्टाफ सिस्टर रेखा और रितिका और टेक्निकल स्टाफ विजेंदर की टीम ने भी जरूरी सहयोग दिया। नए रोबोटिक सिस्टम की एक बड़ी खासियत यह है कि यह अपग्रेडेबल प्लेटफॉर्म है, जिससे सीआईओ में रोबोट-असिस्टेड ऑर्थोपेडिक सर्जरी की रेंज बढ़ाने की गुंजाइश है। यह प्लेटफॉर्म इन सर्जरी में टोटल नी रिप्लेसमेंट, पार्शियल नी रिप्लेसमेंट और हिप जॉइंट रिप्लेसमेंट मदद कर सकता है भविष्य में टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर अपग्रेड के साथ इसी प्लेटफॉर्म से रोबोट-असिस्टेड स्पाइन सर्जरी भी संभव हो सकेगी, जिससे मरीजों के लिए एडवांस सर्जिकल सेवाओं का दायरा और बढ़ेगा। रोबोट-असिस्टेड सर्जरी से सटीक प्री-ऑपरेटिव प्लानिंग और सर्जरी के दौरान सटीकता मिलती है, खासकर इम्प्लांट की पोजीशन और अलाइनमेंट में। सीआईओ में इस तकनीक के आने से भविष्य के मरीजों के लिए एडवांस ऑर्थोपेडिक सर्जरी की पहुंच बढ़ेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि केंद्रीय सरकारी अस्पताल में आयुष्मान भारत के तहत इस तकनीक की उपलब्धता से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को भी एडवांस रोबोटिक ऑर्थोपेडिक देखभाल मिल सकेगी, जिससे समान स्वास्थ्य सेवा और मजबूत होगी।

दूसरे राज्यों में भेजे जाएंगे खतरनाक कैदी, गैंगस्टरों पर कसेगा शिकंजा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी की जेलों में बंद विचाराधीन गैंगस्टरों, संगठित अपराधियों और अधिक जोखिम (हाई रिस्क) वाले कैदियों को जरूरत पड़ने पर दूसरे राज्यों की जेलों में स्थानांतरित करने की योजना तैयार कर ली है। इसके लिए सरकार ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब एमेडमेंट) एक्ट, 2025 को दिल्ली में लागू करेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य जेल सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए ऐसे कैदियों के अंतरराज्यीय स्थानांतरण को संभव बनाना और संगठित अपराध से निपटने में राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। दिल्ली सरकार के इस प्रस्ताव के तहत संबंधित राज्यों की आपसी सहमति अथवा गृह मंत्रालय की स्वीकृति से विचाराधीन गैंगस्टरों, संगठित अपराधियों और अन्य अधिक जोखिम वाले कैदियों को एक राज्य से दूसरे राज्य की जेल में स्थानांतरित किया जा सकेगा। इससे आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने और जेलों के बेहतर प्रबंधन में भी मदद मिलने की उम्मीद है। विज्ञप्ति के मुताबिक, दिल्ली की जेलों में दोषियों के साथ बड़ी संख्या में कठोर और कुख्यात अपराधी विचाराधीन कैदी के रूप में बंद हैं। मई 2026 में दिल्ली में 26 चिन्हित गिरोहों के 188 सदस्य चिन्हित किए गए थे, जिनमें से 107 गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया गया था। ऐसे कठोर विचाराधीन कैदी जेल के भीतर से भी लक्षित हत्या, रंगदारी, गैंग प्रतिद्वंद्विता, धमकी और संगठित आपराधिक साजिश जैसी हिंसक गतिविधियों में शामिल रहते हैं। वर्तमान व्यवस्था में ऐसे विचाराधीन गैंगस्टरों और कुख्यात अपराधियों को दिल्ली की जेलों से दूसरे राज्यों में स्थानांतरित करना संभव नहीं है। ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स एक्ट, 1950 के अंतर्गत स्थानांतरण का प्रावधान केवल दोषसिद्ध कैदियों के लिए है। वहीं, विचाराधीन कैदी संबंधित ट्रायल कोर्ट के विशेष रिमांड वारंट के अंतर्गत रखे जाते हैं और उनके स्थानांतरण की व्यवस्था प्रिजनर्स एक्ट, 1900 के तहत होती है, जो केवल राज्य के भीतर कैदियों के स्थानांतरण की अनुमति देता है। इस कानूनी कमी को दूर करने के लिए पंजाब सरकार ने ट्रांसफर ऑफ प्रिजनर्स (पंजाब एमेडमेंट) एक्ट, 2025 पेश किया था। इस संशोधन अधिनियम को 21 अप्रैल 2025 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली थी। संशोधन के तहत सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने अथवा जनहित में विचाराधीन कैदियों को भी एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने का प्रावधान किया गया है। न्यायिक कार्यवाही, जहां आवश्यक हो भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के प्रावधानों के अनुसार की जाएगी। इसी संशोधित व्यवस्था को दिल्ली में लागू करने का प्रस्ताव है, जिससे गंभीर और अधिक जोखिम वाले विचाराधीन कैदियों को परिस्थितियों के अनुरूप दूसरे राज्यों की जेलों में स्थानांतरित किया जा सकेगा।

एपीके-आधारित बैंक धोखाधड़ी मामले में पुलिस ने आरोपी को दबोचा, एक और मामले में शातिर चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। एपीके-आधारित बैंक धोखाधड़ी मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। दिल्ली पुलिस की ओर से बिहार के औरंगाबाद जिले के मदनपुर से मुख्य आरोपी शशिकांत कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता के बैंक खाते से तीन अनधिकृत डेबिट ट्रांजैक्शन (बिना अनुमति के पैसे निकलने) के बारे में शिकायत मिली थी। पुलिस स्टेशन साइबर शाहदरा में शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान, पुलिस टीम ने आईपी लॉग, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, बैंक खाते की जानकारी, ट्रांजैक्शन पैटर्न, तकनीकी इनपुट और अन्य संबंधित डिजिटल सबूतों की बारीकी से जांच और मिलान किया। पुलिस के मुताबिक, शिकायतकर्ता की ओर से बताया गया था कि उसने न तो ये ट्रांजैक्शन किए थे और न ही इनके लिए अनुमति दी थी, और न ही पीड़ित ने अपना बैंकिंग पिन या अन्य गोपनीय बैंकिंग जानकारी किसी व्यक्ति के साथ साझा की थी। शिकायतकर्ता को यह नहीं पता था कि अनधिकृत ट्रांजैक्शन किस तरह से किए गए थे। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी कथित तौर पर एक साइबर-फ्रॉड नेटवर्क का हिस्सा था, जिसमें पीड़ितों को मैलिशियस एपीके फाइलें भेजी जाती थीं, ताकि उनके मोबाइल डिवाइस को हैक किया जा सके और अनधिकृत बैंकिंग ट्रांजैक्शन किए जा सकें। पुलिस के अनुसार, ये अकाउंट्स कथित तौर पर अनजान ग्रामीणों से गैस कनेक्शन और उससे जुड़े फायदे देने के बहाने हासिल किए जाते थे। आरोपी शशिकांत कुमार कथित तौर पर धोखाधड़ी से मिले पैसे का प्रबंधन करता था, पैसे निकालने/ट्रांसफर करने में मदद करता था, कमीशन रखता था और बाकी रकम अपने साथियों को भेज देता था। लगातार तकनीकी निगरानी, लोकेशन-आधारित जानकारी और फील्ड वेरिफिकेशन के आधार पर, पुलिस ने आरोपी की पहचान की और उसका पता लगाया। आरोपी बिहार के औरंगाबाद जिले का रहने वाला है। वहीं, एक दूसरे मामले में शाहदरा पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। इससे पहले आरोपी 12 आपराधिक मामलों में शामिल पाया गया है। आरोपी के पास से इलाके के एक घर से चोरी का सारा सामान बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान प्रमोद उर्फ गांजा के रूप में हुई है। एक विश्वसनीय सूत्र से मिली जानकारी पर पुलिस ने दिल्ली के रानी गार्डन में छापा मारकर आरोपी प्रमोद उर्फ गांजा को दबोच लिया।

संक्षिप्त खबरें

कोर्ट में लंबित 10 मामलों का हुआ निपटारा

गुरुग्राम। सर्वोच्च न्यायालय की ओर से शुक्रवार से रविवार तक आयोजित हुई विशेष लोक अदालत समाधान समारोह के तहत जिले के 10 मामलों का निपटारा कराया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी निशा ने बताया कि 10 मामलों में से 6 मामलों का निपटारा पूर्व में ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मध्यस्थता के माध्यम से करवाया जा चुका था। लंबित चार मामलों में भी पक्षकारों के बीच समझौते की पूरी संभावना को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की तरफ से लगातार प्रयास किए गए। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप सभी 10 मामलों का रविवार को सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष आपसी सहमति एवं समझौते के माध्यम से सफलतापूर्वक निपटारा हुआ। विशेष लोक अदालत के दौरान भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, की सचिव निशा के अधिकक्षों तथा दोनों पक्षों के पक्षकारों से सीधे संवाद किया। न्यायाधीशों ने दोनों पक्षों की बात ध्यानपूर्वक सुनी तथा आपसी सहमति और समझौते के माध्यम से विवादों के समाधान पर प्रसन्नता व्यक्त की। वर्षों से लंबित विवादों के आपसी सहमति से समाधान होने पर दोनों पक्षों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भारत के सर्वोच्च न्यायालय तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गुरुग्राम की की पहल के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितंबर को

गुरुग्राम। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितंबर को किया जाएगा। लोक अदालत का उद्देश्य अधिक से अधिक लंबित मामलों का आपसी सहमति से त्वरित, सुलभ और स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी निशा ने आमजन से अपील की है कि वे लोक अदालत का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपने लंबित मामलों का समाधान करवाएं और सरल प्रक्रिया के माध्यम से त्वरित न्याय प्राप्त करें।

अतिक्रमण के खिलाफ जल्द होगी कार्रवाई

मानेसर। नगर निगम मानेसर की ओर से शहर में अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ जल्द ही सख्त कार्रवाई की जाएगी। निगम ने अतिक्रमण करने वालों को पहले ही चेतावनी जारी कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि शहर की ग्रीन बेल्ट और सर्विस लेन को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। इसके अलावा जगह-जगह लगाए गए अवैध खोखों को भी हटाने की कार्रवाई भी की जाएगी। निगम ने सभी रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं से अपील की है कि वे अपनी रेहड़ी निर्धारित वेंडिंग जोन में ही लगाएं। सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और सर्विस लेन पर रेहड़ी लगाने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और लोगों को आने-जाने में परेशानी होती है। नगर निगम ने शहरवासियों से अभियान में सहयोग करने की अपील की है।

आरएसएस के युवा कार्यक्रम में 286 युवाओं ने लिया हिस्सा

पटौदी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पटौदी ने आश्रम हरि मंदिर में एक युवा केंद्रित कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग के कुल 286 युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आश्रम संचालक महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव महाराज के सान्निध्य में दीप प्रज्वलित करके किया गया। मुख्य अतिथि संजय यादव ने इसमें शिरकत की। युवाओं ने भाषण, देशभक्ति गीत और रामायण, महाभारत एवं श्रीमद्भागवत गीता पर आधारित मौखिक प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। स्वामी धर्मदेव महाराज ने युवाओं से सकारात्मक सोच, कड़ी मेहनत और सही दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

भाजपा एक विचार, संस्कार व राष्ट्रसेवा को समर्पित विशाल कार्यकर्ता परिवार है: अजय खुंडिया

-बोले, एस.सी. समाज के लोगों के हितों के लिए कार्य करना रहेगी प्राथमिकता

-भाजपा एससी मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का गुरुग्राम में स्वागत व सम्मान

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। भाजपा हरियाणा एससी मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अजय खुंडिया का रविवार को गुरुग्राम भाजपा कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। अजय खुंडिया के आगमन पर जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी तथा एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मवीर भांगरौला ने एससी मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ स्वागत किया। जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष अजय खुंडिया को नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में अजय खुंडिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक संगठन नहीं, बल्कि विचार, संस्कार और राष्ट्रसेवा को समर्पित एक विशाल कार्यकर्ता परिवार है। पार्टी ने सदैव समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को साकार करने का कार्य किया है। अजय खुंडिया ने कहा कि एस.सी. मोर्चा की जिम्मेदारी मिलने के बाद हमारा प्रयास रहेगा कि संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत किया जाए। अनुसूचित समाज के प्रत्येक वर्ग तक केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को पहुंचाया जाए। समाज के लोगों को संगठन से जोड़ना और उनके हितों के लिए निरंतर कार्य करना हमारी प्राथमिकता रहेगी। अजय खुंडिया ने कहा कि संगठन की शक्ति हमारे समर्पित कार्यकर्ता हैं। हम सभी को आपसी समन्वय, अनुशासन और समर्पण के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं हमारी ऊर्जावान प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के नेतृत्व में विकसित भारत और विकसित हरियाणा के संकल्प को आगे बढ़ाना है। एस.सी. मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अजय खुंडिया ने कहा कि भाजपा गुरुग्राम जिला कार्यालय पर स्वागत व सम्मान के लिए वे जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, एस.सी. मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मबीर भांगरौला सहित समस्त जिला पदाधिकारियों, मोर्चा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि अजय खुंडिया के अनुभव, सक्रियता और नेतृत्व क्षमता से एससी मोर्चा को निश्चित रूप से नई दिशा और नई ऊर्जा मिलेगी।

फरीदाबाद: पुलिस ने 32 साइबर ठग किये गिरफ्तार, लाखों की नकदी बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। फरीदाबाद साइबर पुलिस ने 15 से 21 अगस्त के बीच 32 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है, इस दौरान टीमों ने 30 लाख 56 हजार रुपए बरामद किये हैं। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि साइबर थानों की टीमों ने 9 मामलों में 32 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें साइबर थाना एनआईटी का दो, सेंट्रल के चार व बल्लबगढ़ के तीन मामले शामिल है। इस दौरान टीमों ने 30 लाख 56 हजार रुपए बरामद किये हैं। इसी प्रकार 603 शिकायतों का निस्तारण कर 7,25,172 रुपये खातों में फ्रीज कराये हैं। यह कार्रवाई 15 से 21 अगस्त के बीच एक सप्ताह के दौरान की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में शिव शंकर, अब्दुल हक, रजत कुमार, राहुल कुमार, आबिद, विनोद, अमित कुमार, अविनाश सिंह, सैकी सचदेवा, राजेश कुमार, सुनील कुमार, महेन्द्र, सुरेन्द्र, रौनक, राकेश पाल, शुभम राय, अमन दुबे, हमजा, कमरूद्दीन, जयेश राठोर, मोहित, सत्यम शर्मा, लवप्रीत सिंह, फहीम खान, मो. सलमान, विपिन कुमार, आकाश शर्मा, प्रियंका, रोहित बिष्ट, पवन कुमार व गौरव कुमार का नाम शामिल है। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, हिमाद्री कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि आमजन लालचवश अधिक धनराशि प्राप्त करने की चाहत में ठगों के चंगुल में फंस जाता है और बिना सूझबूझ के अपनी पूंजी को निवेश कर ठगी का शिकार हो जाता है। अल्प जानकारी या अज्ञानता भी साइबर ठगी का शिकार बना देती है।

विरोध करने वालों पर मुकदमा दर्ज करना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ: शहीदा खान

प्रातः किरण संवाददाता

नूंह। नूंह जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक शहीदा खान ने गुरुग्राम में मुख्यमंत्री नायब सैनी को काले झंडे दिखाने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरूद्ध मामला दर्ज किए जाने की कड़े शब्दों में निंदा की है। रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में शहीदा खान ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार की नीतियों और फैसलों के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराना प्रत्येक नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि केवल विरोध करने के कारण कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है और सरकार के तानाशाहीपूर्ण रवैये को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरकार को असहमति की आवाज को दबाने के बजाय उसे सुनना चाहिए। लोकतंत्र तभी मजबूत होता है, जब विपक्ष और जनता की आवाज का सम्मान किया जाए। विरोध करने वालों पर मुकदमे दर्ज कर उन्हें डराने-धमकाने से लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत नहीं होती। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ने गुरुग्राम की कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हुए सरकार से मांग की कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज मुकदमों को तुरंत वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध की आवाज को दबाया नहीं जाना चाहिए, बल्कि उसे सुना जाना चाहिए।

गुरुग्राम: सफाईकर्मियों की मांगें नहीं मान रही सरकार, कर सकते हैं अनिश्चितकालीन हड़ताल

-सोमवार को मंत्री कृष्ण बेदी का पुतला फूंकेंगे कर्मचारी

-24 अगस्त तक सरकार ने मांगें नहीं मानी तो अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू होगी

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा के नगर निगम, पालिका और फायर विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को 18वें दिन भी पुराने नगर निगम कार्यालय में जारी रही। हड़ताल की अध्यक्षता इकाई के वरिष्ठ उप प्रधान सम्मी बोहत और फायर के जिला प्रधान साहुन खान ने की। जबकि संचालन सचिव धर्मेंद्र जिंगाला ने किया। कर्मचारी नेताओं ने ऐलान किया है कि सोमवार 24 अगस्त को सामाजिक न्याय मंत्री कृष्ण बेदी का पुतला दहन करेंगे। हड़ताली कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राज्य उप-प्रधान बसंत कुमार, फायर के जिला उप प्रधान जोगिंदर और पूर्व जिला प्रधान राजेश कुमार ने सरकार को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जब तक हरियाणा सरकार 13 मई को माने गए फैसले के अनुसार पे-रोल के 1175 फायरमैन और पालिका, परिषद, निगमों के 13,000 पालिका रोल के कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने व अन्य मांगों के पत्र जारी नहीं करती, तब तक हड़ताल पूरे प्रदेश में जारी रहेगी। वरिष्ठ उप प्रधान सम्मी बोहत, कोषाध्यक्ष भारत कांगड़ा और फायर के जिला सचिव सुनील कुमार ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में भाजपा सरकार ने एक भी सीवर व सफाई कर्मचारी की पक्की भर्ती नहीं की है। सफाई कार्य को ठेके पर देकर वाल्मीकि समाज के गरीब कर्मचारियों को ठेकेदारों का गुलाम बनाया जा रहा है। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि 13 मई को हुए समझौते में 17 मांगों पर सहमति बनी थी, जिसमें सफाई कर्मी, सीवर कर्मचारी, माली, बेलदार, इलेक्ट्रिशियन, हेल्पर, क्लर्क, फायर ड्राइवर और फायरमैन को 30 जून तक पक्का करने की बात कही गई थी। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार बार-बार मीटिंग बुलाकर गुमराह कर रही है और केवल आश्वासन दे रही है, आदेश जारी नहीं कर रही। उन्होंने चेतावनी दी कि शहर में हड़ताल के कारण सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं और बरसात-गर्मी में बीमारी फैलने का खतरा है। सरकार आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रही है।

गुरुग्राम में बर्गर किंग रेस्तरां के एसी में ब्लास्ट, धमाके से उड़े शीशे, खाना छोड़कर भागे

-सेक्टर-14 मार्केट में शनिवार देर रात हुआ हादसा

प्रातः किरण संवाददाता

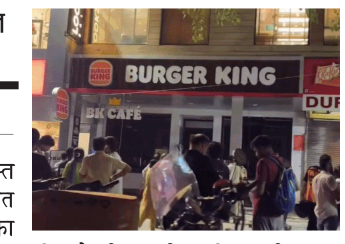

गुरुग्राम। शहर की सबसे व्यस्त सेक्टर-14 मार्केट में शनिवार देर रात बर्गर किंग रेस्तरां रेस्टोरेंट में एसी का कंप्रेसर फट गया। जोरदार धमाका सु कर लोग खाना छोड़कर बाहर भाग गए। रेस्तरां में लगे शीशे भी चकनाचूर हो गए और चारों तरफ कांच के टुकड़े बिखर गए। आवाज सुनते ही मार्केट में दहशत फैल गई। घटना के वक्त बाजार में अच्छी-खासी चहल-पहल थी और लोग वीकेंड पर आउटिंग कर रहे थे। अचानक हुए ब्लास्ट से कई दुकानदारों ने डर के मारे तुरंत अपनी दुकानों के शटर तक गिरा दिए। इस हादसे में सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। जिस वक्त ब्लास्ट हुआ, उस समय आउटडोर कंप्रेसर यूनिट के पास कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था। रेस्टोरेंट के अंदर बैठे ग्राहक और काउंटर स्टाफ भी बाल-बाल बच गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस की राइडर टीम और भीमनगर फायर स्टेशन से फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस और फायर ब्रिगेड ने एहतियात के तौर पर रेस्टोरेंट के आसपास के हिस्से को खाली कराया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। शुरूआती जांच में ओवरहीटिंग को ब्लास्ट की वजह माना जा रहा है। कमर्शियल आउटलेट्स पर एसी लगातार कई घंटों तक चलते हैं, जिससे मशीनें ओवरहीट हो जाती हैं। धूल जमने से वेंटिलेशन रुकना या गैस रिफिलिंग में गड़बड़ी से कंप्रेसर का प्रेशर अनियंत्रित होकर फट गया। फिलहाल तकनीकी कारणों की जांच जारी है। सुरक्षा मानकों और सेफ्टी ऑडिट की तसल्ली के बाद ही रेस्टोरेंट को दोबारा खोला जाएगा।

गुरुग्राम: नगर निगम क्षेत्र में डोर-टू-डोर वाहनों, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों व कर्मचारियों पर रहेगी नजर

गुरुग्राम: नगर निगम क्षेत्र में डोर-टू-डोर वाहनों, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों व कर्मचारियों पर रहेगी नजर

-सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच

-सफाई व्यवस्था को लेकर निगमायुक्त ने की वर्चुअल समीक्षा बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। शहर की सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने तथा सफाई कर्मचारी यूनियन की हड़ताल से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के लिए गुरुग्राम नगर निगम आयुक्त (एमसीजी) प्रदीप दहिया की अध्यक्षता में वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो और नागरिकों को नियमित रूप से सफाई एवं कचरा संग्रहण की सुविधा मिलती रहे। बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका व रविन्द्र यादव सहित संयुक्त आयुक्त, वरिष्ठ सफाई निरीक्षक, सफाई निरीक्षक शामिल हुए। निगमायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे वार्ड कमेटी सदस्यों के साथ लगातार संपर्क में रहें और वार्ड स्तर पर सफाई से संबंधित समस्याओं की जानकारी लेते रहें। स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं का तत्काल संज्ञान लेकर संबंधित टीमों के माध्यम से समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बैठक में निर्देश दिए गए कि संयुक्त आयुक्त सुबह 9 बजे से 11 बजे के बीच नियमित रूप से फील्ड में जाकर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों तथा सफाई कर्मचारियों की उपलब्धता एवं कार्य की जांच करें। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि निर्धारित संसाधन और कर्मचारी वास्तव में फील्ड में मौजूद रहकर सफाई कार्य कर रहे हैं। निगमायुक्त ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था की प्रभावी निगरानी करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी सेकेंडरी कलेक्शन पॉइंट से नियमित रूप से कचरा उठाने और वहां कचरा जमा न होने देने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

पलवल: जिम में कहासुनी की रंजिश में छात्र व चचेरे भाई पर हमला

पलवल। सोल्डा गांव में जिम में हुई कहासुनी की रंजिश को लेकर 12वीं कक्षा के एक छात्र पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल से छुट्टी के बाद घर लौट रहे छात्र पर गांव के ही युवक ने पीछे से भारी हथियार से हमला कर दिया। छात्र को बचाने पहुंचे उसके चचेरे भाई पर भी आरोपी ने हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ में फ्रैक्चर हो गया। घटना के संबंध में चांदहट थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चांदहट थाना प्रभारी श्री भगवान ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि सोल्डा गांव निवासी अभय की शिकायत पर आरोपी ध्रुव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह और उसका चचेरा भाई राज बागपुर गांव स्थित स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ते हैं। 21 अगस्त को स्कूल की छुट्टी होने के बाद दोनों बस से सोल्डा गांव के देवी मैया बस अड्डे पर उतरे थे। इसके बाद दोनों पैदल अपने घर की ओर जा रहे थे। शिकायत के अनुसार, जब दोनों रास्ते में जा रहे थे, तभी गांव का ही ध्रुव पीछे से आया और अभय के सिर पर किसी भारी हथियार से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से अभय जमीन पर गिर गया। आरोप है कि इसके बाद भी ध्रुव ने उस पर कई वार किए। अभय को बचाने के लिए उसका चचेरा भाई राज आगे आया तो आरोपी ने उस पर भी हथियार से हमला कर दिया। हमले में राज के हाथ में गंभीर चोट आई और चिकित्सकीय जांच में हाथ में फ्रैक्चर पाया गया। अभय ने पुलिस को बताया कि पूरी घटना पास में स्थित धर्मेंद्र के घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस मामले की जांच के दौरान सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग भी खंगाल रही है। शिकायतकर्ता के अनुसार, घटना से दो दिन पहले जिम में उसकी ध्रुव के साथ कहासुनी हुई थी। इसी बात की रंजिश रखते हुए आरोपी ने उस पर हमला किया। थाना प्रभारी श्री भगवान ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम: 13.72 ग्राम नशीले पदार्थ के साथ विदेशी नागरिक बाइक समेत काबू

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत (एचएएनसीबी) की गुरुग्राम यूनिट ने सिग्नेचर टावर के पास से एक विदेशी नागरिक को 13.72 ग्राम नशीला पदार्थ एमडीएमए एवं एक मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। एचएएनसीबी गुरुग्राम यूनिट के यूनिट प्रभारी नवीन ने रविवार को बताया कि उनकी यूनिट के एएसआई बिजेंद्र कुमार की टीम को एक गुप्त सूचना मिली। बताया गया कि सिग्नेचर टावर के पास एक विदेशी मूल का एक व्यक्ति ओकाके अवैध रूप से नशीला पदार्थ एमडीएमए बेचने का काम करता है। अपनी पीठ पर टांगे बैग में वह एमडीएमए लिए हुए मोटरसाइकिल पर पास के एक पार्किंग स्थल की ओर आने वाला है। इस सूचना की विश्वसनीयता को देखते हुए टीम ने आसपास निगरानी बढ़ाई, जिसमें आरोपी को मोटरसाइकिल सहित रोका गया। पूछताछ में उसकी पहचान ओकाके फ्राइडे उर्फ रिचर्ड पुत्र ओकाके इग्वेबिके के रूप में हुई। तलाशी में आरोपी की पीठ पर टंगे बैग से 13.72 ग्राम एमडीएमए बरामद हुई, जो एनडीपीएस एक्ट के तहत वाणिज्यिक मात्रा (कमर्शियल क्वांटिटी) में आती है। नशीले पदार्थ के साथ-साथ आरोपी की मोटरसाइकिल को भी बतौर सबूत जब्त किया गया। आरोपी ओकाके फ्राइडे उर्फ रिचर्ड के विरुद्ध थाना सेक्टर-40 में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी और उसके नेटवर्क तथा उससे जुड़े लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

गुरुग्राम: समूहगान, फैंसी ड्रेस व भाषण प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने जीता सबका दिल

-सुरुचि परिवार के वार्षिकोत्सव में 20 स्कूलों के 220 बच्चों ने लिया भाग

-डॉ. धनीराम अग्रवाल की पुस्तक आत्म-कथ्य का हुआ लोकार्पण

गुरुग्राम। सुरुचि परिवार के तत्वावधान में रविवार को रेड रोजेज पब्लिक स्कूल के सभागार में पिछले 29 वर्षों की परंपरा को निभाते हुए देशभक्ति समूहगान, फैंसी ड्रेस एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 20 विद्यालयों के लगभग 220 बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लू बेल्स स्कूल समूह की निदेशक डॉ. सुमन गुलाटी ने की, जबकि रेड रोजेज स्कूल की निदेशक प्राचार्य ऋतु वेदी स्वागताध्यक्ष के रूप में मौजूद रहीं। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष डॉ. धनीराम अग्रवाल की पुस्तक आत्म-कथ्य का मंचासीन अतिथियों द्वारा लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन महासचिव मदन साहनी ने किया। अशरफी देवी मूलचंद चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित और प्रख्यात उद्योगपति शरद गोयल के सौजन्य से पिछले 25 वर्षों से आयोजित हो रही देशभक्ति समूहगान प्रतियोगिता में नगर के 16 विद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया। सबसे ऊंची विजय पताका लिए हिमालय खड़ा रहेगा, मैं हूं माटी भारत की, निमाणों के पावन युग में हम चरित्र निर्माण न भूलें जैसे गीतों से पूरा सभागार देशभक्ति के स्वर में गुंजायमान हो उठा। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एंजिल्स इंटरनेशनल स्कूल, द्वितीय रोटरी पब्लिक स्कूल एवं सीसीए स्कूल (संयुक्त), तृतीय स्थान शारदा इंटरनेशनल एवं लॉर्ड जीसस स्कूल (संयुक्त) ने हासिल किया। रेड रोजेज स्कूल को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में 30 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने रानी गाइदिन्ल्यु, ऊषा मेहता, तिलका मांझी, कैप्टन लक्ष्मी सहगल, अशफाक, बिस्मिल, लक्ष्मीबाई, उधम सिंह, बिरसा मुंडा, मंगल पांडेय, सावित्रीबाई फुले, छत्रपति शिवाजी जैसे देशभक्तों की वेशभूषा धारण कर सभी का दिल जीत लिया। इसमें प्रथम स्थान शारदा इंटरनेशनल स्कूल, द्वितीय यूरो इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-45, तृतीय स्थान यूरो इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-10 ने हासिल किया। भाषण प्रतियोगिता में 16 विद्यालयों के 32 बच्चों ने प्रतिभागिता की।

फरीदाबाद: पुलिस ने 32 साइबर ठग किये गिरफ्तार, लाखों की नकदी बरामद

फरीदाबा। फरीदाबाद साइबर पुलिस ने 15 से 21 अगस्त के बीच 32 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है, इस दौरान टीमों ने 30 लाख 56 हजार रुपए बरामद किये हैं। पुलिस प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि साइबर थानों की टीमों ने 9 मामलों में 32 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें साइबर थाना एनआईटी का दो, सेंट्रल के चार व बल्लबगढ़ के तीन मामले शामिल है। इस दौरान टीमों ने 30 लाख 56 हजार रुपए बरामद किये हैं। इसी प्रकार 603 शिकायतों का निस्तारण कर 7,25,172 रुपये खातों में फ्रीज कराये हैं। यह कार्रवाई 15 से 21 अगस्त के बीच एक सप्ताह के दौरान की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में शिव शंकर, अब्दुल हक, रजत कुमार, राहुल कुमार, आबिद, विनोद, अमित कुमार, अविनाश सिंह, सैकी सचदेवा, राजेश कुमार, सुनील कुमार, महेन्द्र, सुरेन्द्र, रौनक, राकेश पाल, शुभम राय, अमन दुबे, हमजा, कमरूद्दीन, जयेश राठोर, मोहित, सत्यम शर्मा, लवप्रीत सिंह, फहीम खान, मो. सलमान, विपिन कुमार, आकाश शर्मा, प्रियंका, रोहित बिष्ट, पवन कुमार व गौरव कुमार का नाम शामिल है। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय, हिमाद्री कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि आमजन लालचवश अधिक धनराशि प्राप्त करने की चाहत में ठगों के चंगुल में फंस जाता है और बिना सूझबूझ के अपनी पूंजी को निवेश कर ठगी का शिकार हो जाता है। अल्प जानकारी या अज्ञानता भी साइबर ठगी का शिकार बना देती है। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, पूर्ण जानकारी के बाद ही आधिकारिक साइट पर निवेश करें, किसी को भी अपनी निजी जानकारी शेयर ना करें और ना ही किसी को ओटीपी बताएं, बैंक कभी भी आपकी गोपनीय जानकारी नहीं लेता है। डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई भी प्रावधान कानून में नहीं है।

पलवल: मां की हत्या का बदला लेने के जमानत पर आए आरोपी की हत्या

प्रातः किरण संवाददाता

पलवल। शहर के जवाहर नगर कैंप में शनिवार देर रात पुरानी रंजिश के चलते जमानत पर बाहर आए 52 वर्षीय अधेड़ की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपी दुष्यंत उर्फ देवा खुद कैंप थाना पहुंचा और थाना प्रभारी की मेज पर देसी कट्टा तथा तीन जिंदा कारतूस रखकर आत्मसमर्पण कर दिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी मां की हत्या का बदला लेने के लिए सुरेश की हत्या की है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मां की मौत के बाद उसने उनकी चिता पर ही खून के बदले खून लेने की कसम खाई थी। मां की मौत को हर दिन और हर समय याद रखने के लिए उसने उनकी फोटो भी बनवाकर अपने पास रखी थी। कैंप थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि जवाहर नगर कैंप निवासी सुरेश उर्फ दलीप शनिवार देर रात अपने घर के बाहर बैठा था। इसी दौरान पड़ोसी दुष्यंत उर्फ देवा अपने साथियों देवेंद्र, जोनी, रवि, जयसिंह, आशा और निशा के साथ वहां पहुंचा। दोनों पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दुष्यंत और देवेंद्र ने सुरेश पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद उस पर गोली चला दी गई। गंभीर रूप से घायल सुरेश को उसकी पत्नी सुधीना और पड़ोसियों की मदद से ई-रिक्शा में जिला नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात के कुछ देर बाद दुष्यंत सीधे कैंप थाना पहुंच गया। उसने थाना प्रभारी के सामने देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस रखकर आत्मसमर्पण किया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। सूचना मिलने पर सीन ऑफ क्राइम टीम ने घटनास्थल की जांच की। मौके से खून से सने पत्थर और ईंटों के अलावा गोली के खाली खोल भी बरामद किए गए। पुलिस पूछताछ में दुष्यंत ने बताया कि वर्ष 2023 में गली में स्पीड ब्रेकर बनवाने को लेकर उसकी मां का सुरेश के साथ विवाद हुआ था। आरोपी के अनुसार, इसी दौरान सुरेश ने उसकी मां की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। मां की मौत के बाद उसने बदला लेने की ठान ली। आरोपी ने बताया कि मां की चिता पर उसने खून के बदले खून लेने की कसम खाई थी। मां की मौत को कभी न भूलने के लिए उसने उनकी फोटो भी बनवाई और उसे अपने पास रखा। परिजनों के अनुसार, सुरेश एक हत्या के मामले में जेल में बंद था और करीब पांच महीने पहले पत्नी की बीमारी के चलते जमानत पर बाहर आया था। उसकी पत्नी कैंसर से पीड़ित है और लंबे समय से बीमार चल रही है। जमानत के बाद सुरेश पत्नी की देखभाल कर रहा था। मृतक की पत्नी सुधीना ने आरोप लगाया कि पांच युवक और दो महिलाओं ने उसके पति पर चाकुओं से हमला किया। हमलावरों ने उसे और उसके पोता-पोती को भी छत से नीचे फेंकने की कोशिश की। उसका आरोप है कि हमले के बाद पति को सांसें चल रही थीं और उसने पुलिस से मदद मांगी थी, लेकिन उसे इंतजार करने के लिए कहा गया। थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल ने बताया कि मृतक की पत्नी की शिकायत पर दुष्यंत, देवेंद्र समेत सात नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच उप निरीक्षक सुमित कर रहे हैं। मुख्य आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं।

रविवार को भी खुले रहे 61 डाकघर

गुरुग्राम। रक्षाबंधन पर्व पर दूर रहने वाले भाई-बहनों तक राखियां समय पर पहुंचाने के लिए डाक विभाग की ओर से रविवार को विशेष व्यवस्था की गई। गुरुग्राम मंडल के 61 डाकघर रविवार को खुले रहे। इनमें राखियों की बुकिंग, बाहर से आई डाक के लेनदेन और वितरण का कार्य किया गया। वहीं, अन्य नियमित डाकघर सेवाएं रविवार को बंद रहीं। गुरुग्राम के सदर बाजार स्थित डाकघर में भी राखियों की बुकिंग और वितरण के लिए विशेष व्यवस्था की गई। यहां रविवार को 50 से अधिक राखियां अन्य शहरों में भेजी गईं। वहीं, बाकी डाकघरों से लगभग 10-10 राखियां बुकिंग हुई हैं। इसके अलावा दूसरे शहरों से आए राखी समेत अन्य पार्सल को भी संबंधित पते पर पहुंचाने के लिए डिलीवरी की गई। डिप्टी पोस्टमास्टर मनोज कुमार ने बताया कि रक्षाबंधन को देखते हुए पिछले कुछ दिन से डाककर्मी अतिरिक्त समय तक काम किया जा रहा है।

फरीदाबाद: कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर

फरीदाबाद। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के लोगों के लिए जनसंवाद हेल्पलाइन शुरू की है। अब क्षेत्र के लोग घर बैठे अपनी शिकायत, समस्या और सुझाव मंत्री तक पहुंचा सकेंगे। इसके लिए हेल्पलाइन नंबर 7780077100 जारी किया गया है। इसमें शिकायत के साथ वार्ड नंबर भी दर्ज करना होगा। इसके बाद टीम के सदस्य अधिकारियों से संपर्क कर उसका समाधान कराएंगे। रविवार को फरीदाबाद के सेक्टर-16 स्थित अपने कार्यालय में हेल्पलाइन के शुभारंभ के दौरान मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि इसका उद्देश्य लोगों को छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत देना है। मंत्री ने बताया कि हेल्पलाइन पर मिलने वाली शिकायतों को संबंधित विभाग के अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। अधिकारियों के साथ समन्वय कर समस्याओं के जल्द समाधान का प्रयास किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि हेल्पलाइन पर मिलने वाली शिकायतों को संबंधित विभाग के अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। जनसंवाद हेल्पलाइन के जरिए लोग अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे, बल्कि अपने क्षेत्र के विकास से जुड़े सुझाव भी दे सकेंगे।

सम्पादकीय

बेहद खतरनाक है वोट बैंक के लालच में मुफ्तखोरी की बाढ़

तमिलनाडु की तमिलगा वेत्री कड़गम गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने थाईमामन थंगा मोथिरम थिट्टम यानी मामा की सोने की अंगूठी योजना घोषणा की है जिसकी औपचारिक शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुराई की जयंती पर आगामी 15 सितंबर 2026 को की जायेगी। इस योजना के तहत 22 जून 2026 या उसके बाद सरकारी अस्पतालों में पैदा होने वाले सभी बच्चों को इस योजना का लाभ मिलेगा। यह तो एक नवीनतम बानगी है। ईमानदाराना बात तो यह है कि वर्तमान में भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति अत्यंत संवेदनशील और संक्रमणकालीन दौर से गुजर रही है। चुनाव अब विकास के मुद्दों, दीर्घकालिक नीतियों, विदेशी साख, विश्व सहयोग, जीवन स्तर के मापदण्ड, बुनियादी ढांचे के निर्माण या औद्योगिक क्रांति पर नहीं, बल्कि इस बात पर लड़े जा रहे हैं कि कौन सा दल मतदाताओं को कितनी लोक लुभावन वस्तुएं मुफ्त में दे सकता है। तात्कालिक राजनीतिक लाभ और वोट बैंक को सुरक्षित करने की इस अंधी होड़ ने देश में मुफ्तखोरी की एक भयावह बाढ़ ला दी है। चुनावी वैतरणी पार करने का यह शॉर्टकट अब देश की आर्थिक रीढ़ तोडने के साथ साथ समाज को एक गहरे संकट की ओर भी धकेल रहा है। मुफ्तखोरी का तीव्र से तीव्रतम होता यह दावानल अब खतरे के निशान से ऊपर पहुंचता जा रहा है। लोक लुभावन रेवड़ियां बांटने की यह होड़ देश के लगभग सभी राज्यों में चल रही है। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को 1, 250 रुपये से 1, 750 रुपये प्रति माह की दिये जाते है। कर्नाटक में गृह लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की महिला मुखिया को 2, 000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। पश्चिम बंगाल में लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। तमिलनाडु में कलेग्नार मगालिर उरीमाई थोगाई योजना के तहत महिलाओं को 1, 000 रुपये प्रति माह दिए जाते हैं। दिल्ली में पिंक टिकट योजना के तहत महिलाओं के लिए डीटीसी और क्लस्टर बसों में सफर पूरी तरह मुफ्त है। कर्नाटक में शक्ति योजना के तहत राज्य की सभी महिलाओं के लिए सरकारी ऑर्डिनरी बसों में यात्रा मुफ्त है। पश्चिम बंगाल व आंध्र प्रदेश में भी महिलाओं के लिए सरकारी परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा लागू है। उत्तर प्रदेश में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की बुजुर्ग महिलाओं के लिए रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा दी जाती है। पंजाब, तेलंगाना, केरल और जम्मू-कश्मीर में भी महिलाओं के लिए यह सुविधा उपलब्ध है। इसी तरह पंजाब में घरेलू उपभोक्ताओं को 300 यूनिट प्रति माह मुफ्त बिजली दी जा रही है। दिल्ली में उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और 400 यूनिट तक आधे दाम पर बिजली का लाभ मिलता है। कर्नाटक में गृह ज्योति योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को उनकी औसत खपत के आधार पर 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान की जाती है। मध्य प्रदेश में साइकिल वितरण, मोबाइल वितरण, स्कूटी वितरण जैसे कार्यक्रम चलाये गये। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत पीएम किसान के अलावा 6, 000 रुपए वार्षिक अतिरिक्त दिए जाते हैं। इस प्रकार किसानों को कुल 12, 000 रुपये मिलते हैं। कुछ राज्यों ने अतिरिक्त स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत केंद्र की आयुष्मान भारत योजना यानी 5 लाख के बीमा के अलावा भी अतिरिक्त धनराशि दी जा रही है जिसमें राजस्थान की चिरंजीवी योजना, पश्चिम बंगाल की स्वास्थ्य साथी योजना और तमिलनाडु की मुफ्त इलाज गांटी योजनायें शामिल हैं। केन्द्र सरकार भी इस दौड में पीछे नहीं है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रति माह मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। वन नेशन वन राशन कार्ड यानी देश के किसी भी कोने में उचित मूल्य की दुकान से मुफ्त या तय दर पर राशन लेने की सुविधा। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र परिवारों को सूचीबध्द अस्पतालों में प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कवरेज मिलता है। प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना के तहत आम जनता को कम कीमत पर जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराना। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को पक्के मकान देने के लिए वित्तीय सहायता और सब्सिडी प्रदान की जाती है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवाने के लिए भारी सब्सिडी व मुफ्त बिजली का प्रावधान। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाः गरीब महिलाओं को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन का लाभ।

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट आखिर क्यों बढ़ रहे हैं इसके दाम?

सुनील कुमार महला

देश में चीनी की कीमतों में इन दिनों काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है और चीनी के प्रति किलो के दाम 60 रुपए प्रति किलो या इससे ज्यादा तक पहुंच गये हैं। इस क्रम में यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि चीनी की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल स्थिति बहुत गंभीर नहीं है इस संबंध में यहां पर पाठकों को बताता चलूं कि त्योहारी सीजन को देखते हुए सरकार ने 31 अक्तूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इससे बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए भंडारण सीमा भी सख्त की है। आखिर क्यों बढ़ रही चीनी की कीमतेंः यहां पर यह सवाल जरूर उठता है कि जब देश में चीनी की कमी नहीं है, तो कीमतें इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। इसके पीछे गन्ने के उत्पादन में कमी, गन्ने का अधिक हिस्सा इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होना या गन्ने की खेती का पर्याप्त विस्तार न होना जैसे कारण हो सकते हैं। वास्तव में देश में चीनी उत्पादन में कमी, खराब मौसम और कम बारिश, त्योहारी सीजन में मांग बढ़ना, भंडार में कमी और जमाखोरी की आशंका, वैश्विक बाजार में आपूर्ति का दबाव तथा गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति को भी चीनी कीमतों की चर्चा में प्रमुखता मिली है, जिसके कारण चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कीमत वृद्धि का मुख्य कारण इथेनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन नहीं है। गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल भी एक कारण? पाठक जानते होंगे कि हमारे देश में गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल मुख्यतः पेट्रोल में मिलाकर किया जा रहा है। इसे इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कहा जाता है। हमारे देश में स्थिति की बात करें तो ई-20 पेट्रोल यानी 20% इथेनॉल तथा 80% पेट्रोल अब भारत में पेट्रोल का प्रमुख मानक मिश्रण है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में औसत इथेनॉल मिश्रण लगभग 20% तक पहुंच गया है। अप्रैल 2026 से बीएस-श्कवाहनों के लिए ई-20 उत्सर्जन मानकों को पूरा करना अनिवार्य किया गया है। वास्तव में, इथेनॉल मिश्रण का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना, किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराना और कार्बन उत्सर्जन घटाना है। सरकार के अनुसार ईबीपी कार्यक्रम से अब तक लगभग 1.97 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचत हुई है। संक्षेप में कहें तो हमारे देश भारत पेट्रोल वाहनों को धीरे-धीरे इथेनॉल आधारित ईंधन की ओर ले जा रहा है। आज की स्थिति में ई-20 सामान्य पेट्रोल व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे में कृषि और पेट्रोलियम मंत्रालय को मिलकर इन पहलुओं की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। इथेनॉल की बढ़ती मांग को देखते हुए गन्ने का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि चीनी और इथेनॉल दोनों की जरूरत पूरी हो सके और किसानों को भी बेहतर लाभ मिले। हमारे देश में चीनी उत्पादनः बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत दुनिया के प्रमुख चीनी उत्पादक देशों में है। 2025-26 चीनी सत्र में भारत का चीनी उत्पादन लगभग 306 लाख टन (3.06 करोड़ टन) रहने का अनुमान है, जो शुरूआती अनुमान से करीब 11 प्रतिशत कम है। उत्पादन में कमी का असर घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ा है। इस बीच, इथेनॉल उत्पादन के लिए भी गन्ने से प्राप्त चीनी का एक हिस्सा इस्तेमाल किया जाता है और हाल फिलहाल कमी को देखते हुए सरकार ने घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के लिए, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि, शुल्क-मुक्त चीनी आयात की अनुमति भी दी है। उक्त संदर्भ में यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि देश में गेहूं, चावल, सब्जी, फल और दूध जैसे कई खाद्य पदार्थों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। लेकिन दाल और खाद्य तेल के मामले में अभी भी आयात पर निर्भरता है। दालों की बढ़ती मांग और खाद्य तेल की लगभग आधी जरूरत ही देश में पूरी होना चिंता का विषय है।

जिनके घर शीशे के हों वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते

मैंने अपनी जिंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है। कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे उल्टी आने जैसा व्यवहार करार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि यह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं। कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं? कंगना रनौत के इस बयान की खासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी।

तनवीर जाफरी
(लेखक)

देश में इन दिनों छात्रों और युवा पीढ़ी अर्थात जेन जी के छिड़े घमासान के बीच जेन जी को ही केंद्र में रखकर कुछ ऐसे बयान सुनने में आ रहे हैं जिनकी न तो भाषा शालीन है न ही बयान देने वालों का व्यक्तित्व ही ऐसा है जिसे देश में शिक्षा, रोजगार, पारदर्शिता, जवाबदेही, भ्रष्टाचार, लोकतंत्र तथा संवैधानिक मूल्यों को लेकर संघर्षरत युवा पीढ़ी व छात्रों से जोड़ा जा सके। इस संबंध में सबसे दिलचस्प वाकयुद्ध बाबा रामदेव व फिल्म अभिनेत्री व भारतीय जनता पार्टी सांसद कंगना रनौत के बीच छिड़ा। इस वाक्युद्ध ने एक दूसरे की पोल पट्टी खोलकर रख दी। गौरतलब है कि बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले के विरोध में प्रदर्शन कर रही युवा पीढ़ी पर तीखी टिप्पणियां की थीं। कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को ह्यगटर जनरेशनह्व कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि जेन जी के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा। मैंने अपनी जिंदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है। कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद असभ्य और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे ह्यउल्टी आने जैसाह्व व्यवहार करार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि ह्ययह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकतीं ह्व कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं, जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं? कंगना रनौत के इस बयान की खासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वी चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी। जब बाबा रामदेव से कंगना के ह्यगटर जेनरेशनह्व वाले बयान पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति, उनकी योग्यता और उनके अतीत पर ही गंभीर सवाल उठा दिये। रामदेव ने कहा कि ह्यउनकी क्वालिफिकेशन (शिक्षा)क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामे कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। किसी भी देश के जवानों को और जेन-जी को ह्यगटरह्व बोलना यह बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है। यह गलत बात है और उनकी पार्टी (बीजेपी) को इस पर संज्ञान लेना चाहिए ह्व हमेशा भाजपा सरकार की पैरवी करने वाले बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर वैसे भी लोग आश्चर्यचकित हैं कि आखिर उन्होंने किस तरह सत्ता के विरोध में आवाज उठाने की हिम्मत जुटाई? कुछ लोग तो उनके इस बयान की वजह से उन्हें राजनीति का ह्यमौसम विज्ञानीह्व भी कहने लगे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि रामदेव ने कंगना रानौत को लेकर इतने सारे सवाल एक साथ कैसे और किस आधार पर खड़े किये? और क्या वजह थी कि रामदेव के इन सवालों से तिलमिलाकर कंगना को भी रामदेव पर तीखे जवाबी बाण छोड़ने पड़े? दरअसल कंगना रनौत ने स्वयं अपने अनेक इंटरव्यू में अपने शुरूआती जीवन, चरित्र, नशे और संघर्षों को लेकर बेहद चौंकाने वाले और बेबाक बयान दिए थे। उनके ये बयान समय-समय पर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में बड़े विवाद की वजह बने हैं। कंगना रनौत ने साल 2020 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने खुलकर स्वीकार किया था कि वह एक समय पर ड्रग्स की लत का शिकार हो चुकी थीं। उन्होंने कहा था कि ह्यजब मैं घर से भागी थी, उसके डेढ़-दो साल के अंदर ही मैं एक फिल्म स्टार भी थी और एक ह्यड्रग एडिक्टह्व भी थी ह्व उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शुरूआती दिनों में उनके एक ह्यमेंटॉरह्व जो बाद में प्रताड़ित करने वाले बन गए, उनकी ड्रिंक्स में नशीली चीजें मिलाकर देते थे ताकि वह पुलिस के पास न जा सकें। बाद में एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे योग और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं की मदद से नशे की इस लत से बाहर आ पाईं। उसी 2020 के वीडियो में अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कंगना ने खुद को ह्यखतरनाकह्व बताया था। उन्होंने कहा था कि जब वह कम उम्र में घर से भागकर मुंबई आई थीं, तो बहुत गलत लोगों के चंगुल में फंस गई थीं। उन्होंने कहा था कि ह्यमेरी जिंदिगी में इतने स्कैंडल चल रहे थे और मैं ऐसे लोगों के हाथों में पड़ गई थी, जहां से सिर्फ मौत ही मुझे बचा सकती थी। यह सब मेरी जिंदिगी में तब हो रहा था जब मैं सिर्फ एक टीनेजर (किशोरी) थी। सोच लो, मैं कितनी खतरनाक हूँ! ह्व कंगना ने यह भी बताया था कि उनके पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन जब उन्होंने मना किया तो उनके पिता ने उन्हें थप्पड़ मारा था, जिसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। वह महज 15-16 साल की उम्र में बिना पैसों के घर से भागकर दिल्ली और फिर मुंबई आ गई थीं। वास्तव में कंगना की इस तरह की स्वीकारोक्ति को ही आधार बनाकर रामदेव ने उन्हें लेकर अनेक प्रश्न खड़े कर दिये।

परीक्षा व्यवस्था में भरोसा लौटाना समय की जरूरत

यह पहल केवल परीक्षा के तौर-तरीकों में बदलाव तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका लक्ष्य शिक्षा व्यवस्था में ऐसी समानता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता स्थापित करना होना चाहिए, जिसमें देश के हर विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा साबित करने का समान अवसर मिले। नंदन नीलेकनी का नाम तकनीक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और बड़े स्तर की प्रणालियों के निर्माण से जुड़ा रहा है। परीक्षा व्यवस्था भी अब केवल प्रश्नपत्र छापने और परीक्षा केंद्रों तक सीमित नहीं रह गई है। यह एक विशाल डिजिटल और प्रशासनिक प्रणाली बन चुकी है, जिसमें लाखों विद्यार्थियों का पंजीकरण, पहचान सत्यापन, परीक्षा केंद्रों का प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, ऑनलाइन आवेदन, मूल्यांकन और परिणाम शामिल हैं। इसलिए परीक्षा सुधार में तकनीकी विशेषज्ञता की भूमिका बढ़ गई है। लेकिन तकनीक को समाधान का एक हिस्सा मानना होगा, पूरा समाधान नहीं। परीक्षा प्रणाली का संबंध विद्यार्थी की सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि, स्कूल की गुणवत्ता, शिक्षक की उपलब्धता, भाषा, इंटरनेट सुविधा और परिवार की आर्थिक क्षमता से भी है। इसलिए विशेषज्ञ समिति को तकनीक और शिक्षा, दोनों को साथ लेकर चलना होगा।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

भारत की शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से बदलाव की मांग कर रही है। देश में स्कूलों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी है, उच्च शिक्षा के अवसरों का विस्तार हुआ है और डिजिटल तकनीक ने पढ़ाई के तौर-तरीकों को बदल दिया है। इसके बावजूद परीक्षा प्रणाली को लेकर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के मन में अनेक सवाल बने हुए हैं। पेपर लीक, नकल, परीक्षा परिणामों में देरी, तकनीकी गड़बड़ियां, अलग-अलग परीक्षाओं के अलग मानक और प्रतियोगी परीक्षाओं का बढ़ता दबाव जैसी चुनौतियों ने परीक्षा व्यवस्था में विश्वास को प्रभावित किया है। ऐसे समय में केंद्र सरकार की ओर से परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की पहल महत्वपूर्ण मानी जानी चाहिए। उद्यमी और तकनीक की दुनिया के जाने-माने विशेषज्ञ नंदन नीलेकनी के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम को भारतीय परीक्षा प्रणाली में सुधार और विश्वास बहाल करने के लिए सुझाव देने की जिम्मेदारी दिया जाना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल केवल परीक्षा के तौर-तरीकों में बदलाव तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका लक्ष्य शिक्षा व्यवस्था में ऐसी समानता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता स्थापित करना होना चाहिए, जिसमें देश के हर विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा साबित करने का समान अवसर मिले। नंदन नीलेकनी का नाम तकनीक, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और बड़े स्तर की प्रणालियों के निर्माण से जुड़ा रहा है। परीक्षा व्यवस्था भी अब केवल प्रश्नपत्र छापने और परीक्षा केंद्रों तक सीमित नहीं रह गई है। यह एक विशाल डिजिटल और प्रशासनिक प्रणाली बन चुकी है, जिसमें लाखों विद्यार्थियों का पंजीकरण, पहचान सत्यापन, परीक्षा केंद्रों का प्रबंधन, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, ऑनलाइन आवेदन, मूल्यांकन और परिणाम शामिल हैं। इसलिए परीक्षा सुधार में तकनीकी विशेषज्ञता की भूमिका बढ़ गई है। लेकिन तकनीक को समाधान का एक हिस्सा मानना होगा, पूरा समाधान नहीं। परीक्षा प्रणाली का संबंध विद्यार्थी की सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि, स्कूल की गुणवत्ता, शिक्षक की उपलब्धता, भाषा, इंटरनेट सुविधा और परिवार की आर्थिक क्षमता से भी है। इसलिए विशेषज्ञ समिति को तकनीक और शिक्षा, दोनों को साथ लेकर चलना होगा। परीक्षा सुधार की चर्चा अक्सर पेपर लीक या नकल रोकने तक सीमित हो जाती है। निश्चित रूप से प्रश्नपत्र की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन परीक्षा व्यवस्था की समस्याएं इससे कहीं बड़ी हैं। मान लीजिए किसी परीक्षा में पेपर लीक नहीं हुआ, लेकिन परीक्षा केंद्र दूर-दराज के क्षेत्र में है, किसी विद्यार्थी के पास गुणवत्तापूर्ण तैयारी के साधन नहीं हैं और किसी दूसरे विद्यार्थी ने महंगे कोचिंग संस्थान से तैयारी की है। दोनों को एक जैसा प्रश्नपत्र मिलने के बावजूद उनके अवसर समान नहीं कहे जा सकते। यही कारण है कि परीक्षा में समानता स्थापित करने का अर्थ केवल समान प्रश्नपत्र देना नहीं, बल्कि समान अवसर उपलब्ध कराना भी है। आज एक बड़ी समस्या यह है कि कई बार शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान अर्जित करने के बजाय परीक्षा पास करना बन जाता है। विद्यार्थी पाठ्यक्रम को समझने के बजाय संभावित प्रश्नों की तैयारी करने लगते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अलग कोचिंग व्यवस्था विकसित हो गई है। इससे दो समानांतर व्यवस्थाएं बनती दिखाई देती हैं- एक औपचारिक शिक्षा व्यवस्था और दूसरी परीक्षा-केंद्रित तैयारी व्यवस्था। इस अंतर को कम करना जरूरी है। यदि स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों को तार्किक सोच, समस्या समाधान, विश्लेषण, रचनात्मकता और विषय की वास्तविक समझ विकसित करने में सक्षम बनाएं, तो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बोझ भी कम हो सकता है। देश में कोचिंग संस्थानों का विस्तार अपने आप में समस्या नहीं है। समस्या तब पैदा होती है जब विद्यार्थी को यह विश्वास होने लगे कि बिना महंगी कोचिंग के वह किसी बड़ी परीक्षा में सफल नहीं हो सकता है। यह धारणा सामाजिक असमानता को बढ़ा सकती है। शहरों में रहने वाले और आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों के विद्यार्थियों को बेहतर कोचिंग, टेस्ट सीरीज, डिजिटल सामग्री और विशेषज्ञ शिक्षकों तक पहुंच मिल सकती है। दूसरी ओर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थी सीमित संसाधनों के साथ तैयारी करते हैं। इसलिए परीक्षा सुधार के साथ सार्वजनिक शिक्षा की गुणवत्ता मजबूत करना भी आवश्यक है। भारत विविधताओं का देश है। यहां अलग-अलग भाषाएं, सामाजिक परिस्थितियां, आर्थिक स्तर और शैक्षिक संसाधन हैं। ऐसी स्थिति में परीक्षा व्यवस्था को ऐसा बनाया जाना चाहिए कि विविधता प्रतिभा के रास्ते में बाधा न बने। भाषा के प्रश्न पर भी संवेदनशील दृष्टिकोण जरूरी है। विद्यार्थियों को अपनी सुविधा और परीक्षा की प्रकृति के अनुरूप पर्याप्त भाषाई विकल्प मिलने चाहिए। प्रश्नों का अनुवाद केवल शब्दों का अनुवाद न होकर अर्थ की समानता सुनिश्चित करने वाला होना चाहिए। इसी तरह दिव्यांग विद्यार्थियों, दूर-दराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों और डिजिटल संसाधनों से वंचित छात्रों की जरूरतों को भी सुधार प्रक्रिया में शामिल करना होगा। भविष्य की परीक्षा व्यवस्था में तकनीक की भूमिका निश्चित रूप से बढ़ेगी। ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल पहचान, कंप्यूटर आधारित परीक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी और डिजिटल मूल्यांकन जैसी व्यवस्थाएं परीक्षा को अधिक तेज और पारदर्शी बना सकती हैं। लेकिन तकनीक के साथ नए जोखिम भी आते हैं। साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, सर्वर की विश्वसनीयता, तकनीकी खराबी और डिजिटल विभाजन जैसी चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसलिए डिजिटल परीक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जिसमें तकनीकी गड़बड़ी होने पर विद्यार्थी को नुकसान न उठाना पड़े।

कम उम्र में विवाह : मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव और बचाव की राह

डॉ. मनोज कुमार तिवारी

भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों के बीच संबंध स्थापित करने की प्रक्रिया नहीं माना जाता, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था के रूप में देखा जाता है। विवाह परिवार निर्माण, सामाजिक स्थिरता और पारिवारिक मूल्यों के संरक्षण का माध्यम है। यही कारण है कि विवाह को जीवन के महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक माना जाता है। हालांकि, जब विवाह उचित आयु से पहले कर दिया जाता है या युवाओं पर कम उम्र में विवाह करने का दबाव बनाया जाता है, तब इसके दूरगामी सामाजिक, आर्थिक और मानसिक प्रभाव सामने आते हैं। किशोरावस्था और युवावस्था जीवन का वह चरण है जब व्यक्ति अपनी पहचान विकसित करता है, शिक्षा प्राप्त करता है, भविष्य की योजनाएँ बनाता है और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ता है। ऐसे समय में विवाह की जिम्मेदारियाँ अचानक उस पर थोप दी जाएँ तो मानसिक संतुलन और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। कम उम्र में विवाह विशेष रूप से युवतियों के लिए अनेक चुनौतियाँ लेकर आता है, जिनका असर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर लंबे समय तक बना रह सकता है। कम उम्र में विवाह होने का सबसे बड़ा प्रभाव भावनात्मक अपरिपक्वता के रूप में दिखाई देता है। किशोर और युवा अभी स्वयं को समझने, अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने तथा जीवन के विभिन्न अनुभवों से सीखने की प्रक्रिया में होते हैं। ऐसे समय में वैवाहिक जीवन, पारिवारिक जिम्मेदारियाँ और सामाजिक अपेक्षाएँ उनके लिए अतिरिक्त बोझ बन जाती हैं। जब वे इन जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं, तब तनाव, चिंता और आत्मविश्वास में कमी जैसी समस्याएँ उत्पन्न होने लगती हैं। घरेलू हिंसा और असुरक्षा भी कम उम्र में विवाह से जुड़ी एक गंभीर समस्या है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि कम आयु में विवाह करने वाली लड़कियों में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक हिंसा का जोखिम अपेक्षाकृत अधिक होता है। निरंतर भय, नियंत्रण और दबाव की स्थिति व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। इससे आत्मसम्मान में कमी आती है और कई मामलों में अवसाद तथा मानसिक आघात जैसी स्थितियाँ विकसित हो जाती हैं। शिक्षा का बाधित होना भी मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। विवाह के बाद बड़ी संख्या में युवतियों की पढ़ाई बीच में ही रुक जाती है। शिक्षा से वंचित होने के कारण वे अपने कैरियर और आर्थिक आत्मनिर्भरता के अवसर खो देती हैं। परिणामस्वरूप उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है, जिससे हीन भावना और असंतोष की भावना विकसित हो सकती है। जब व्यक्ति अपने सपनों और वास्तविक परिस्थितियों के बीच बड़ा अंतर महसूस करता है, तब मानसिक तनाव और निराशा बढ़ने लगती है। कम उम्र में विवाह का एक अन्य महत्वपूर्ण प्रभाव सामाजिक अलगाव के रूप में सामने आता है। विवाह के बाद युवा अपने मित्रों, शैक्षणिक वातावरण और सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। इससे अकेलेपन की भावना उत्पन्न होती है। सामाजिक संपर्कों की कमी और भावनात्मक समर्थन का अभाव मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे सकता है। लंबे समय तक अकेलेपन की स्थिति अवसाद और चिंता विकारों के जोखिम को बढ़ा देती है। अनचाहे गर्भधारण की समस्या भी कम उम्र में विवाह से जुड़ी हुई है। शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण रूप से तैयार न होने के बावजूद कई युवतियों को गर्भधारण करना पड़ता है। गर्भावस्था और प्रसव से जुड़ी जटिलताएँ, बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी तथा परिवार की अपेक्षाएँ उनके मानसिक स्वास्थ्य पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। कई बार यह स्थिति गंभीर मानसिक तनाव और अवसाद का कारण बन जाती है। तनाव में वृद्धि भी एक प्रमुख कारण है। अनेक युवा अपने व्यक्तिगत सपनों, शिक्षा, रोजगार और पारिवारिक अपेक्षाओं के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करते हैं। जब वे इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर पाते, तब उनमें असफलता और अपर्याप्तता की भावना विकसित होती है।

संक्षिप्त खबरें

ब्रह्माकुमारी बहनों ने लेफ्टिनेंट कर्नल को राखी बांधी

फर्रुखाबाद। भाई-बहनों के त्योहार रक्षाबंधन पर्व से पहले जय नारायण वर्मा रोड पर ब्रह्माकुमारी आश्रम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में लेफ्टिनेंट कर्नल अजय प्रताप सिंह आरआरसी फतेहगढ़ से उपस्थित रहे। रक्षाबंधन के उपलक्ष में बीके सुमन दीदी ने राखी बांधकर उनका मुख मीठा कराया और ईश्वरी सौगात दी। ब्रह्मा कुमारी बहनों ने उनके देश की रक्षा का संकल्प लिया। लेफ्टिनेंट कर्नल ने बहनों के इस प्रयास की मुक्त कंठ से सराहना की। इस मौके गीता,सुनीता,भगवती,विमला आदि बहनें मौजूद रहीं।

पीएम पोषण योजना से लाभान्वित होंगी मुरादाबाद की 3404 रसोइयां

मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों को दिए गए उपहार के अंतर्गत मुरादाबाद जनपद की करीब 3404 रसोइयां लाभान्वित हो रही है। रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में पीएम पोषण योजना के तहत कुछ रसोइया को तीन-तीन हजार रुपये के चेक वितरित किए गए। इस दौरान लखनऊ में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य रामगोपाल अंजान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार के द्वारा रसोइयों का मासिक मानदेय दो हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये कर दिया गया है। पूर्व की सरकार में यह एक हजार रुपये हुआ करता था। रसोइया को आयुष्मान योजना के तहत प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज देने की सुविधा दी जा रही है। इनके परिवार के लिए बिना किसी प्रीमियम के दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा उपलब्ध कराया गया है। साड़ी या ड्रेस के लिए मिलने वाली सहायता राशि को बढ़ाकर एक हजार रुपये प्रति वर्ष कर दिया गया है। इस अवसर जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया और मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

औरैया : प्रोजेक्ट नई किरण ने टूटने की कगार पर पहुंचे 10 परिवारों को फिर जोड़ा

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में आपसी मतभेद और पारिवारिक कलह के चलते अलग रह रहे 10 परिवारों के बीच रविवार को प्रोजेक्ट नई किरण के तहत काउंसलिंग कराकर समझौता करा दिया। पुलिस की पहल पर पति-पत्नी ने पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक साथ रहने की सहमति जताई, जिसके बाद परिवारों को खुशी-खुशी विदा किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती के निर्देश पर महिला थाना प्रभारी पूजा राठौर की अध्यक्षता में आयोजित प्रोजेक्ट नई किरण में ऐसे परिवारों की समस्याएं सुनी गईं, जिनमें आपसी वैचारिक मतभेद के कारण पति-पत्नी कुछ समय से अलग रह रहे थे। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों की बात सुनकर आपसी समझ और संवाद के माध्यम से विवादों को दूर करने का प्रयास किया गया। पुलिस की समझाइश के बाद सभी 10 परिवार साथ रहने के लिए राजी हो गए। परिजनों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की। महिला थाना प्रभारी ने कहा कि प्रोजेक्ट नई किरण का उद्देश्य पारिवारिक विवादों को बातचीत और आपसी समझ के जरिए सुलझाकर टूटते परिवारों को बचाना है।

फतेहपुर : विधायक ने रसोईयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड का किया वितरण

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में रविवार को प्रधानमंत्री पोषण योजना के अंतर्गत परषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों का सम्मान समारोह का आयोजन कर उन्हें कैशलेस चिकित्सा कार्ड का वितरण किया गया है। जहानाबाद कस्बे के अमौली रोड स्थित एक गेस्ट हाउस मे आयोजित समारोह के दौरान मुख्य अतिथि विधायक राजेन्द्र पटेल ने सरकार द्वारा चलाई जा रही पीएम पोषण योजना के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों को सम्मानित करते हुए उन्हें पांच लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा वाले कार्ड का वितरण किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक राजेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के लिए अनेक जन कल्याणकारी योजनाए संचालित की जा रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीएम पोषण योजना के अंतर्गत परषदीय विद्यालयों मे पढ़ने वाले बच्चो को खाना बनाने के लिए कार्यरत रसोइयों का मानदेय दो हजार रुपये से बढ़ाकर तीन हजार रुपये कर दिया गया है। ड्रेस कोड में पहनी जाने वाली साड़ी के लिए पांच सौ रुपये से बढ़ाकर एक हजार किये जाने के साथ ही उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए पांच लाख रुपये तक का कैशलेश उपचार की सुविधा तथा दो लाख रुपये तक का दुर्घटना एवं आपातकालीन कवर उपलब्ध कराया जा रहा है।

रसोइयों के कार्यक्रम में योगी का सपा पर हमला, जर्जर स्कूलों के वीडियो पर भी विपक्ष को घेरा

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को एक ओर 3.53 लाख रसोइयों के लिए सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी बड़ी घोषणाएं कीं, तो दूसरी ओर समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। लखनऊ में रसोइया सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने सपा सरकार के कार्यकाल को कानून-व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे पर घेरा। उन्होंने स्कूलों की जर्जर इमारतों के वीडियो सामने आने पर भी विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनके कार्यकाल में ये भवन बने, वही आज उनकी बदहाली दिखा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था की स्थिति खराब थी और गरीब परिवारों के बच्चे गर्मी में तपते रास्तों और सर्दी में ठिठुरते हुए स्कूल जाने को मजबूर थे। आज बच्चों को यूनिफॉर्म, जूते-मोजे और स्वेटर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था अब नकल से मुक्त होकर बेहतर शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ रही है। स्कूलों की जर्जर इमारतों को लेकर सामने आ रहे वीडियो पर सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोग ऐसे भवनों को दिखाकर सरकार को कटघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। इनमें से कई जर्जर भवन पिछली सरकारों के समय के हैं। सरकार अब ऐसे भवनों को चिह्नित कर नए भवनों में बदलने का काम कर रही है। सरकार ने स्कूलों की व्यवस्था में व्यापक बदलाव किया है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के विस्तार, बालवाटिका, आईसीटी लैब और अन्य सुविधाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को बेहतर वातावरण देने की दिशा में लगातार काम हो रहा है। सीएम योगी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लिए बिना उन्हें ह्यबबुआह्ण कहकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार चलाने के लिए समय और मेहनत दोनों चाहिए। उनकी सरकार लगातार काम करती है और एक-एक योजना तथा विभाग के काम की समीक्षा करती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग दोपहर में उठते थे, तैयार होने के बाद शाम को जिम जाते थे और फिर महफिल जमती थी, उनके पास प्रदेश के लिए समय कहां था। उन्होंने कहा कि आज सरकार के पास प्रदेश के लिए पर्याप्त समय है और इसी वजह से योजनाओं के परिणाम दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सपा सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में जमीनों पर कब्जे होते थे और बेटियों की सुरक्षा को लेकर लोगों में चिंता रहती थी। आज प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदली है और बेटियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। रक्षाबंधन से पहले मुख्यमंत्री ने पीएम पोषण योजना के तहत परिषदीय और सहायता प्राप्त स्कूलों में कार्यरत 3.53 लाख रसोइयों के लिए चार योजनाओं की घोषणा की। इनमें मानदेय बढ़ाकर 3,000 रुपये करना, दो लाख रुपये की दुर्घटना सहायता, पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज और ड्रेस के लिए मिलने वाली राशि को दोगुना करना शामिल है। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 11 रसोइयों को प्रतीकात्मक रूप से कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए। प्रदेशभर से करीब 1,500 रसोइयां इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जिला और तहसील स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित कर रसोइयों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक रसोइयों के लिए सामाजिक सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। सरकार उनके बैंक खाते खुलवाकर मानदेय सीधे खाते में भेजेगी।

वाराणसी : अवलेशपुर में सड़क की बदहाली के खिलाफ जनाक्रोश, मरम्मत की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। शहर में सड़कों की बदहाल स्थिति और नगर निगम की कथित लापरवाही के खिलाफ रविवार को अवलेशपुर क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने जनाक्रोश मार्च निकाला। सुबह करीब दस बजे आयोजित मार्च में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक शामिल हुए। लोगों ने सड़क की जर्जर हालत, जगह-जगह बने गड्ढों और बरसात के दौरान होने वाले जलभराव को लेकर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने संबंधित अधिकारियों से जल्द स्थायी समाधान कराने की मांग की। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इलाके की मुख्य सड़क और गलियों की स्थिति लंबे समय से खराब है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं और कई स्थानों पर सतह पूरी तरह टूट चुकी है। इसी मार्ग से प्रतिदिन स्थानीय नागरिकों के अलावा विद्यार्थी, महिलाएं, बुजुर्ग और बड़ी संख्या में दोपहिया व चार पहिया वाहन गुजरते हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बारिश के दौरान समस्या और गंभीर हो जाती है। गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। इससे वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बढ़ जाती है। वहीं, कई स्थानों पर जलभराव और कीचड़ के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। क्षेत्रवासियों के मुताबिक जर्जर सड़क के कारण यातायात प्रभावित होने के साथ ही आसपास रहने वाले लोगों को धूल, कीचड़ और गंदगी की समस्या भी झेलनी पड़ती है। उनका आरोप है कि पूर्व में भी संबंधित अधिकारियों को सड़क की समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक स्थायी मरम्मत या पुनर्निर्माण नहीं कराया गया।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर बच्चों ने टेलीस्कोप से देखा सूर्य, जाना अंतरिक्ष विज्ञान

प्रात : किरण संवाददाता

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर रविवार को वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विशेष विज्ञान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को अंतरिक्ष विज्ञान का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया और डीएम ने उनकी जिज्ञासाओं को सुनकर उनके सवालों का जवाब दिया गया। जनपद मुख्यालय में वीरभूमि राजकीय महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया।कार्यक्रम के लिए दिल्ली से आठ सदस्यीय वैज्ञानिक दल महोबा पहुंचा था। दल ने जनपद के राजकीय बालक इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय चरखारी और प्रांतीय बाल सेवा सदन अनाथालय के लगभग 400 छात्र-छात्राओं को अंतरिक्ष विज्ञान का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को 200-200 के दो स्लॉट में सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक और दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक विभिन्न गतिविधियों से जोड़ा गया। वैज्ञानिकों ने बच्चों को टेलीस्कोप से सूर्य का अवलोकन कराया, ऊंची-ऊंची इमारतों के मॉडल तैयार करना सिखाया और रॉकेट बनाने व लॉन्च करने की पूरी प्रक्रिया समझाई। बच्चों को रॉकेट तकनीक, उपग्रह और अंतरिक्ष से जुड़े वैज्ञानिक प्रयोगों की बारीकियां भी बताई गईं। इस दौरान जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया, उनकी जिज्ञासाओं को सुना और उनके सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा ही नई खोजों का आधार है। बच्चों को ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर अपने ज्ञान और कौशल को विकसित करना चाहिए।

प्रयागराज में जलभराव का हो स्थायी समाधान, 100 साल की जरूरतों को ध्यान में रखकर बने कार्ययोजना : केशव मौर्य

-उप मुख्यमंत्री ने बाढ़ और जलजमाव की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश 24 घंटे में जल निकासी सुनिश्चित करने और प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा देने को कहा

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज। विश्व प्रसिद्ध प्रयागराज शहर में बार-बार होने वाले जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। इसके लिए अगले 100 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर फूलप्रूफ कार्ययोजना तैयार की जाए और उसी के अनुसार गुणवत्तापूर्ण कार्य कराया जाए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पार्षदों के सुझावों को कार्ययोजना में शामिल किया जाए। यह निर्देश उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को सर्किट हाउस सभागार में बाढ़ और जलजमाव को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में कहीं भी जलभराव होने पर 24 घंटे के भीतर जल निकासी की व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जल निकासी से जुड़े कार्यों में केवल तत्काल राहत देने के बजाय स्थायी समाधान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित कार्यदायी संस्थाओं के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की बैठक कर उनके अनुभव और सुझाव लिए जाएं, ताकि योजनाएं जमीन की वास्तविक जरूरत के अनुरूप तैयार हों। बाढ़ प्रभावित किसानों को जल्द मिले मुआवजा केशव प्रसाद मौर्य ने जिले में बाढ़ की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसल और अन्य नुकसान का सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे का काम तेजी से पूरा कर प्रभावित किसानों और अन्य पीड़ितों को नियमानुसार शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराया जाए।

फर्जी फर्म बनाकर सरकार को लगाया 27.30 लाख चूना, गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ । लखनऊ क्राइम ब्रांच की टीम ने फर्जी दस्तावेजो के जरिये फर्म पंजीकृत करवाकर आईटीसी (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का लाभ लेकर करीब सवा 27.30 लाख रुपये के राजस्व का नुकसान पहुंचाने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस टीम ने गिरोह के 4 लोगों को गिरफ्तार कर 6 मोबाइल बरामद किये हैं। एडीसीपी क्राइम किरन यादव ने बताया कि वैभव सिंह, मो. अरसान, विकास कुमार और मो. साकिब को क्राइम ब्रांच की मदद से हसनगंज थाने की पुलिस के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों ने मेसर्स घनश्याम इंटरप्राइजेज नाम की फर्म बनाई थी। एडीसीपी क्राइम किरन यादव के मुताबिक, 30 अगस्त 2025 को प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर मेसर्स घनश्याम इंटरप्राइजेज के संबंध में जांच की गई। इस फर्म द्वारा कच्चा सीसा अपशिष्ट, पेरिंग्स और प्लास्टिक के स्क्रैप की खरीद-बिक्री के लिए जीएसटीआईएन प्राप्त किया गया था। जांच के दौरान फर्म के पंजीकरण एवं कारोबार से संबंधित दस्तावेजों में अनियमितताएं पता चलीं। फर्म के माध्यम से फर्जी दस्तावेजों का प्रयोग करते हुए विभिन्न फर्मों, कम्पनियों के साथ लेन-देन दर्शाकर फर्जी आईटीसी का दावा एवं पास-ऑन किए जाने और इस प्रक्रिया से सरकारी राजस्व को क्षति पहुंचाए जाने के तथ्य सामने आए। इसके बाद थाना हसनगंज में मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जीएसटी फर्म का उपयोग करते हुए विभिन्न कंपनियों और फर्मों से संपर्क किया जाता था। इसके बाद फर्जी आईटीसी को एक-दूसरे को पास-ऑन कर आर्थिक लाभ प्राप्त किया जाता था। इस प्रकार कागजी लेन-देन के माध्यम से वास्तविक कारोबार के विपरीत फर्जी आईटीसी का नेटवर्क तैयार कर जीएसटी कर का अपवंचन किया जा रहा था, जिससे सरकारी राजस्व को लगभग 27.30 लाख रुपये का नुकसान हुआ। गिरफ्तार आरोपी वैभव

मायावती का कांग्रेस पर निशाना, कहा- जंतर-मंतर पर आरक्षण विरोधी धरने से दूरी ने खोली कांग्रेस की मानसिकता

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन को आरक्षण विरोधी करार देते हुए कहा कि एससी, एसटी और ओबीसी समाज को संविधान में मिले आरक्षण को खत्म करने की कोशिश देशहित में नहीं है। उन्होंने कांग्रेस पर भी तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिस दिन राहुल गांधी एक पीड़ित के लिए एफआईआर दर्ज कराने को लेकर धरने पर बैठे थे, उसी दिन जंतर-मंतर पर दलित और शोषित वर्गों के आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन हो रहा था, लेकिन राहुल गांधी या कोई कांग्रेसी नेता वहां प्रदर्शनकारियों को समझाने तक नहीं गया। इससे इन वर्गों के प्रति कांग्रेस की आरक्षण विरोधी मानसिकता साफ झलकती है। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है कि दिल्ली के जंतर मंतर पर संविधान में एस.सी., एस.टी. व ओ.बी.सी. समाज को दिये गये आरक्षण के विरुद्ध अभी हाल ही में जमा हुये कुछ लोगों द्वारा आर्थिक आधार पर आरक्षण को लागू करने की उठाई गई यह नई माँग कतई भी उचित व देशहित में नहीं है। उन्हें आरक्षण के सम्बंध में ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिये जिससे समतामूलक समाज, विकसित व सम्मानित देश बनाने के संवैधानिक कार्यों को आघात पहुंचे। उन्होंने कहा कि वैसे भी देश में सदियों से जातिवाद की अमानवीयता का शिकार रहे एस.सी., एस.टी. व ओबीसी समाज के लोगों हेतु संविधान में की गई आरक्षण की व्यवस्था के बारे में परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर का यह कहना था कि ह्नजातिवाद का परित्याग ही सबसे बड़ी देशभक्ति हैह्न। अतः लोग सही देशभक्ति का परिचय ज्यादा दें तो यही उचित होगा। मायावती ने कहा कि जहां तक आर्थिक आधार पर आरक्षण देने की बात है, तो केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा भी गरीबी उन्मूलन के एक नहीं बल्कि अनेकों कार्यक्रमों पर काफी सरकारी धन हर वर्ष खर्च किया जाता है लेकिन उसमें व्याप्त भ्रष्टाचार आदि के कारण इसका सही लाभ अगर देश के लोगों को नहीं मिलता है तो यह तो सरकारी व्यवस्था का सीधा-सीधा दोष है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, आर्थिक आधार पर आरक्षण की नई व्यवस्था भी देश में लागू है, जिसका भी सही लाभ अपरकास्ट समाज के गरीब परिवारों को नहीं मिल पा रहा है बल्कि इसमें छलावा अधिक है।

जलभराव प्रभावित परिवारों से लगातार संपर्क रखें अधिकारी : अनुभव सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। जलभराव से प्रभावित परिवारों से लगातार संपर्क बनाए रखा जाए और उनकी जरूरत के अनुसार राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाए। पानी उतरने के बाद प्रभावित इलाकों में विशेष सफाई अभियान चलाकर संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए दवाओं और कीटाणुनाशक का छिड़काव कराया जाए। यह निर्देश रविवार को पांडु नदी से सटे निचले इलाकों के निरीक्षण के दौरान एसडीएम सदर अनुभव सिंह ने अधिकारियों को दिए। एसडीएम सदर ने नगर निगम और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बर्रा और गुजैनी क्षेत्र में पांडु नदी से सटे निचले इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। प्रारंभिक आकलन में नदी के किनारे के करीब 25 से 30 मकानों में जलभराव पाया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर जलभराव, आवागमन और राहत सामग्री की जरूरत के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित परिवारों के संपर्क में रहने और आवश्यकता के अनुसार राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जलभराव से प्रभावित परिवार फिलहाल सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं।

कानपुर के 3405 रसोइयों को मिलेगा पांच लाख तक का कैशलेस इलाज और दो लाख का बीमा : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

कानपुर। रसोइयों को अब पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज और दो लाख रुपये का सामाजिक सुरक्षा बीमा मिलेगा, जबकि उनका मानदेय दो हजार से बढ़ाकर तीन हजार रुपये और वस्त्र भत्ता 500 से बढ़ाकर एक हजार रुपये कर दिया गया है। यह बातें रविवार को मर्चेंट्स चैंबर, सिविल लाइंस में आयोजित रसोइया कैशलेस चिकित्सा योजना शुभारंभ एवं रसोइया सम्मान समारोह में सांसद रमेश अवस्थी ने कहीं। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड और मानदेय वृद्धि का प्रतीकात्मक चेक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सांसद रमेश अवस्थी, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक अरुण पाठक और मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने 10-10 रसोइयों को प्रतीकात्मक कार्ड और चेक वितरित किए। सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा और सामाजिक सुरक्षा बीमा से जोड़ने के साथ उनके मानदेय और वस्त्र भत्ते में वृद्धि की है। विधायक अरुण पाठक ने रसोइयों को बच्चों के लिए स्वच्छता के साथ गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलेगी। विधायक नीलिमा कटियार ने कहा कि रसोइयों को पांच लाख रुपये तक कैशलेस इलाज और दो लाख रुपये का सामाजिक सुरक्षा बीमा मिलने से उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। मानदेय में एक हजार और वस्त्र भत्ते में 500 रुपये की बढ़ोतरी भी की गई है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह और मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन के निर्देशन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिओम सिंह ने कार्यक्रम का आयोजन कराया।

त्योहारों से पहले खोये में मिलावट पर बड़ा प्रहार

कानपुर/लखनऊ। आगामी त्योहारों को देखते हुए दूध और दुग्ध उत्पादों, खासकर खोया में मिलावटखोरी के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने कानपुर देहात और कानपुर नगर में बड़ा प्रवर्तन अभियान चलाया। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ रोशन जैकब के निर्देश और अपर आयुक्त श्रीमती रेखा एस. चौहान के प्रभावी पर्यवेक्षण में प्रदेश स्तरीय 24 प्रवर्तन टीमों ने विभिन्न खोया निर्माण इकाइयों और प्रमुख खोया मंडियों में सघन निरीक्षण किया। अभियान के दौरान मिलावट में इस्तेमाल होने वाली संदिग्ध सामग्री बरामद हुई, बड़ी मात्रा में खोया नष्ट कराया गया और कानपुर देहात में एक मामले के तहत एफआईआर

बिजली का काम करते समय करंट की चपेट में आया युवक, खंभे से गिरकर मौत

प्रात : किरण संवाददाता

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के बड़ागांव में रविवार को बिजली का काम करते समय करंट की चपेट में आने से युवक खंभे से नीचे गिर पड़ा। सिर में गंभीर चोट लगने और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बड़ागांव निवासी सोनू गौतम (25) के रूप में हुई है। सोनू मजदूरी और बिजली का काम कर परिवार का भरण-पोषण करता था। रविवार को वह बिजली का काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक करंट की चपेट में आने से वह खंभे से नीचे गिर गया। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई और काफी रक्तस्राव हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक सोनू की मौत हो चुकी थी। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सोनू परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उसकी मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अभी तक इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है।

रसोइया माताएं-बहनें पीएम पोषण की आधारशक्ति, सम्मान से स्वास्थ्य-सुरक्षा तक सरकार प्रतिबद्ध : सीएम योगी

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विद्यालयों की रसोई में जलता चूल्हा केवल भोजन नहीं पकाता, बल्कि लाखों बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य को ऊर्जा देता है। उन्होंने कहा कि अपने श्रम और ममत्व से इस पुनीत दायित्व को निभाने वाली रसोइया माताएं-बहनें ह्यपीएम पोषणह्न योजना की वास्तविक आधारशक्ति हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की 3.54 लाख मिड-डे मील रसोइयों के लिए कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण का शुभारंभ सम्मान से स्वास्थ्य-सुरक्षा तक सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा है विद्यालय की रसोई में जलता चूल्हा केवल भोजन नहीं पकाता, वह लाखों बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य को ऊर्जा देता है। इस पुनीत दायित्व को अपने श्रम और ममत्व से निभाने वाली हमारी रसोइया माताएं-बहनें ह्यपीएम पोषणह्न की वास्तविक आधारशक्ति हैं। उन्होंने आगे लिखा कि आज इन कर्मयोगी रसोइयों के सम्मान के साथ प्रदेश की 3.54 लाख मिड-डे मील रसोइयों के लिए कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण का शुभारंभ होगा। योगी ने कहा कि सम्मान से स्वास्थ्य-सुरक्षा तक की यह पहल हमारी रसोइया माताओं-बहनों के श्रम के प्रति ह्यडबल इंजन सरकारह्न की कृतज्ञता और उनके सुरक्षित व सम्मानजनक जीवन के प्रति प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है। ज्ञात हो कि पीएम पोषण योजना से जुड़े रसोइयों के योगदान को केंद्र में रखते हुए आज लखनऊ में सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में प्रस्तावित इस कार्यक्रम में उनके हाथों मंच पर 11 रसोइयों को सम्मानित किया जाएगा, जबकि प्रदेशभर से 1500 रसोइयों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। खास बात यह है कि इसी दिन जनपद एवं तहसील स्तर पर भी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में रसोइया सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे, जिससे प्रदेशभर में रसोइयों के सम्मान का संदेश एक साथ पहुंचेगा। यह पहल पीएम पोषण योजना को जमीन पर प्रभावी ढंग से पहुंचाने वाले रसोइयों के योगदान को सार्वजनिक पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में प्रदेश के राजकीय, परिषदीय एवं अशासकीय सहायता प्राप्त प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने वाले इन रसोइयों को सम्मान देने के लिए राज्य से लेकर स्थानीय स्तर तक व्यापक तैयारियां की गई हैं। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के साथ 23 अगस्त को जनपद एवं तहसील स्तर पर भी रसोइया सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी कैंपस में शराब के नशे में धुत युवक-युवती का हंगामा, छात्रों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

प्रात : किरण संवाददाता

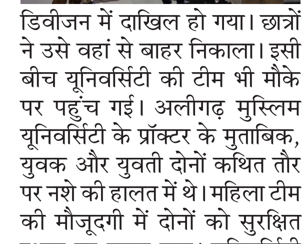

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) कैंपस में वाइस-चांसलर के आवास के पास एक कार में एक पुरुष और महिला के शराब पीने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि छात्रों ने कार को घेर लिया और उसे नुकसान पहुंचाया। बाद में शराब में धुत युवक और युवती को पुलिस को सौंपा गया। दरअसल, कैंपस में मौजूद छात्रों ने एक कार में कुछ युवकों और एक युवती को देखा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार के पास युवक और युवती के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था। युवती अपने साथ मौजूद युवक को मार रही थी। इसी दौरान, कार में मौजूद एक युवक अचानक निकलकर लाइब्रेरी की तरफ चला गया और कथित तौर पर रिसर्च डिवीजन में दाखिल हो गया। छात्रों ने उसे वहां से बाहर निकाला। इसी बीच यूनिवर्सिटी की टीम भी मौके पर पहुंच गई। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर के मुताबिक, युवक और युवती दोनों कथित तौर पर नशे की हालत में थे। महिला टीम की मौजूदगी में दोनों को सुरक्षित स्थान पर लाया गया। यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर ने बताया कि युवती की हालत इतनी खराब थी कि उससे ठीक से खड़ा भी नहीं हुआ जा रहा था और उसने वॉशरूम में उल्टियां कीं। युवक की भी तबीयत बिगड़ी और उसे भी उल्टियां हुईं। इसके बाद संबंधित थाना पुलिस को पूरे मामले की सूचना दी गई। पुलिस कैंपस पहुंची और युवक-युवती को अपने साथ ले गई। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों कौन हैं, कैंपस में कैसे पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की असल वजह क्या थी. छात्र फैसल त्यागी ने बताया कि एक लावारिश कार कैंपस में घुसी हुई थी। उस पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी। कार में एक लड़की बैठी थी, जो लड़के से मारपीट कर रही थी। इसकी जानकारी यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर को दी गई। बाद में पुलिस को बुलाया गया और दोनों को उनके हवाले कर दिया। छात्र ने कहा कि लड़का और लड़की दोनों नशे की हालत में थे। प्रोफेसर नवेद खान ने बताया कि हमें एक कार के बारे में पता चला था। इसमें सवार युवती अपने साथी युवक को पीट रही थी। वे नशे में धुत थे। बाद में दोनों को पुलिस को सौंप दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

युवा चेतना कार्यशाला में चरित्र और व्यक्तित्व निर्माण पर जोर

वाराणसी। परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा एवं अखंड दीप शताब्दी वर्ष के अवसर पर शताब्दी समारोह 2026 के तहत गायत्री परिवार की ओर से बघवां, जमुआं, मीरजापुर में युवा चेतना कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। युवाओं को नैतिक मूल्यों से जुड़कर समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। युवाओं में राष्ट्रभक्ति और समाज सेवा की भावना जगाने पर जोर कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नैतिकता, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और समाज सेवा की भावना को मजबूत करना रहा। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। मजबूत चरित्र और सकारात्मक व्यक्तित्व के जरिए युवा न केवल अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। गायत्री परिवार के विचारों से युवाओं को कराया परिचित कार्यक्रम के दौरान युवाओं को गायत्री परिवार के विचारों और युग निर्माण की संकल्पना के बारे में जानकारी दी गई। वक्ताओं ने युवाओं से अपने जीवन में अच्छे संस्कार अपनाने और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। साथ ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी को जरूरी बताया गया। शताब्दी समारोह के तहत हुआ आयोजन कार्यक्रम का आयोजन परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा एवं अखंड दीप शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में चल रहे शताब्दी समारोह 2026 के तहत किया गया। कार्यशाला के माध्यम से युवा पीढ़ी को गायत्री परिवार के सामाजिक और राष्ट्र निर्माण से जुड़े उद्देश्यों से जोड़ने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शशि भूषण सिंह, हरिहर सिंह पटेल, इंदुमती मिश्रा, अंजना पराशर और दिनेश चंद्र गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नागेन्द्र नारायण द्विवेदी ने की। कार्यक्रम प्रभारी बृजेश द्विवेदी, संरक्षक जय नारायण द्विवेदी और व्यवस्थापक राम नारायण पटेल रहे।

बच्चों के भोजन में कतई लापरवाही नहीं होनी चाहिए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भोजन माताओं का दायित्व निभाते हुए रक्षाबंधन से पहले ही 3.54 लाख रसोइया बहनों को चार बड़े उपहार दिए। रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि रसोइया माताओं-बहनों को अब दो के बजाय तीन हजार रुपये मानदेय मिलेगा, घटना-दुर्घटना होने पर रसोइयों व परिवार को भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से दो लाख रुपये की सहायता और प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक मुफ्त कैशलेस सुविधा मिलेगी। इसके अलावा परिधान के लिए मिलने वाली राशि भी दोगुनी यानी, 500 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये कर दी गई है।

भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित है जलवायु संकट का समाधान : डॉ. विवेक त्यागी

अन्तर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप विश्वविद्यालय के वैश्विक मंच पर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के विधि विभागाध्यक्ष का व्याख्यान, अफ्रीकी दर्शन ह्यउबुंटूह्ण से ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ण का किया तुलनात्मक विवेचन

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

मेरठ। विधि अध्ययन संस्थान, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विवेक कुमार त्यागी ने अन्तर्राष्ट्रीय इंटर्नशिप विश्वविद्यालय (आईयू ग्लोबल) द्वारा आयोजित वैश्विक वर्चुअल सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय ज्ञान परम्परा और जलवायु नैतिकता विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। गत 21 अगस्त 2026 को आयोजित इस सम्मेलन (आईआईयू अफ्रीका प्रशिक्षण) की अध्यक्षता आईआईयू के कुलपति सीनियर प्रो. जनरल चार्ल्स उसिहोलो एभोरिया ने की। सम्मेलन का केन्द्रीय विषय ह्यजलवायु परिवर्तन पर मानवीय प्रभाव एवं उत्तरदायित्वह्ण था। अपने सारगर्भित उद्बोधन में डॉ. त्यागी ने कहा कि वर्तमान जलवायु संकट किसी प्राकृतिक कारण से नहीं, अपितु मानवीय गतिविधियों का परिणाम है। उन्होंने वैश्विक आँकड़ों का उल्लेख करते हुए बताया कि वैश्विक तापमान में 1.45 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो चुकी है तथा वायुमण्डल में कार्बन डाई-ऑक्साइड की सघनता 413 पीपीएम से अधिक हो गई है, जो अत्यंत चिंताजनक है। डॉ. त्यागी ने जलवायु संकट के समाधान हेतु आधुनिक पर्यावरण कानूनों के साथ भारतीय ज्ञान परम्परा के एकीकरण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन प्रकृति के संरक्षण को केवल वैधानिक ढाँचा नहीं, बल्कि नैतिक कर्तव्य ह्यऋतह्ण मानता है। अपने व्याख्यान में उन्होंने अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त ह्यमाता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याःह्ण अर्थात पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं, तथा ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ण के सिद्धांतों का उद्धरण दिया। उन्होंने कहा कि जहाँ पाश्चात्य दृष्टिकोण प्रकृति को एक संसाधन मानता है, वहीं भारतीय दृष्टिकोण उसे माता मानकर उसके संरक्षण का बोध कराता है। उन्होंने भारतीय संविधान के प्रावधानों की चर्चा करते हुए कहा कि अनुच्छेद 21 के अंतर्गत स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार, अनुच्छेद 48-क के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण हेतु राज्य का कर्तव्य तथा अनुच्छेद 51-क (छ) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का मौलिक कर्तव्य निर्धारित किया गया है, जो जलवायु न्याय की सुदृढ़ आधारशिला है। डॉ. त्यागी ने वैश्विक दर्शन के संगम की चर्चा करते हुए भारतीय दर्शन ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ण तथा अफ्रीकी दर्शन ह्यउबुंटूह्ण (मैं हूँ, क्योंकि हम हैं) के बीच नैतिक समानता को रेखांकित किया।

पूर्व भाजपा पार्षद की कार पर फायरिंग का आरोप, पुलिस मान रही संदिग्ध

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। पूर्व भाजपा पार्षद प्रमोद कुशवाहा ने लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की लालबाग में अपनी कार पर बाइक सवार दो युवकों द्वारा जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने का आरोप लगाया है। उन्होंने लोनी बोर्डर थाने पर तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने, आरोपियों की गिरफ्तारी और स्वयं व परिवार की सुरक्षा की मांग की है। वहीं, पुलिस इस मामले को फिलहाल संदिग्ध मानकर विभिन्न पहलुओं से जांच करने की बात कह रही है। प्रमोद कुशवाहा द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार वह 22 अगस्त की रात करीब 11 बजे करावल नगर, दिल्ली स्थित अपनी ससुराल से ब्रेजा कार से पूजा कॉलोनी स्थित अपने घर लौट रहे थे। लालबाग चौकी क्षेत्र में मूवी मैजिक सिनेमा हॉल के पास पहुंचने पर पीछे से आए दो बाइक सवार युवकों ने उनकी कार को ओवरटेक किया और कथित तौर पर कार पर फायरिंग कर दी। उनका दावा है कि दो गोलियां उसकी कार में लगीं और हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के तत्काल बाद पुलिस को 112 नंबर पर सूचना दिए जाने की बात भी तहरीर में कही गई है। उन्होंने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित कराने, कार में लगी गोलियों व अन्य साक्ष्यों की जांच कराने तथा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज करने की मांग की है। प्रमोद कुशवाहा का कहना है कि घटना के बाद वह और उनका परिवार भयभीत हैं तथा उन्हें भविष्य में भी हमले की आशंका है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तार करने और हथियार बरामद करने के साथ सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग भी की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और घटनाक्रम फिलहाल संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस घटनास्थल, कार, कथित फायरिंग, सीसीटीवी फुटेज और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होने की बात कह रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वास्तव में फायरिंग की घटना हुई थी या मामले के पीछे कोई अन्य तथ्य है।

नालों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई : महापौर

-महापौर ने किया जोन-01 के कई वार्डों का निरीक्षण, जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त करने के दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज। जलभराव के मूल कारण को समाप्त करने के लिए नालों पर अतिक्रमण कर मकान या अन्य निर्माण करने वालों के खिलाफ अब नगर निगम ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा। वहीं नाले की जमीन पर अवैध प्लाटिंग कर उसे बेचने वाले भूमाफियाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। रविवार को महापौर गणेश केसरवानी ने जोन-01 के विभिन्न वार्डों में नालों की साफ-सफाई, जल निकासी और वर्षा के दौरान जलभराव की स्थिति का व्यापक निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया। महापौर ने कहा कि शहर की जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम पूरी गंभीरता से काम कर रहा है। नालों और नालियों की सफाई के साथ जहां भी जल निकासी में बाधा है, उसे दूर किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नालों की जमीन पर अतिक्रमण करने वालों को चिह्नित कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि जिन लोगों ने नालों पर अतिक्रमण किया है, वे स्वयं उसे हटा लें। ऐसा नहीं करने पर नगर निगम द्वारा नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने यह भी स्पष्ट किया कि नाले की भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर जमीन बेचने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने वार्ड-99 करैली में 60 फीट रोड स्थित बाबा मार्केट से शालीमार गेस्ट हाउस के पास नाले और पुलिया की स्थिति देखी। इसके बाद वार्ड-74 बेनीगंज में राशिद किराना स्टोर से नूरी मस्जिद तक नाले का निरीक्षण किया।

लोनी इलाके में धड़ल्ले से संचालित है सट्टे का अवैध कारोबार, पुलिस अनजान

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। जनपद गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में पुलिस और स्थानीय रसूखदारों की कथित अनदेखी या मिलीभगत के कारण सट्टे का अवैध कारोबार धड़ल्ले से फल-फूल रहा है। यह काला धंधा क्षेत्र के कई इलाकों में फैला है, जिससे लोग बर्बाद हो रहे हैं और उनके घर उजड़ रहे हैं। यही नहीं अपराध दर में वृद्धि की आशंका को भी नकारा नहीं जा सकता। प्रशासन की उदासीनता के कारण सट्टा माफिया विभिन्न स्थानों पर बेखौफ होकर काम कर रहे हैं। सूत्रों की माने तो इनमें विकास नगर, प्रेम नगर, लाल बाग व बैहटा हाजीपुर, शराब के ठेके के निकट सोसाइटी आदि क्षेत्र में प्रमुख रूप सट्टे के अड्डे संचालित होने की खबरें हैं। नागरिकों का आरोप है कि पुलिस और रसूखदारों की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार बिना किसी रोक-टोक चल रहा है। जबकि यह अवैध कारोबार कम समय में अधिक पैसा कमाने के लालच में फंसाकर लोगो को बर्बाद कर रहा है। इस गंभीर प्रकरण में बार-बार शिकायतें मिलने के बावजूद ठोस कार्रवाई न होना प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े करता है। सच तो यह है कि ऐसी स्थिति क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है जिसके मध्य नजर यहां तत्काल सख्त पुलिस कार्यवाही की जरूरत है।

एनसीसी अधिकारी कैप्टन धीरज शर्मा ने अभिभावकों और स्कूल प्रशासन से की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

धामपुर। एनसीसी अधिकारी कैप्टन धीरज शर्मा ने नाबालिग बच्चों द्वारा दोपहिया वाहन चलाने पर चिंता जताते हुए अभिभावकों से बच्चों के हाथों में वाहन न देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कम उम्र के बच्चे स्कूटर, मोटरसाइकिल आदि वाहनों को तेज गति से चलाते हुए अपनी ही नहीं, बल्कि दूसरों की जान भी खतरे में डाल रहे हैं। कैप्टन धीरज शर्मा ने कहा कि किसी अनहोनी के बाद अभिभावकों को अपनी गलती का एहसास होता है, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इसलिए सभी अभिभावकों को इस विषय को गंभीरता से लेते हुए एकजुट होकर नाबालिग बच्चों को वाहन न चलाने देने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ जागरूक अभिभावक अपने बच्चों को वाहन नहीं चलाने देते और इस बात का भी पूरा ध्यान रखते हैं कि उनके बच्चे वाहन लेकर सड़क पर न निकलें। अन्य अभिभावकों को भी उनसे सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने स्कूल प्रशासन से भी अपील की कि नाबालिग विद्यार्थियों के वाहन चलाने पर सख्त कदम उठाए जाएं। स्कूलों द्वारा समय-समय पर अभिभावकों और विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाता है, इसके बावजूद कई बच्चे सड़कों पर तेज गति से वाहन चलाते दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कहीं न कहीं अभिभावकों, स्कूल प्रशासन और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसे समझने और सुधारने की आवश्यकता है। कैप्टन धीरज शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा बनाए गए सड़क सुरक्षा कानूनों का सभी को अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए। यदि अभिभावक और स्कूल प्रशासन मिलकर जिम्मेदारी निभाएं तो नाबालिग बच्चों को सड़क हादसों से बचाकर उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जा सकता है।

विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं उपलब्धियों की विस्तार से हुई समीक्षा

पारदर्शिता के साथ पात्रों तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : प्रभारी मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। माध्यमिक शिक्षा मंत्री एवं जनपद प्रभारी मंत्री गुलाब देवी की अध्यक्षता में रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में शिक्षक विधायक हरिसिंह ढिल्लो, विधायक धनौरा राजीव तरारा, भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश गोला, जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं शॉल भेंट कर किया गया। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने सिलाई एवं हलवाई ट्रेड के लाभार्थियों को किट वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने जनपद की आर्थिक स्थिति, विकास की रूपरेखा एवं प्रमुख उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार सफाई किट समेत विभिन्न विभागों की उपलब्धियों की जानकारी दी। बैठक में सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, ग्राम उन्नति योजना, माइक्रो इरिगेशन, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम कुसुम, बीज डीबीटी, टेली रेडियोलॉजी, पेंशन योजनाओं, ऑपरेशन कायाकल्प, पशु टीकाकरण, प्रोजेक्ट अलंकार एवं प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना समेत अनेक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने शिक्षा, उद्योग, ग्रामीण विकास, पंचायत राज, कृषि, उद्यान, पशुपालन, विद्युत, वन, समाज कल्याण, बाल विकास, स्वास्थ्य, जल जीवन मिशन, नगर विकास, खाद्य एवं रसद तथा जन शिकायतों के निस्तारण की स्थिति से प्रभारी मंत्री को अवगत कराया। प्रभारी मंत्री गुलाब देवी ने कहा कि सभी अधिकारी सेवाभाव और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता से पहुंचना चाहिए। उन्होंने विकास कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने, नियमित मॉनिटरिंग करने और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों के साथ निरंतर बेहतर समन्वय एवं संवाद बनाए रखने को कहा, ताकि विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। समीक्षा बैठक में उठाए गए बिंदुओं पर समयबद्ध कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त किया कि बैठक में दिए गए निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा और आगामी समीक्षा बैठक में बेहतर परिणाम प्रस्तुत किए जाएंगे।

बिजनौर बैराज तटबंध के टूटने की खबर निकली अफवाह, सिंचाई विभाग ने किया खंडन

100 मीटर कंक्रीट ब्लॉक बहने का दावा पूरी तरह भ्रामक, ए सी बी एम तकनीक का एप्रन ही तकनीकी रूप से हुआ था ह्यलॉन्चह्ण, तटबंध पूरी तरह सुरक्षित

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर बैराज के तटबंध के टूटने और 100 मीटर कंक्रीट ब्लॉक के गंगा नदी में समा जाने संबंधी मीडिया में चल रही खबरों को सिंचाई विभाग ने सिरे से खारिज कर दिया है। विभाग ने इसे पूर्णतः असत्य, भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत बताते हुए आम जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। कार्यालय अधिशासी अभियंता, मध्य गंगा नहर निर्माण खंड-5, सिंचाई विभाग, बिजनौर द्वारा शनिवार को जारी आधिकारिक खंडन पत्र में वस्तुस्थिति स्पष्ट की गई है। क्या है वास्तविकता : विभाग ने बताई ए सी बी एम तकनीक की सच्चाई विभाग के अनुसार, गंगा नदी के बाएं तटबंध पर लगभग एक किलोमीटर की लंबाई में अत्यधिक प्रभावी और आधुनिक ह्यएसीबीएम तकनीकह्ण (अ१३ू४ʼ३ल्ल उङ्मल्लूशेी इंरी टं३३१ी२२) का उपयोग कर सुरक्षात्मक कार्य कराया गया है। इस तकनीक के तहत तटबंध के स्लोप (ढलान) पर 8 से 10 मीटर तक और उसके आगे नदी की ओर 24 से 26 मीटर तक एप्रन के रूप में एसीबीएम बिछाई गई है। अधिशासी अभियंता ने बताया कि एप्रन के रूप में बिछाई गई इस एसीबीएम का तकनीकी कार्य ही यह है कि जब नदी का तेज बहाव तटबंध की ओर प्रहार करे, तो यह एप्रन अपनी जगह से ह्यलॉन्चह्ण होकर नदी की धारा के सामने सुरक्षा दीवार के रूप में खड़ा हो जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य तटबंध को नदी के कटाव से बचाना है। वर्तमान में गंगा के जलस्तर में वृद्धि के कारण कुछ स्थानों पर यह एसीबीएम एप्रन नियमानुसार ही लॉन्च हो रहा है, ताकि तटबंध पर नदी की धारा के सीधे प्रहार को रोका जा सके। यह इस तकनीक का सामान्य कार्य है, न कि किसी प्रकार की क्षति या दुर्घटना का संकेत। विभाग ने दोहराया कि तटबंध पूर्णतया सुरक्षित है और कहीं भी कटान की कोई समस्या नहीं है।

विभाग की तैयारी : 24 घंटे निगरानी जारी

- तटबंध की 24 घंटे सघन निगरानी की जा रही है।
- तेज बहाव को कम करने के लिए बल्ला कटर और मिट्टी से भरे नायलॉन क्रेट लगाए जा रहे हैं।
- किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए सिंचाई विभाग की पूरी टीम अलर्ट पर है।

अंत में प्रशासन ने जनता से अनुरोध किया है कि वे भ्रामक खबरों पर विश्वास न करें और केवल प्रशासन द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

एसपी ने कांवड़ मार्ग और पुलिस लाइन का किया निरीक्षण, सुरक्षा-व्यवस्था को लेकर दिए निर्देश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर निगरानी बढ़ा दी है। रविवार को पुलिस अधीक्षक जनपद बिजनौर श्री कृष्ण कुमार ने थाना मंडावली क्षेत्रांतर्गत कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा-व्यवस्था, यातायात संचालन तथा पुलिस बल की तैनाती की स्थिति देखी। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कांवड़ियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने तथा कांवड़ मार्ग पर लगातार सतर्कता और निगरानी बरतने को कहा। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने रिजर्व पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिस लाइन स्थित गोष्ठी कक्ष, कैंटीन, कांवड़ कंट्रोल रूम सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक यातायात सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस की सक्रियता का उद्देश्य श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही के साथ ही मार्गों पर यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखना है।

ग्रीन हाइड्रोजन समेत कई क्षेत्रों में काम करेंगे यूपी-यामानाशी : कोटारो नागासाकी

- जापान के यामानाशी गवर्नर ने जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। जापान के यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, यामानाशी प्रांत और जापान के बीच संबंधों को लंबे समय तक और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। हम उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिलकर कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण पहल ग्रीन हाइड्रोजन सिस्टम के माध्यम से उत्तर प्रदेश और यामानाशी प्रांत के विकास को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही हमारी इच्छा ऊर्जा सुरक्षा के माध्यम से विश्व शांति की स्थापना में भी योगदान देने की है। यामानाशी गवर्नर रविवार को जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां आकर आप सभी की ईश्वर के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना स्पष्ट रूप से महसूस हुई। मैंने भी यहां ईश्वर से विश्व शांति के लिए प्रार्थना की है। कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में जापानी प्रतिनिधिमंडल के करीब 15 प्रमुख सदस्यों ने श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए और उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर न्यास के एसडीएम शंभू शरण ने बताया कि जापानी मेहमानों का मंदिर पहुंचने पर रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। मंदिर में जापानी मेहमानों को देखकर श्रद्धालुओं ने ह्लहर-हर महादेवह्व के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया। जापानी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भी श्रद्धालुओं के साथ ह्लहर-हर महादेवह्व का जयघोष किया। इस दौरान मंदिर परिसर में भारत-जापान के सांस्कृतिक संबंधों में आत्मीयता की सुंदर झलक देखने को मिली। सावन के पवित्र मास में बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लेने पहुंचे जापानी दल के सदस्य काशी में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखकर अभिभूत नजर आए। उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं, विशेषकर क्राउड मैनेजमेंट की भरपूर सराहना की। जापानी मेहमानों ने भव्य और दिव्य बाबा विश्वनाथ धाम की आध्यात्मिक आभा को भी निहारा। प्रतिनिधिमंडल ने काशी में आध्यात्मिक विरासत और आधुनिक विकास के समन्वय को करीब से देखा और श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। इसके पहले जापानी प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को भगवान बुद्ध की उपदेशस्थली सारनाथ का भ्रमण किया। इसके बाद शाम को नमो घाट पर गंगा आरती में शामिल होकर जापानी मेहमानों ने काशी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की अनुभूति की। रविवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के बाद जापानी दल वाराणसी से रवाना हो गया। उल्लेखनीय है कि 200 से अधिक सदस्यीय जापानी प्रतिनिधिमंडल यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट 2026 के तहत भारत आया है।

मुरादाबाद : हरिद्वार और दिल्ली रोड हुई भगवामय, डेढ़ लाख से अधिक कांवडिएं हरिद्वार व बृजघाट से कांवड़ लेकर पहुंचे

प्रात : किरण संवाददाता

मुरादाबाद। सावन मास के चतुर्थ व अंतिम सोमवार पर पीतलनगरी मुरादाबाद में जलाभिषेक के लिए उत्तराखंड के हरिद्वार और हापुड़ जनपद के बृजघाट (गढ़मुक्तेश्वर) से डेढ़ लाख से अधिक कांवडिएं हजारों कांवड बेडों में कावड़ व गंगाजल लेकर रविवार को पहुंच रहे है। यह सभी सोमवार को सिद्ध पीठ प्राचीन मंदिरों व गली- मोहल्ले और कॉलोनियों और गांवों में बने मंदिरों में जलाभिषेक कर अपना संकल्प पूरा करेंगे। रविवार को दिल्ली रोड और हरिद्वार रोड पूरी तरह भगवा मय हो गई है हर तरफ कांवरियां ही कांवरियां दिख रहे हैं। कांवड़ियों के स्वागत में हरिद्वार रोड और दिल्ली रोड पर सैकड़ो धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक संगठनों, क्लबों के भंडारे लगाए गए है। 24 अगस्त को सावन मास का चतुर्थ व अंतिम सोमवार है। जहां श्रावण माह के प्रत्येक सोमवार को काफी संख्या में सिद्ध पीठ प्राचीन मंदिरों व गली-मोहल्ले और कॉलोनियों में बने मंदिरों में कांवड़ियों और भक्तों के द्वारा जल अभिषेक किया। वहीं श्रावण मास के अंतिम सोमवार पर लाखों कांवडिए मुरादाबाद के विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। मुरादाबाद जनपद के स्थानीय कांवरियों और कांवड बेडों का रविवार को सुबह से ही हरिद्वार और बृजघाट से आवागमन हो रहा है। कांवड़ बेडे तिरंगा लहराते हुए बम-बम भोले के जयकारों के साथ नाचते गाते हुए मुरादाबाद पहुंच रहे हैं। मुरादाबाद के हजारों से भक्त अंतिम सोमवार को सुबह ब्रजघाट व हरिद्वार से डाक कावड़ लेकर भी पहुंचेंगे और जलाभिषेक कर अपना संकल्प पूरा करेंगे। इसके अलावा काफी संख्या में दो पहिया और चौपाहिया वाहन से भी सैकडों श्रद्धालु हरिद्वार और बृजघाट से गंगाजल लाकर शिव परिवार का जलाभिषेक करेंगे।

कस्तूरबा विद्यालय पहुंचीं मंत्री गुलाब देवी, छात्राओं से किया संवाद

लक्ष्य तय कर निरंतर मेहनत करें छात्राएं : गुलाब देवी

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। माध्यमिक शिक्षा विभाग की राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद प्रभारी मंत्री श्रीमती गुलाब देवी ने रविवार को जनपद भ्रमण के दौरान कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बुढ़नपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, दिनचर्या और भविष्य के लक्ष्यों की जानकारी ली। छात्राओं को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रत्येक छात्रा को अभी से अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसके अनुरूप निरंतर मेहनत करनी चाहिए। लक्ष्य बार-बार बदलने के बजाय दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने पर सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक या किसी भी क्षेत्र में जाने का लक्ष्य तय कर पूरी लगन से प्रयास किया जाए तो सफलता प्राप्त करने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ण अभियान के माध्यम से बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रदेश सरकार छात्राओं को शिक्षा, भोजन, पुस्तकें, कपड़े, आवास और सुरक्षा सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, ताकि वे बिना किसी चिंता के पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर सकें। प्रभारी मंत्री ने कहा कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। छात्राओं को सरकार की सुविधाओं का सदुपयोग कर अपने परिवार, जनपद और प्रदेश का नाम रोशन करना चाहिए। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं, खान-पान, दिनचर्या और शिक्षा व्यवस्था की सराहना की। इस दौरान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को ट्रॉफी एवं शिक्षण सामग्री देकर सम्मानित किया गया। मंत्री ने छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय की वार्डन, प्रधानाचार्य, शिक्षकों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। निरीक्षण के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरी गोस्वामी, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, नगर पालिका धनौरा अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष हिमांशु त्यागी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 24 अगस्त, 2026

एजुकेशन सिस्टम ऐसा हो कि

हर बच्चे को अच्छी शिक्षा का मौका मिले : भूमि पेडनेकर

डॉ. अश्विन फर्नांडिस ने पैक्ट फाउंडेशन के स्थापना दिवस समारोह और गोवा के पहले कम्युनिटी रेडियो स्टेशन मंडोवी के लॉन्च पर एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने शिरकत की। समारोह के बाद अभिनेत्री ने बातचीत में कहा कि कोई देश तभी खुशहाल हो सकता है, जब यहां की एजुकेशन अच्छी हो। अभिनेत्री ने समारोह में शामिल होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'मैं इस खास आयोजन में शामिल होने के लिए बहुत-बहुत शुक्रगुजार हूं कि मुझे एक ऐसे कार्यक्रम का हिस्सा बनने का मौका मिला, जो ऐसी कहानियों से भरी है। यहां आकर मैं बहुत इंस्पायर हो गई हूं।' अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने बताया कि समारोह में शामिल होकर काफी प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना ??है कि एक मजबूत, खुशहाल समाज और खुशहाल देश तभी बन सकता है, जब अच्छी एजुकेशन दी जाए, खासकर स्टूडेंट को। मुझे लगता है कि डॉ. अश्विन फर्नांडिस के सपोर्ट से ऑर्गनाइजेशन ने बहुत शानदार काम किया है। एजुकेशन जरूरी है, मैं खुद मध्य प्रदेश में इसी को लेकर काम कर रही हूं। उनका मानना है कि सभी को डॉ. अश्विन फर्नांडिस से सीखना चाहिए कि इतना बड़ा इम्पैक्ट डालने के लिए सिस्टम और प्रोसेस कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा, 'गोवा आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। ' अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे समाज के कुछ हिस्सों को उस तरह की एजुकेशन नहीं मिल पाती, जो इस तरह के स्टेज दे रहे हैं। मुझे लगता है कि यह एजुकेशन का ट्रेडिशनल रास्ता अपनाने के बारे में नहीं है, बल्कि यह इसके लिए है कि बच्चा आगे बढ़कर अपने जीवन में क्या करेगा या कर सकता है, जैसे कि वह स्पोर्ट पर्सन बन सकता है, नासा में जा सकता है, फिल्मी जगत में नाम बना सकता है। ऐसे ही कई जगहों में अपना करियर चुन सकता है। मेरा मानना है कि ग्लोबल एजुकेशन को इतना मजबूत होना चाहिए कि हर बच्चे को अच्छी शिक्षा का मौका मिले।

निक जोनस की इस बात पर आया प्रियंका चोपड़ा का दिल?

बताई रिश्ते के मजबूत होने के वजह

प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि वह क्या वजह रही, जिसके चलते उनका रिश्ता उनके पति से और मजबूत हो गया। हाल ही में वह 'साइकिल ऑफ लव' के प्रीमियर में पहुंची थीं। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा अपनी अदाकारी के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। वह अपने पति निक जोनस के साथ अक्सर शानदार तस्वीरें शेयर करती हैं। दोनों एक दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। इस बीच प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि अगर निक ने भारतीय संस्कृति की कद्र नहीं की होती तो वह उनसे प्यार नहीं करतीं। इकोनॉमिक टाइम्स से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'मुझे नहीं पता कि अगर वह ऐसा नहीं करते तो क्या मैं उनसे प्यार करती। किसी भी दो संस्कृति वाली कहानी या रिश्ते में यह एक बड़ी बात होती है। मुझे लगता है कि अपने पार्टनर की जड़ों का सम्मान करना बहुत जरूरी है।' प्रियंका और निक अक्सर एक-दूसरे के सबसे बड़े सपोर्टर होने के साथ-साथ उन परंपराओं और कल्चर को अपनाने के बारे में बात करते रहे हैं।

प्यार के एक नजरिए को दिखाता है 'रात कालिया' सॉन्ग : शहजान पद्मसी

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री शहजान पद्मसी ने गाना 'रात कालिया' से गायिकी में डेब्यू किया है। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि गायन को लेकर वे पहले से पैशनेट थीं, लेकिन एक्टिंग के लिए फिल्मों के ऑफर आने लगे, जिससे ये सपना पीछे रह गया। अभिनेत्री ने बताया, 'एक्टिंग का सफर अचानक से शुरू हुआ और मुझे काम करते वक्त काफी मजा भी आ रहा था। फिर, एक के बाद बहुत सारे प्रोजेक्ट हाथ में आने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं लहर पर सर्फिंग कर रही हूं। शहजान पद्मसी कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 2' में पारुल नाम के किरदार में नजर आई थी। अभिनेत्री का मानना है कि इस फिल्म में काम करने के बाद ही उन्हें एहसास हुआ कि अब उन्हें थोड़ी क्रिएटिविटी की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर एक दूसरा पहलू भी था, जिसे मैं देखना चाहती थी, तो मैंने सोचा कि चलो उस रास्ते पर चलते हैं। मेरी मां, शेरोन प्रभाकर, इंडिया की पहली पॉप स्टार्स में से एक हैं। तो मैंने मॉम के साथ म्यूजिक में आगे बढ़ने का फैसला किया। हम दोनों घंटों तक साथ में रियाज करते थे। ' अभिनेत्री ने अपनी मां का शुक्रिया अदा करते हुए बताया कि वे उनकी वजह से शहजान पद्मसी को बाहर क्लास लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा, 'मां की शिक्षिका बनना मुझे काफी अच्छा लगा। क्योंकि बेशक हम सब दिल से ही काम करते हैं, लेकिन मैंने सच में समय लिया और खुद से कहा कि अगर मुझे इस प्रोफेशन को सीरियसली लेना है, तो अपने हुनर पर काम करना होगा। पहले अपना हुनर पक्का करना होगा। प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, और मुझे प्रैक्टिस की इस पूरी प्रोसेस से प्यार हो गया। अभिनेत्री ने आगे गाना 'रात कालिया' के बार में भी बताया। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि यह एक लव सॉन्ग है, जो प्यार के नजरिए को दिखाता है। जैसे किसी भी रिश्ते के शुरुआत में इंसान एक दूसरे पर डिपेंडेंट होता है, कुछ वैसा ही। इसमें मेरे बहुत सारे ख्याल हैं, जिसमें मैं घंटों बात कर सकती हूं क्योंकि ये बहुत इंटरेस्टिंग है। जब भी मैं अपने दोस्तों से इस बारे में बात करती हूं, तो वो भी कहते हैं कि उन्होंने भी ऐसा ही महसूस किया है।

धुरंधर 2 के बाद हिंदी बॉक्स ऑफिस में सबसे तेज एडवांस बुकिंग

टॉक्सिक ने दिखाए ब्लॉकबस्टर के संकेत

यश की 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' ने रिलीज से पहले ही हिंदी बॉक्स ऑफिस में अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी है। 26 अगस्त को सिनेमाघरों में पहुंचने जा रही इस फिल्म की एडवांस बुकिंग ने इसे 'धुरंधर 2' के बाद 2026 की सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग वाली फिल्मों में शामिल कर दिया है। खास बात यह है कि कन्नड़ मूल की फिल्म होने के बावजूद हिंदी बाजार में 'टॉक्सिक' जिस रफ्तार से टिकट बेच रही है, उसने इसे मौजूदा दौर की बड़ी हिंदी रिलीजों की कतार में खड़ा कर दिया है। हिंदी बाजार में फिल्म की शुरुआती पकड़ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि राष्ट्रीय मल्टीप्लेक्स श्रृंखलाओं में शुरुआती छह घंटों में ही 'टॉक्सिक' के करीब 30 हजार टिकट बिक गए थे। यह आंकड़ा इस साल की कई बड़ी ओपनिंग फिल्मों की शुरुआती बुकिंग से बेहतर बताया जा रहा है। यही वजह है कि कारोबार के जानकार अब यश की फिल्म के हिंदी बाजार में बड़े ओपनिंग आंकड़े की उम्मीद कर रहे हैं।

धुरंधर 2 के बाद सबसे मजबूत शुरुआत

2026 में हिंदी फिल्मों के बीच एडवांस बुकिंग का सबसे बड़ा दबदबा रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' ने बनाया था। फिल्म ने रिलीज से पहले ही इतनी बड़ी संख्या में टिकट बेच दिए थे कि उसके शुरुआती दिन की एडवांस बुकिंग 29 करोड़ रुपये के आसपास पहुंच गई थी। ब्लॉक बुकिंग को अलग करने पर भी वास्तविक टिकट बिक्री से करीब 20.66 करोड़ रुपये की बुकिंग दर्ज हुई थी और लगभग 4.74 लाख टिकट बिके थे। इसके बाद 'टॉक्सिक' का तेजी से आगे बढ़ना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसी पहले से स्थापित हिंदी फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी नहीं है। 'धुरंधर 2' जहां सफल फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता के साथ रिलीज हुई, वहीं 'टॉक्सिक' यश की स्टार पावर और 'केजीएफ' के बाद उनके प्रति बने दर्शक उत्साह के आधार पर हिंदी बाजार में अपनी जगह बना रही है। कारोबार विश्लेषकों ने भी इसे 2026 की दूसरी सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग वाली फिल्म बताया है।

हिंदी संस्करण ने पार किया 7 करोड़ रुपये का आंकड़ा

देशभर की सभी भाषाओं को मिलाकर 'टॉक्सिक' की एडवांस बुकिंग 27 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है, जिसमें ब्लॉक बुकिंग भी शामिल है। इनमें हिंदी 2डी संस्करण ने अब तक करीब 7.65 करोड़ रुपये की बुकिंग दर्ज की है।

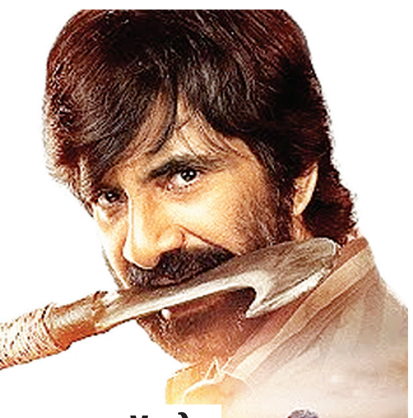

गातार 3 फ्लॉप के बाद सुपरहिट की तैयारी में रवि तेजा

पिछले कुछ समय से रवि तेजा की फिल्में कोई खास कमाल नहीं दिखा रही थीं. लेकिन अब लगातार 3 फ्लॉप देने के बाद उनकी फिल्म इरुमुडी ने कमाल कर दिया है. इसका ओपनिंग डे कलेक्शन हैरान करने वाला है.

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में रवि तेजा का अलग ही भौकाल है. वे हिंदी ऑडियंस के बीच भी काफी पॉपुलर चेहरा हैं. पिछले 2 दशक में उनकी कई सारी फिल्में रिलीज की गई हैं जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई कर के दिखाई है. लेकिन पिछले कुछ समय से उनकी फिल्मों का हाल अच्छा नहीं जा रहा था. अलग-अलग मिजाज की फिल्में करने के बाद भी उनके हाथ निराशा लग रही थी. लेकिन अब एक्टर ने एक बार फिर से जोरदार वापसी कर ली है. उनकी फिल्म इरुमुडी सिनेमाघरों में धूम मचा रही है. इस फिल्म की कमाई के ताजा आंकड़े आ गए हैं.

इस फिल्म में मेरा किरदार पिछले किरदारों से काफी ग्लैमरस है : विधात्री बंदी

अभिनेत्री विधात्री बंदी ने फीचर फिल्म 'मैक्स, मिन और मियोज्स्की' में कैरोल सेक्वेराका महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने हालिया बातचीत में बताया कि ये किरदार उन्हें किस तरह से मिला है। उन्होंने बताया कि असल में वे किसी और किरदार के लिए ऑडिशन देने के लिए गई थी। उसी दौरान उन्हें 'कैरोल सेक्वेराका' के किरदार के बारे में पढ़ने का मौका मिला था, जिसके उन्होंने इसे करने के लिए मैनिफेस्ट किया था। उन्होंने कहा, 'असल में, मैं 'मिन' का ऑडिशन देने के लिए गई थी, लेकिन जब मुझे फिल्म का सारांश दिया गया, तो मैंने उसमें कैरोल सेक्वेराका के बारे में पढ़ा था। उसका किरदार इस तरह से लिखा हुआ था कि उसे पढ़कर मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ, जिसके बाद मैंने सोचा कि अगर इस किरदार के लिए मुझे ऑडिशन देने का मौका मिले, तो मैं जरूर दूंगी। लेकिन मैंने ये बात बस अपने तक ही रखी और किसी को नहीं बताई थी। 2 दिन बाद कास्टिंग टीम से फोन आया कि डायरेक्टर्स चाहते हैं कि मैं 'कैरोल' के लिए ऑडिशन दूं। फिर मैंने ऑडिशन दिया और तुरंत मेरा सिलेक्शन हो गया। सेलेक्ट होने के बाद पैडी ने मुझे पूरी कहानी सुनाई। उस दिन शायद पहली बार ऐसा हुआ कि मैं अजनबियों के सामने रो पड़ी थी, क्योंकि फिल्म ने मेरे दिल को छू लिया था। उसी वक्त मुझे पक्का हो गया था कि मुझे ये फिल्म करनी ही है। ' अभिनेत्री ने अपने पिछले किरदारों के लुक की तुलना इस किरदार से करते हुए कहा कि 'कैरोल सेक्वेराका' का किरदार उनके पिछले किरदारों से ज्यादा ग्लैमरस है। उन्होंने कहा, 'फिल्म 'जलसा' में मैंने एक मलयाली पत्रकार का रोल किया था। उसमें मेरा लहजा बहुत भारी था, कोई मेकअप नहीं किया था और बाल भी काफी ज्यादा थे। 'द डिप्लोमैट' में मैंने एक पंजाबी एंबेसी ऑफिसर का किरदार निभाया था, जिसमें मैं फॉर्मल कपड़े पहनती थी, लेकिन इस फिल्म में मैं बिल्कुल मुंबई की लड़की जैसी लग रही हूं। मेरे घुंघराले बाल हैं और मेरा लहजा भी नॉर्मल है। ' अभिनेत्री ने आगे अपनी अब तक की जर्नी के बारे में बताया कि उनके करियर की रफ्तार काफी धीमी रही है।

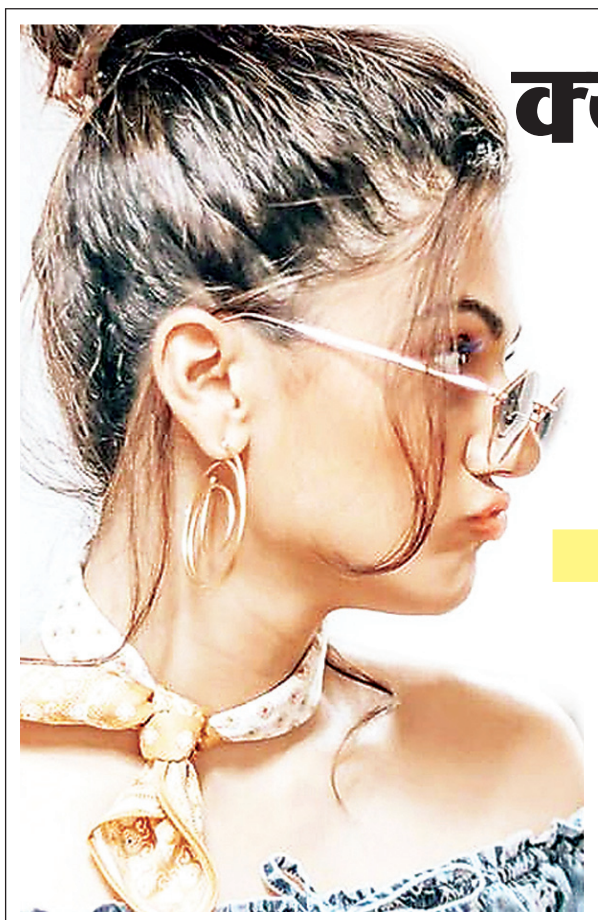

क्या तापसी ने दिया कंगना को जवाब?

कंगना रनौत की हालिया टिप्पणी पर तापसी पन्नू ने एक रहस्यमयी पोस्ट की है। माना जा रहा है कि यह कंगना को उनका जवाब है।

अभिनेत्री कंगना रनौत और तापसी पन्नू के बीच लंबे समय से जुबानी जंग चल रही है। उनकी तीखी बहस अक्सर सुर्खियों में रही है। हाल ही में तापसी पन्नू से पूछा गया कि क्या उन्होंने झगड़ा खत्म कर दिया है, जिस पर उन्होंने परवरिश के बारे में बात की। इस पर कंगना के प्रतिक्रिया देने के बाद विवाद फिर से शुरू हो गया। अब तापसी पन्नू ने फिर से शुरू हुए झगड़े के बीच रहस्यमयी

रहस्यमयी पोस्ट के जरिए दी ऐसी प्रतिक्रिया

पोस्ट के जरिए प्रतिक्रिया दी है।

तापसी पन्नू ने क्या प्रतिक्रिया दी?

कंगना रनौत की हालिया टिप्पणी पर सीधे तौर पर कुछ न कहते हुए, तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर किया। इसमें बस इतना लिखा था, 'साबित हो गया।' इसके साथ, ऐसा लगता है कि तापसी अपने हालिया बयान पर कायम हैं। उन्होंने कहा था कि कंगना के बारे में उनकी राय उनकी परवरिश को दिखाती है, ठीक वैसे ही जैसे कंगना की राय उनकी अपनी परवरिश से बनी है। 'थप्पड़' एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह देखने और तय करने के लिए काफी है कि कौन कहां से आया है।'

'1000 करोड़ी फिल्म का मतलब यह नहीं कि...', 'हैवान' अभिनेत्री सैयामी खेर ने सुनाया '8 एएम मेट्रो' का किस्सा

फिल्म 'हैवान' की अभिनेत्री सैयामी खेर ने बॉलीवुड में कलाकारों की काबिलियत और बॉक्स ऑफिस पर बात की है। उन्होंने उन मेकर्स की भी तारीफ की है जिन्होंने उन्हें मौके दिए। अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग फिल्म 'हैवान' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी फिल्म 'घूमर' और '8 एएम मेट्रो' के परफॉर्मेंस को लेकर बात की है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला है कि किसी कलाकार की काबिलियत को हमेशा फिल्म की कमाई से नहीं मापा जा सकता। बातचीत में अभिनेत्री ने कहा कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन यह नहीं दिखाता कि किसी कलाकार को दर्शकों से कितना सम्मान मिलता है।

अभिनेत्री का कहना है कि 1000 करोड़ रुपये की फिल्म सम्मान की गारंटी नहीं देती। उन्होंने कहा कि मैं '8 एएम मेट्रो' जैसी फिल्म करके संतुष्ट हूं।

यह यूट्यूब पर बड़ी हिट हुई और बाद में एक ओटीटी प्लेटफॉर्म ने इसे खरीद लिया। जब तक वह यूट्यूब पर बड़ी हिट नहीं हुई, तब तक कोई उसे खरीद नहीं रहा था। मुझे लगता है कि '8 एएम मेट्रो' से मुझे जो सम्मान मिला है, वह मुझे किसी और फिल्म से नहीं मिला।

जाह्नवी कपूर के अश्लील कंटेंट पर हाईकोर्ट सख्त

जाह्नवी कपूर से जुड़े अश्लील और आपत्तिजनक ऑनलाइन कंटेंट के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने 552 URLs से ऐसा कंटेंट हटाने का आदेश दिया है, जिसमें अभिनेत्री की पहचान और तस्वीरों का कथित तौर पर अश्लील इस्तेमाल किया गया था। हालांकि, करीब 6,884 URLs को एक साथ हटाने की मांग कोर्ट ने नहीं मानी। जस्टिस अनूप जयराम भंभानी ने कहा कि अलग-अलग तरह के कंटेंट पर एक जैसा आदेश नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिर्फ किसी सेलिब्रिटी के नाम या तस्वीर वाले हर फैन पेज को गैरकानूनी नहीं माना जा सकता।

27 अगस्त को सैमसंग पेश करेगा गैलेक्सी एस26 सीरीज़ का नया स्मार्टफोन: मुंबई, एजेंसी। गैलेक्सी एस26 सीरीज ने कैमरा और एआई से जुड़े अपने नए इनोवेशन के साथ स्मार्टफोन अनुभव को नई ऊंचाई दी है। इससे यूजर्स के लिए रोजमर्रा की जिंदगी में तस्वीरें लेना, कंटेंट तैयार करना और दूसरों से जुड़े रहना आसान हुआ है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स 27 अगस्त को गैलेक्सी इवेंट अगस्त 2026 आयोजित करेगा।

नेपाल-भूटान के बाद अब मॉरीशस, पेट्रोल-डीजल का सप्लायर बन भारत दे रहा मैसेज: नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-मॉरिशस ने तेल और गैस सेक्टर में सहयोग बढ़ाया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मॉरिशस की पेट्रोल, डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की आयात जरूरत को पूरा करने के लिए पांच साल का समझौता किया है। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी की मॉरिशस की दो दिन की यात्रा के दौरान गुरुवार को ये समझौते किए गए। इस कार्यक्रम में मॉरिशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम भी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मैं अपनी कंपनी में किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में अपने कर्मचारियों की सबसे ज्यादा परवाह करता हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। चार्ली एर्जेन दुनिया के बड़े दौलतमंदों में शुमार हैं। उनकी पहचान अमेरिकी

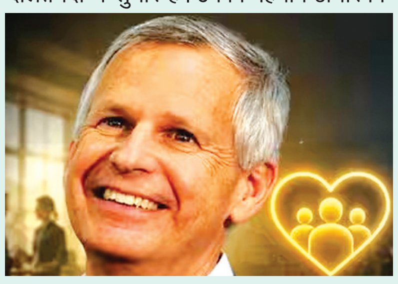

पे-टीवी और टेलीकॉम सेक्टर से है। अरबपति उद्यमी डिश नेटवर्क और इकोस्टार के सह-संस्थापक हैं। 1980 के दशक में एक ट्रक के पीछे से सैटेलाइट डिश बेचकर चार्ली ने अपने व्यवसाय की शुरुआत की। कॉर्पोरेट जगत में उन्हें दूरदर्शी रणनीतिक नेतृत्व शैली के लिए जाना जाता है। मैं अपनी कंपनी में किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में अपने कर्मचारियों की सबसे ज्यादा परवाह करता हूं। मैं अपने बच्चों की भी परवाह करता हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे जो कुछ भी मांगें, मैं उन्हें सब दे दूं। क्या है इसका मतलब चार्ली एर्जेन यह साफ करते हैं कि कर्मचारियों की परवाह करने का मतलब उनकी हर मांग या जिद को पूरा करना नहीं है। जैसे माता-पिता अपने बच्चों से प्यार करते हैं। लेकिन, उनकी हर अनुचित या नुकसानदेह मांग को पूरा नहीं करते क्योंकि इससे बच्चे का ही भविष्य बिगड़ सकता है। ठीक वैसे ही एक जिम्मेदार बॉस कंपनी और कर्मचारियों दोनों के लॉन्ग-टर्म इंटरेस्ट को ध्यान में रखकर फैसले लेता है। बिजनेस में संसाधन सीमित होते हैं। अगर कोई लीडर सिर्फ कर्मचारियों को खुश करने के लिए बहुत ज्यादा वेतन वृद्धि, अनावश्यक भत्ते या अव्यवहारिक सुविधाएं देने लगे तो कंपनी की वित्तीय स्थिति कमजोर हो सकती है। एर्जेन का मानना है कि कर्मचारियों की असली सुरक्षा इसमें है कि कंपनी मजबूत और फायदे में रहे। न कि इसमें कि कर्मचारियों को अल्पकालिक खुशियों के लिए सब कुछ दे दिया जाए। यह कोट एर्जेन की प्रसिद्ध मैनेजमेंट शैली को दिखाता है। जहां

एप्पल में बड़ा फेरबदल, सैंकड़ों कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक दिग्गज एप्पल अपने कारोबार में बड़ा बदलाव कर रही है। कंपनी अब हार्डवेयर से ज्यादा आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस और नए एआई आर्किटेक्चर पर फोकस बढ़ा रही है। इसी रणनीति के तहत सिरी, विजन प्रोऔर कुछ सॉफ्टवेयर टीमों में करीब 200 पदों को खत्म किया जा रहा है। मामले से परिचित लोगों के मुताबिक, एप्पल के सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग डिविजन की इंटेलिजेंट सिस्टम्स एक्सपीरियंस टीम में भी छंटनी की गई है। यह टीम डिवाइस में इस्तेमाल होने वाले कई एआई फीचर्स पर काम करती है। एप्पल अपने डिजिटल असिस्टेंट सिरी को पूरी तरह नए एआई सिस्टम पर तैयार करने में जुटी है। कंपनी का फोकस अब ऐसे इंजीनियरों पर है, जिन्हें जनरेटिव एआई और आधुनिक एआई आर्किटेक्चर का अनुभव हो। इसी बदलाव के दौरान पुरानी भूमिकाओं को खत्म कर नई एआई-केंद्रित नौकरियां तैयार की जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सिरी और सॉफ्टवेयर से जुड़ी टीमों में करीब 100 पद प्रभावित हुए हैं। छंटनी का दूसरा बड़ा असर विजन प्रो संगठन पर पड़ा है। कंपनी ने हेडसेट के लिए गेमिंग पर केंद्रित टीम को काफी छोटा कर दिया है। इसके अलावा विजन प्रोके लिए इमर्सिव वीडियो कंटेंट तैयार करने वाली यूनिट में भी कर्मचारियों की संख्या घटाई गई है। करीब 100 पद विजन प्रोसंगठन से जुड़े बताए जा रहे हैं।

कारखानों पर ताले, सड़कों पर लोग... बांग्लादेश में हाहाकार, गैस संकट से अर्थव्यवस्था चरमराई

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश में प्राकृतिक गैस का संकट लगातार गहराता जा रहा है। गैस की कमी के कारण

कई उद्योग-धंधे ठप पड़ गए हैं। वहीं बिजली की भीषण कटौती हो रही है और ईंधन की किल्लत से सड़कों पर प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। देश की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर इसका व्यापक असर पड़ रहा है।

बांग्लादेश के आशुगंज में स्थित सरकारी यूरिया खाद फैक्ट्री मार्च 2025 से बंद पड़ी है। कभी यहां करीब 1,200 से ज्यादा कर्मचारी काम करते थे और रोजाना 1,000 टन से अधिक खाद का उत्पादन होता था। अब यह फैक्ट्री जंग खा रही मशीनों और खाली ढांचे में बदल गई है। आशुगंज उन छह प्रमुख यूरिया खाद संयंत्रों में शामिल है, जिन्हें गैस की कमी के कारण बंद करना पड़ा है या उत्पादन सीमित करना पड़ा है। ट्रेड यूनियन नेता एमडी अबू कौसर के मुताबिक, इन संयंत्रों के बंद होने से कर्मचारियों की नौकरियां प्रभावित हुई हैं और खाद उद्योग पर भी खतरा बढ़ा है। एएफपी के मुताबिक गैस की कमी का असर सिर्फ खाद कारखानों तक सीमित नहीं है। सैकड़ों फैक्ट्रियां, खासकर कपड़ा उद्योग से जुड़ी इकाइयां, उत्पादन घटाने या काम बंद करने पर मजबूर हैं। बांग्लादेश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा निर्यातक देश है और उसके कुल निर्यात से होने वाली कमाई में करीब 80 फीसदी हिस्सा गारमेंट सेक्टर का है।

बिजली कटौती से परेशान लोग

गैस से बिजली बनाने वाले पावर प्लांट भी पर्याप्त उत्पादन नहीं कर पा रहे हैं। इसका सीधा असर बिजली आपूर्ति पर पड़ा है और कई इलाकों में नियमित बिजली कटौती हो रही है। सरकार ने अगस्त में बिजली बचाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें शॉपिंग मॉल को सामान्य समय से एक घंटा पहले बंद करने का निर्देश भी शामिल है। बांग्लादेश में घरेलू पाइपलाइन गैस की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। देश की कुल गैस खपत में घरेलू क्षेत्र की हिस्सेदारी 10 फीसदी से कुछ ज्यादा है, लेकिन गैस संकट का असर आम परिवारों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। आशुगंज फैक्ट्री के पास रहने वाली 50 वर्षीय गृहिणी नरगिस बेगम ने बताया कि रात के समय कई बार बिल्कुल गैस नहीं आती। कभी-कभी गैस का दबाव इतना कम होता है कि एक साथ दो चूल्हे भी नहीं जल पाते। कई परिवारों, खासकर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों ने लकड़ी से चलने वाले चूल्हों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। दूसरी ओर, बिजली कटौती के कारण गर्म और उमस भरे मौसम में लोगों को पंखे के बिना रहना पड़ रहा है। गैस से चलने वाले रिक्शा चालकों को भी ईंधन की कमी का सामना करना पड़ रहा है। कई चालक घंटों तक गैस का इंतजार करने के बाद विरोध में सड़कों पर उतर आए और रास्ते भी रोक दिए।

चीनी के बाद प्याज की कीमतों में उछाल, अचानक इतने बढ़ गए दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन शुरू होने से पहले ही आम लोगों की रसोई का बजट बिगड़ने लगा है।

चीनी के बाद अब प्याज की कीमतों में भी तेज उछाल देखने को मिल रहा है। देश के कई हिस्सों में खुदरा बाजार में प्याज के दाम तेजी से बढ़े हैं और कुछ बड़े शहरों में इसकी कीमत 50 से 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 21 अगस्त को प्याज की औसत खुदरा कीमत करीब 40.79 रुपए प्रति किलो रही। एक महीने पहले 21 जुलाई को यही कीमत 34.87 रुपए प्रति किलो थी यानी एक महीने में प्याज लगभग 17 प्रतिशत महंगा हुआ है। एक साल पहले की तुलना करें तो 21 अगस्त 2025 को औसत खुदरा कीमत करीब 28.72 रुपए प्रति किलो थी।

आम आदमी के लिए वंदे भारत का मजा, अमृत भारत 3.0 में मिलेंगे एसी कोच

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे अब अमृत भारत 3.0 एक्सप्रेस में एयर-कंडीशंड कोच लाने की तैयारी में है। अमृत भारत एक्सप्रेस के जरिए आम लोगों के लिए ट्रेन यात्रा को बेहतर बनाने के बाद ऐसा किया जा रहा है। उम्मीद है कि इसे इसी फाइनेंशियल ईयर में लॉन्च किया जाएगा। अब तक अमृत भारत एक्सप्रेस एक नॉन-ष्ट लंबी दूरी की पैसेंजर ट्रेन रही है। इसमें जनरल क्लास और स्लीपर क्लास के कोच होते हैं।

आम लोगों के लिए चलने वाली दूसरी एक्सप्रेस ट्रेनों की तुलना में अमृत भारत एक्सप्रेस की खासियत है - तेज यात्रा का वादा और वंदे भारत जैसी पैसेंजर सुविधाएं। 2023 में शुरू की गई अमृत भारत ट्रेनों में से 60 से ज्यादा ट्रेनें भारतीय रेलवे नेटवर्क पर चल रही हैं। स्लीपर क्लास में यात्रा का किराया प्रति 1,000 किलोमीटर लगभग 500 रुपये है। इसका मकसद इसे किफायती रखना है। इसकी डिमांड साफ तौर पर दिखती है। भारतीय रेलवे के डेटा के मुताबिक, अमृत भारत ट्रेनों की स्लीपर क्लास में औसत ऑक्यूपेंसी (यात्रियों की संख्या) 100 प्रतिशत से ज्यादा है।

आम लोगों की जरूरत पूरा करती है ट्रेन

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के दोनों सिरों पर लोकोमोटिव (इंजन) होते हैं। ये ट्रेनें तेज स्पीड, तेजी से स्पीड बढ़ाने और कम करने के लिए पुश-पुल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करती हैं। इससे यात्रियों का कुल यात्रा समय कम हो जाता है। ट्रेन की अधिकतम स्पीड 130 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। अमृत भारत एक्सप्रेस आम लोगों, मजदूरों और दूसरे राज्यों में काम करने वालों की यात्रा की जरूरतों को पूरा करती है। साथ ही, इसका मकसद त्योहारों के मौसम में भीड़ को संभालना और आधुनिक व कुछ हद तक प्रीमियम पैसेंजर सेवाएं देना भी है। चेन्नई को 50 अमृत भारत 2.0 ट्रेनें बनाने का ऑर्डर दिया गया है। इनमें से 32 ट्रेनें तैयार हो चुकी हैं। इस साल 18 और ट्रेनों के आने की उम्मीद है। कपूरथला भी 50 रेक (ट्रेन के डिब्बों का सेट) बना रहा है।

वंदे भारत जैसी कई सुविधाएं होंगी शामिल

भारतीय रेलवे अब अमृत भारत एक्सप्रेस के लिए ष्ट कोच बना रहा है। सूत्रों ने बताया कि एयर-कंडीशंड अमृत भारत कोच में वंदे भारत स्लीपर और राजधानी एक्सप्रेस जैसी कई विशेषताएं होंगी ताकि यात्रियों को प्रीमियम अनुभव मिल सके। उन्होंने कहा कि लंबी दूरी की यात्रा के लिए तीन तरह के ष्ट कोच की योजना है। एसी फर्स्ट क्लास, एसी-2 टियर और एसी-3 टियर। कोच वाली अमृत भारत 3.0 के लिए कुल 14 रेक का ऑर्डर दिया गया है। एसी कोच के साथ अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें लंबी दूरी की अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों जैसी ही होंगी। लेकिन, इनमें आधुनिक यात्री सुविधाएं और वंदे भारत व राजधानी जैसी यात्री सुविधाएं भी होंगी। अनुभव को बेहतर बनाने और यात्रा को किफायती रखने की कोशिश कर रही है।

भारत में बरसे डॉलर... आरबीआई की रणनीति हुई सुपरहिट, तीन खास स्कीम से जुटाए 72.8 अरब, एफसीएनआर बीटॉप पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने रुपये पर दबाव और विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने के लिए शुरू की गई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की विशेष योजनाओं के जरिए अब तक 72.8 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जुटाई है। आरबीआई ने शनिवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इसमें सबसे बड़ा योगदान विदेशों में रहने वाले भारतीयों के लिए शुरू की गई जमा योजना का रहा है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 72.8 अरब डॉलर के कुल विदेशी मुद्रा प्रवाह में जमा के जरिए 65.39 अरब डॉलर आए हैं। वहीं, अन्य दो योजनाओं के तहत भी विदेशी मुद्रा जुटाई गई है। इनमें एक्सटर्नल कमर्शियल बॉरोइंग के जरिए 2.59 अरब डॉलर और ओवरसीज फॉरेन करेंसी बॉरोइंग के जरिए 4.86 अरब डॉलर आए हैं। खास बात यह है कि पिछले एक सप्ताह में ही बैंकों ने योजना के तहत करीब 13 अरब डॉलर जुटाए हैं।

रिजर्व बैंक ने समयसीमा क्यों घटाई: विदेशी मुद्रा के मजबूत प्रवाह को देखते हुए पिछले सप्ताह योजना के तहत विशेष प्रोत्साहन वाले डिपॉजिट स्वीकार करने की समयसीमा को एक महीने पहले ही खत्म करने का फैसला किया। अब बैंक 31 अगस्त 2026 तक इन जमाओं को स्वीकार कर सकते हैं। हालांकि, श्वष्टक्च और ह्रस्नष्टक्च से जुड़ी स्वैप योजना पहले तय कार्यक्रम के मुताबिक 31 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगी।

डॉलर जुटाने के लिए शुरू हुई थी योजना: आरबीआई ने इस सुविधा को 8 जून 2026 से लागू किया था। इसका उद्देश्य देश में डॉलर का प्रवाह बढ़ाना और विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करना था। इस व्यवस्था के तहत बैंक पात्र विदेशी मुद्रा उधारी को आरबीआई के साथ रियायती दरों पर स्वैप कर सकते हैं। इससे बैंकों की फंडिंग लागत कम होती है। इसके अलावा, नई व्यवस्था के तहत बैंक से मिलने वाले डॉलर को के साथ जीरो-कॉस्ट हेजिंग सुविधा के तहत स्वैप कर सकते हैं। यह सुविधा 11 सितंबर 2026 तक उपलब्ध है।

योजना की सफलता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके तहत आने वाला पैसा 2013 में लाई गई ऐसी ही योजना से जुटाए गए 26 अरब डॉलर से काफी अधिक हो गया है। जून में नई विंडो खुलने के तीन महीने से भी कम समय में यह आंकड़ा कई गुना बढ़ गया है। इससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को भी काफी मजबूती मिली है। जुलाई से अब तक देश का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 50 अरब डॉलर बढ़ चुका है।

7 हफ्तों से लगातार बढ़ रहा फॉरेक्स रिजर्व: आरबीआई के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 14 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 9.905 अरब डॉलर बढ़कर 716.90 अरब डॉलर हो गया। इसके साथ ही देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार सातवें सप्ताह बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, विदेशी मुद्रा भंडार में इतनी बड़ी बढ़ोतरी के बावजूद रुपये को इसका उतना फायदा नहीं मिला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण रुपये पर अब भी दबाव बना हुआ है।

टाटा, गोदरेज, बिरला... गोल्ड लोन बिजनेस में धड़ाधड़ एंट्री, बड़े कारोबारी ग्रुप लगा रहे हैं दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के गोल्ड लोन बाजार में बड़ी कंपनियों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है। टाटा कैपिटल, गोदरेज कैपिटल और आदित्य बिरला कैपिटल जैसे बड़े वित्तीय समूह अब गोल्ड लोन कारोबार को केवल एक छोटे या क्षेत्रीय कारोबार के तौर पर नहीं देख रहे हैं। पिछले कुछ हफ्तों में इन कंपनियों के उठाए कदम बताते हैं कि गोल्ड लोन सेक्टर में एक बड़ा रणनीतिक बदलाव हो रहा है।

पिछले कुछ ही हफ्तों में टाटा कैपिटल ने केरल की योगलोन्स कंपनी में हिस्सेदारी खरीदी है। वहीं गोदरेज कैपिटल ने कनकादुर्गा फाइनेंस के गोल्ड लोन बिजनेस का अधिग्रहण किया है। इनके अलावा आदित्य बिरला कैपिटल ने 1000 ब्रांचों के साथ नया गोल्ड लोन वर्टिकल बनाने की घोषणा की है। पिछले कुछ सालों में पर्सनल

लोन और कंज्यूमर क्रेडिट जैसे बिना गारंटी वाले लोन्स में रेगुलेटरी सख्ती और जोखिम बढ़ा है। ऐसे में कंपनियां सुरक्षित यानी सिक्योर्ड लोन सेगमेंट की तरफ रुख कर रही हैं, जहां गोल्ड लोन सबसे आसान और सुरक्षित विकल्प है। भारत के घरों में पड़े निष्क्रिय सोने का केवल एक छोटा हिस्सा ही फॉर्मल लोन चैनलों में आया है। मई 2026 तक गोल्ड ज्वैलरी के बदले दिया गया लोन करीब 3.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसने एफवाय26 में करीब 50 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की। लंबे समय तक दक्षिण भारत और कुछ चुनिंदा एनबीएफसी जैसे मुथूट और मन्नापुरम तक सीमित माने जाने वाले इस बिजनेस में अब बैंकों और विविधीकृत वित्तीय समूहों की 50-50 हिस्सेदारी के करीब बाजार पहुंच गया है। सोने के ऊंचे दामों से ग्राहकों को ज्यादा लोन एलिजिबिलिटी मिलती है। हालांकि, ये कंपनियां सिर्फ मौजूदा कीमतों के चक्र पर दांव नहीं लगा रही हैं, बल्कि लंबी अवधि के लिए डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा कर रही हैं। पहले जहां केवल आपातकालीन जरूरतों या ग्रामीण क्षेत्रों तक गोल्ड लोन सीमित था, अब बड़े टिकट साइज यानी 5 लाख रुपये से ऊपर और संपन्न वर्ग के लोग भी शॉर्ट-टर्म क्रेडिट के लिए गोल्ड लोन ले रहे हैं।

पोको एम8एक्स 5जी 7900एमएएच की बड़ी बैटरी के साथ हुआ लॉन्च

बेंगलुरु, एजेंसी। शाओमी इंडिया ने पोको एम8एक्स 5जी लॉन्च करने की घोषणा की है। यह क्वालकॉम के नए स्नैपड्रैगन 4 जेन 5 मोबाइल प्लेटफॉर्म से लैस भारत का पहला स्मार्टफोन है। 7900एमएएच की बड़ी बैटरी, शानदार टिकाऊपन, 6.9-इंच का बड़ा 120एच5 एडैप्टिव डिस्प्ले और एक खास डिज़ाइन के साथ, पोको एम8एक्स 5जी यूजर्स की दैनिक जीवनशैली, कार्यप्रणाली और मनोरंजन संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक भरोसेमंद स्मार्टफोन अनुभव देता है।

पोको एम8एक्स 5जी को इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि उपयोगकर्ताओं को बार-बार फोन चार्ज करने की चिंता से राहत मिले। चाहे किसी नए शहर में रास्ता देखना हो, काम का लंबा दिन हो, आते-जाते वीडियो देखना हो, ऑनलाइन क्लास लेना हो या देर रात तक कनेक्टेड रहना हो, यह स्मार्टफोन पूरे दिन आपका साथ निभाने के लिए बनाया गया है।

पोको एम8एक्स 5जी में 7900एमएएच की बड़ी बैटरी दी गई है, जिससे आपको बार-बार फोन चार्ज करने की चिंता नहीं करनी पड़ेगी और आप अपना काम आसानी से कर सकेंगे। जब फोन चार्ज करना हो, तो इसके लिए बॉक्स में ही 45वाट का फास्ट चार्जर मिलता है, जो फोन को जल्दी चार्ज कर देता है। इसके अलावा, इसमें 22.5वाट का रिवर्स चार्जिंग सपोर्ट भी है, जिससे आप ज़रूरत पड़ने पर अपने किसी अन्य डिवाइस या स्मार्टफोन को भी चार्ज कर सकते हैं।

फोन हमेशा एक जगह नहीं रहता। यह ऑफिस की टेबल, कॉलेज की क्लास, भीड़-भाड़ वाले सफर और यात्राओं में आपके साथ रहता है।

रिटायरमेंट के बाद नहीं बदल पाएंगे पेंशन स्कीम कर्मचारियों के लिए आया सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने रिटायरमेंट के बाद जाने की मांग करने वाले एक रिटायर्ड प्रोफेसर को राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि कर्मचारी ने नियमितीकरण के समय तय शर्तों को स्वीकार किया था और सीपीएफ योजना के तहत मिलने वाले रिटायरमेंट लाभ भी प्राप्त कर लिए थे। ऐसे में रिटायर होने के बाद उन शर्तों को चुनौती देकर दूसरी पेंशन व्यवस्था का लाभ मांगना उचित नहीं है। यह फैसला उन कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण है, जो अलग-अलग भविष्य निधि या पेंशन योजनाओं के तहत काम कर रहे हैं। कोर्ट के फैसले से यह संकेत मिलता है कि नौकरी के दौरान किसी सेवा शर्त को स्वीकार करने के बाद उसे लंबे समय बाद, खासकर रिटायरमेंट के बाद चुनौती देना आसान नहीं होता। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं। मामला नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट के पूर्व प्रोफेसर के. सुमन चंद्र से जुड़ा है। उन्होंने नवंबर 1984 में में कॉन्ट्रैक्चुअल रिसर्च एसोसिएट के रूप में नौकरी शुरू की थी और उस समय वह योजना के तहत आते थे। वर्ष 1985 में उनकी सेवाएं नियमित की गईं। इसके बाद उन्होंने संस्थान में अलग-अलग पदों पर काम किया और आगे चलकर प्रोफेसर बने। 4 मई 2012 के एक आदेश के जरिए उनकी प्रोफेसर के तौर पर सेवाओं को नियमित किया गया। इस आदेश में साफ तौर पर कहा गया था कि नियमितीकरण आदेश जारी होने की तारीख से प्रभावी होगा और उनकी सेवा मौजूदा योजना के तहत ही जारी रहेगी।

चंद्र 31 जनवरी 2017 को रिटायर हुए। रिटायरमेंट के बाद उन्हें से जुड़े लाभ मिले, जिसमें उनके खाते में किए गए योगदान के साथ उनका खुद का योगदान भी शामिल था। लेकिन, रिटायर होने के बाद उन्होंने व्यवस्था पर सवाल उठाया और कम-पेंशन योजना में शामिल करने की मांग की। उनका तर्क था कि रखना के नियमों और सेवा उपनियमों के अनुरूप नहीं था। मामला पहले केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण यानी के सामने गया। जुलाई 2019 में ने चंद्र के पक्ष में फैसला देते हुए को उन्हें पात्रता की तारीख से योजना में शामिल करने का निर्देश दिया। हालांकि, बाद में इस मामले की दिशा बदल गई। इसी तरह के एक मामले में कर्मचारी श्याम सुंदर प्रसाद शर्मा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2023 में फैसला दिया था।

संक्षिप्त समाचार

2000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट दिखा रहे इंसानों जैसा करतब; हैरान हुए दर्शक

बीजिंग , एजेंसी। बीजिंग में दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स यानी 'रोबोट ओलंपिक' की शुरुआत हो गई है। पांच दिन चलने वाले इस आयोजन में 16 देशों की 650 से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट फुटबॉल, टेनिस, बॉक्सिंग, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे खेलों में अपनी क्षमता दिखा रहे हैं। चीन की राजधानी बीजिंग में शनिवार से दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स (रोबोट ओलंपिक) की शुरुआत हो गई है। इस पांच दिवसीय आयोजन में 16 देशों के 650 से अधिक टीमों के 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट हिस्सा ले रहे हैं। ह्यूमनॉइड के इस ओलंपिक में रोबोट्स के बीच दौड़, फुटबॉल, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, किकबॉक्सिंग जैसे विभिन्न खेल मुकाबले व औद्योगिक गतिविधियां हो रही हैं। पहले दिन 4,00 मीटर और 1,500 मीटर जैसी दौड़ पूरी तरह से स्वायत्त श्रेणी में हुई, जहां रोबोट्स बिना रिमोट कंट्रोल के दौड़े। वी आर चाइना की रिपोर्ट्स के मुताबिक, उद्घाटन के मौके पर रोबोट्स ने किसी आर्मी परेड की तरह बिल्कुल एक कतार और तालमेल में मार्च-पास्ट किया। चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट गैलबॉट ने जब लॉन टेनिस के लिए जोरदार डाइव लगाई तो यह नजारा देख दर्शक हैरान रह गए।

मान्सी लाथर ने जीता रजत, तन्वी और कोमल ने कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीते। मान्सी लाथर ने 68 किग्रा में रजत, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने 57 व 59 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन और पदक अपने नाम कर लिए। मान्सी लाथर ने 68 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने क्रमशः 57 और 59 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए।

मंसी लाथर को रजत पदक

68 किलोग्राम भारवर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में मान्सी लाथर को चीन की चेनलिंग सॉन्ग के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मान्सी को इस मुकाबले में 1-2 से शिकस्त मिली। इस तरह उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

तन्वी ने 10–4 से दर्ज की जीत

57 किलोग्राम भारवर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में तन्वी मगदूम ने कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया। इस जीत के साथ तन्वी ने प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया।

बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब, फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया

डॉर्टमुंड, एजेंसी। बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता। जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथेनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा। 23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके कोच के भरोसे को सही साबित किया। जोशुआ किमिच ने माइकल ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर ब्राउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोबे बेलिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शांति से कोबेल के पार नीचे-बाएं कोने में गोल कर दिया। ब्रेक के बाद डॉर्टमुंड ने कई अटैकिंग सब्स्टीट्यूशन किए और 75वें मिनट में उन्हें इसका इनाम मिला जब सब्स्टीट्यूट फैबियो सिल्वा ने गोल किया। आखिरी स्टेज में दोनों टीमों ने तेजी से काउंटरअटैक किए। मैक्सिमिलियन बेयर के पास बराबरी करने का अच्छा मौका था लेकिन उन्होंने एक शॉट ऊपर मार गोल का मौका गंवा दिया और बायर्न ने जीत पक्की कर ली। इस जीत ने बायर्न को रिकॉर्ड 12वां सुपरकप टाइटल दिलाया। डॉर्टमुंड ने यह कॉम्पिटिशन छह बार जीता है। 2026-27 बुंडेसलीगा सीजन 28 अगस्त से शुरू होगा। डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न वीएफबी स्टटगार्ट की मेजबानी करेगा। डॉर्टमुंड अगले दिन हैमबर्गर एसवी के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अपना लीग कैंपेन शुरू करेगा। मैच के बाद न्यूएर ने कहा, 'अब टीम के साथ इस सीजन का मजा लेने का समय है, और फिर हम देखेंगे। लेकिन हां, यह हो सकता है कि यह आखिरी सीजन हो। न्यूएर के बयान को उनके भविष्य में संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

स्टार्क की आंधी में उड़ा बांग्लादेश

ऑस्ट्रेलिया ने 2 दिन के अंदर जीत लिया मैके टेस्ट, सीरीज 1-1 से बराबर

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेला गया. इस मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रनों से हरा दिया. इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज को 1-1 से बराबरी पर खत्म किया. पहला टेस्ट डार्विन में खेला गया था, जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम को 9 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी. अब कंगारुओं ने उस हार का बदला दमदार तरीके से लिया है.

मैके टेस्ट मैच का नतीजा दो दिन के अंदर आ गया. दूसरे दिन (23 अगस्त) चायकाल के कुछ देर बाद ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मैदान मार लिया. मैके टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के हीरो तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क रहे. बाएं हाथ के दिग्गज गेंदबाज स्टार्क ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में चार विकेट झटके. स्टार्क ने पहली पारी में छह विकेट चटकाए थे. यानी उन्होंने मुकाबले में कुल 10 विकेट अपने नाम किए. स्टार्क को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया.

मिचेल स्टार्क की तूफानी गेंदबाजी के चलते बांग्लादेश अपनी दूसरी पारी में 95 रनों पर ढेर हो गया. बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी में कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए. वहीं मुश्फिकुर रहीम 29 रन बनाकर नाबाद रहे. बाकी के 9 बल्लेबाज तो दोहरे अंकों तक नहीं पहुंच पाए, जिनमें तीन का खाता तक नहीं खुला. कप्तान पैट कमिंस और नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लेकर स्टार्क का अच्छा साथ निभाया.

शोरिफुल की मेहनत बेकार गई

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 210 रनों पर सिमट गई थी. पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 146 रनों की लीड मिली. कैमरन ग्रीन ने 10 चौके की मदद से 105 बॉल पर 67 रन बनाए. वहीं स्टीव स्मिथ (42 रन) और नाथन लायन (नाबाद 32 रन) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं. बांग्लादेश के लिए लेफ्ट आर्म पेसर शोरिफुल इस्लाम ने 7 विकेट लिए. जबकि तैजुल इस्लाम, मेहदी हसन मिराज और तस्कीन अहमद को एक-एक विकेट मिले.

पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मौत:मैदान पर गिरे, अस्पताल में तोड़ा दम

नईदिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह शनिवार को लिस्बन में प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे। इस घटना के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की। कास्त्रो पुर्तगाल में चौथे डिवीजन की लीग में खेलने वाली टीम रियल स्पोर्ट क्लब का हिस्सा थे। मुकाबला एस्ट्रेला डि अमाडोरा नाम की टीम से हो रहा था।

22वें मिनट में मैदान पर गिरे, अस्पताल ले जाया गया

कास्त्रो मैच के 22वें मिनट में मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई।

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी डेब्यू पर किया निराश... 2 चौके जड़े, फिर इस अनजान गेंदबाज ने फंसाया

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए दलीप ट्रॉफी का डेब्यू उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा. नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में वैभव ईस्ट जोन की ओर से पहली पारी में महज 8 रन बनाकर आउट हो गए. उन्होंने लगातार दो चौके लगाकर इंटेंट दिखाया था, लेकिन इस आक्रामक अंदाज को ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रख सके. बेंगलुरु स्थित (भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर खेले जा रहे मुकाबले में नॉर्थ ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर ईस्ट जोन को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था. नई गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी और ईस्ट जोन ने शुरुआत में ही विकेट गंवा दिया. वैभव सूर्यवंशी ने अपने दलीप ट्रॉफी करियर की शुरुआत बिल्कुल उसी अंदाज में की, जिसके लिए वह पहचाने जाते हैं. पारी के दूसरे ओवर में बिश्वोरजीत कोंथौजम की तीसरी गेंद को कवर रीजन से उन्होंने बाउंड्री के पार पहुंचाया. अगली गेंद पर भी उन्होंने कवर ड्राइव लगाकर चौका बटोरा. हालांकि गेंदबाज ने जल्द ही उनकी आक्रामकता का जवाब ढूंढ लिया. आखिरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने एक और बार कवर ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन इस बार टाइमिंग सही नहीं रही. गेंद बल्ले का किनारा लेकर गली में पहुंची, जोसेफ लालथनखुमा ने कैच लपक लिया. इस तरह वैभव की पहली दलीप ट्रॉफी पारी 6 गेंदों में 8 रनों पर समाप्त हुई. बिश्वोरजीत कोंथौजम ने लगातार दो चौके खाने के बावजूद अपना संयम बनाए रखा और ओवर की आखिरी गेंद पर युवा बल्लेबाज को पवेलियन भेजकर हिसाब बराबर कर लिया.

देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया, नंबर-3 पर खत्म की भारत की टेंशन

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भारत ने 4 विकेट पर 291 रन बनाए हैं। देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाया है। वह 117 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं रवींद्र जडेजा फिफ्टी के करीब थे। पडिक्कल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे।

इससे पहले कप्तान शुभमन गिल 50 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 18 और यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। ऋषभ पंत 3 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्हें लाहिरू कुमारा की शॉर्ट गेंद बाएं हाथ की कलाई पर लगी थी।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

संयम भरी पारी और कप्तान गिल के साथ अहम साझेदारी

पडिक्कल ने इस पारी में गजब का धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने बिना कोई जोखिम उठाए बेहद आराम से बल्लेबाजी की और 168 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी के दौरान उन्होंने एक भी छक्का नहीं लगाया और 10 चौके जड़े। उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर एक मजबूत साझेदारी निभाई, जिसकी बदौलत भारतीय टीम मैच में काफी मजबूत और संभली हुई स्थिति में पहुंच गई है। टीम इंडिया ने इस मैच में सिर्फ 66 रन पर अपने दो विकेट खो दिए थे। इसके बाद शुभमन गिल और देवदत्त पडिक्कल ने बीच तीसरे विकेट के लिए 120 रनों की अहम साझेदारी हुई।

पिछले काफी समय से भारतीय टेस्ट टीम नंबर-3 के स्थान पर एक ऐसे भरोसेमंद बल्लेबाज की तलाश में थी, जो तेज और स्पिन गेंदबाजी दोनों का मजबूती से सामना कर सके। पडिक्कल ने लगातार दो शतकों के साथ इस समस्या को लगभग पूरी तरह से सुलझा दिया है। जिस तरह से वे स्पिन और पेस अटैक के खिलाफ आसानी से रन बना रहे हैं, उससे उन्होंने तीसरे नंबर पर अपनी जगह काफी हद तक पक्की कर ली है।पडिक्कल के इस निरंतर शानदार प्रदर्शन ने उन खिलाड़ियों के लिए राह कठिन कर दी है जो लंबे समय से नंबर-3 की रेस में बने हुए थे। इनमें सबसे प्रमुख नाम साई सुदर्शन का है। गौरतलब है कि साई सुदर्शन के चोटिल होने के बाद ही देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में शामिल होने का मौका मिला था।

आर्चरी प्रीमियर लीग खेलेंगी ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड, शामिल होंगे दुनिया के 12 स्टार तीरंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद पेरिस 2024 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड (यूएसए) आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन में डेब्यू करेंगी। यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगा, जिसमें 10 अलग-अलग देशों के 12 विदेशी तीरंदाज हिस्सा लेंगे। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की इस लीग का दूसरा सीजन तेलंगाना सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें छह क्षेत्रीय फ्रेंचाइजी में बंटे 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे।

मौजूदा वर्ल्ड गेम्स इंडिविजुअल चैंपियन माइक श्लोसेर (वर्ल्ड नंबर 2) और एंड्रिया बेसेरा (वर्ल्ड नंबर 1) पहले सीजन के बाद फिर से वापसी करेंगे। सीजन 1 के स्टार और 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट मैथियास फुलरटन भी वापसी करेंगे। इनके साथ मेक्सिको के 22 वर्षीय मटियास ग्रांडे (वर्ल्ड नंबर 3) और स्पेन की एलिया कैनेलेस भी 11 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। 20 वर्षीय ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड उन खास खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होंगी, जिनमें तुर्की के मेटे गाजोज और मेक्सिको की एलेजांद्रा वैलेंसिया जैसे ओलंपिक मेडलिस्ट शामिल हैं; ये दोनों खिलाड़ी लीग के पहले सीजन में भी खेले थे। कंपाउंड आर्चरी में वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी, कोलंबिया की एलेजांद्रा उस्कियानो, और ब्राजील के मार्कस डी'अल्मेडा - जो वर्तमान में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी हैं और 2014 यूथ ओलंपिक खेलों में ब्रॉन्ज मेडलिस्ट रहे हैं - उन अन्य अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों में शामिल हैं जो हैदराबाद में एपीएल में डेब्यू करने जा रहे हैं।

अर्जुन तेंदुलकर के करियर का बड़ा फैसला इस टीम के साथ ही जारी रखेंगे घरेलू क्रिकेट

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर के क्रिकेट करियर को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार अब भी जारी है। 26 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन ने अपने घरेलू क्रिकेट करियर की शुरुआत मुंबई से की थी, लेकिन 2022-23 सीजन से पहले उन्होंने गोवा का रुख कर लिया। तब से वह गोवा की टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। हाल ही में गोवा के ओमान दौरे पर अर्जुन के नहीं जाने के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। हालांकि, अब अर्जुन ने गोवा के साथ अपने सफर को जारी रखने का फैसला किया है।

अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह टीम के नियमित सदस्य रहे हैं और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 50 से ज्यादा विकेट अपने नाम कर चुके हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर भी काफी काम किया है। रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ अर्जुन ने शानदार शतक भी लगाया था। इस प्रदर्शन के बाद अर्जुन की पहचान सिर्फ सचिन तेंदुलकर के बेटे के रूप में नहीं, बल्कि एक ऑलराउंडर क्रिकेटर के तौर पर भी मजबूत हुई है। गोवा की टीम ने उन्हें लगातार खेलने और गेंदबाजी के साथ साथ बल्लेबाजी में अपनी क्षमता दिखाने का मौका दिया है। ऐसे में गोवा के साथ बने रहना उनके करियर के लिए अहम फैसला माना जा रहा है।

अर्जुन तेंदुलकर को IPL 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा बनने का मौका मिला। हालांकि, पूरे सीजन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। आखिरकार सीजन के आखिरी मुकाबले में उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरने का मौका मिला। इस मुकाबले में अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। उन्होंने चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट हासिल किया। उनकी गेंदबाजी में खास तौर पर यॉर्कर देखने को मिलीं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

हिमाचल के कई जिलों में भारी बारिश, भूस्खलन से 98 सड़कें बंद; करोड़ों का नुकसान

शिमला, एजेंसी। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार प्रदेश में बीते चौबीस घंटों में कई हिस्सों में मूसलाधार वर्षा दर्ज की गई। जिला कांगड़ा के धर्मशाला में 68.2 मिलीमीटर वर्षा, इसके अलावा नगरोटा सूरियां में 60.4, सुजानपुर में 39.8 और सुंदरनगर में 33 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। ताजा वर्षा और भूस्खलन के कारण 98 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं जिन्हें खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 23 अगस्त के लिए प्रदेश के चार जिलों चंबा, मंडी, कुल्लू और बिलासपुर में कुछ एक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा का अनुमान लगाया है। प्रदेश में 89 विद्युत वितरण ट्रांसफार्मर खराब हैं जिसके कारण बिजली आपूर्ति बाधित है। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून

सीजन में 30 जून से 22 अगस्त के बीच प्रदेश को अब तक कुल 1,121.29 करोड़ का आर्थिक नुकसान का आकलन किया गया है। इसमें अकेले लोक निर्माण विभाग को 836.78 करोड़ और जल शक्ति विभाग को 258.61 करोड़ की क्षति हुई है। प्रदेश में कई स्थानों पर धूप और बादलों के बीच चार डिग्री तक दिन के तापमान में वृद्धि दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान में सबसे अधिक वृद्धि कांगड़ा में 3.9, धर्मशाला में 3.4 डिग्री की वृद्धि दर्ज की गई।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में बड़ा हादसा, 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत; पांच घायल

मुंबई, एजेंसी। दक्षिण मुंबई में गणेश की प्रतिमा गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में दो बच्चे भी शामिल हैं। प्रतिमा पंडाल में स्थापित करने लिए लाई जा रही थी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार रात करीब 10 बजे भूलेश्वर में जय अंबे चौक के पास कबूतरखाना के पास बलराम मर्चेंट रोड पर हुई। म। हालांकि, गंभीर रूप से चोट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद मुंबई फायर ब्रिगेड, मुंबई पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, 108 एंबुलेंस सेवा और नगर निकाय के वार्ड कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान संकेत नेवशे और बृजेश हेमंत जोशी के रूप में की गई है। पांच घायलों की पहचान वैभव घेनंद, पवन चौरसिया, लावण्या गनेर, दिव्या गनेर और कुणाल काशिद के रूप में की गई है। नगर निकाय के अधिकारियों ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है। मुंबई सहित महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में 10 दिनों तक चलने वाला गणेशोत्सव सबसे बड़े और सबसे धूमधाम से मनाए जाने वाले त्योहारों में से एक है। इस त्योहार के दौरान भगवान गणपति की प्रतिमाएं पंडालों और घरों में स्थापित की जाती हैं और उनकी पूजा की जाती है। एक दशक से भी अधिक समय से मुंबई में प्रतिमा लाने के लिए भव्य जुलूस आयोजित किए जाते रहे हैं।

डीपीई डिप्लोमा माध्यमिक शिक्षक नियुक्ति और पदोन्नति के लिए मान्य

जबलपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की युगलपीठ ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली से प्राप्त दो वर्षीय डीपीई (डिप्लोमा इन प्राइमरी एजुकेशन) को माध्यमिक शिक्षक पद पर नियुक्ति और प्राथमिक शिक्षक से माध्यमिक शिक्षक पद पर पदोन्नति के लिए मान्य योग्यता माना है। कोर्ट ने राज्य शासन की तीन रिट अपीलें खारिज करते हुए एकलपीठ के निर्णय को बरकरार रखा। इससे प्रदेशभर के डीपीई धारक अभ्यर्थियों और शिक्षकों के लिए नियुक्ति एवं पदोन्नति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता सत्येंद्र ज्योतिषी, अभिषेक मिश्रा, अनुज मिश्रा और अंकित तिवारी ने पैरवी की। विभाग ने उनकी नियुक्ति इस आधार पर निरस्त कर दी थी कि दो वर्षीय डीपीई डिप्लोमा मान्य नहीं है। अभ्यर्थियों की ओर से कोर्ट को बताया गया कि शासन ने 28 फरवरी 2013 के परिपत्र के माध्यम से इग्नू के डीपीई को डीएड, डीएलएड के समकक्ष मान्यता दी थी, जिसे बाद में वापस लेने या समाप्त करने का कोई आधार उपलब्ध नहीं है। कोर्ट ने माना कि इग्नू से प्राप्त दो वर्षीय डीपीई मान्यता प्राप्त व्यावसायिक डिप्लोमा है और निर्धारित योग्यता के लिए इसे समकक्ष माना जाना आवश्यक है।

वाणिज्यिक वाहन का ईंधन टैंक फटा, चार लोगों की मौके पर ही मौत

कच्छ, एजेंसी। गुजरात के कच्छ जिले में शनिवार को एक कबाड़ गोदाम में वाणिज्यिक वाहन का ईंधन टैंक फटने से एक परिवार के दो बच्चों सहित चार लोगों की मौत हो गई। यह घटना दोपहर में नखत्राणा क्षेत्र में हुई। पुलिस निरीक्षक एएम पटेल ने बताया कि नखत्राणा में एक छोटे वाणिज्यिक वाहन के डीजल टैंक में हुए धमाके में दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत हो गई है। मोहम्मद इलियास, नूर मोहम्मद इलियास, हुसैन मोहम्मद और नूर फातिमा के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट के समय मोहम्मद इलियास और नूर मोहम्मद इलियास वाहन से कबाड़ उतार रहे थे।
धमाका इतना जोरदार था कि वाहन के पास मौजूद दोनों बच्चों की भी मौत हो गई। पुलिस ने विस्फोट के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

ईसाई धर्म अपनाने का डाला दबाव, छत्तीसगढ़ में मतांतरण के आरोप में तीन महिलाएं गिरफ्तार

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के भनपुरी इलाके में घर में प्रार्थना सभा के जरिए मतांतरण कराने के आरोप में पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता तरेंद्र कुमार वर्मा ने आरोप लगाया है कि महिलाओं ने उस पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला और प्रार्थना से बीमारी व दुख-दर्द दूर होने की बात कही। तीनों महिलाएं उसकी परिचित हैं और उसकी मोबाइल दुकान पर आती-जाती रहती थीं। आरोप है कि उन्होंने हिंदू धर्म को लेकर आपत्तिजनक बातें कहीं। 21 अगस्त को दोपहर तरेंद्र सुषमा कौशिक नामक महिला के घर पहुंचा। यहां करीब 20-25 लोग पहले से प्रार्थना कर रहे थे। आरोप है कि महिलाओं ने उसे भी मतांतरण के लिए कहा, लेकिन उसने इनकार कर दिया। इसी दौरान हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी मिली। उन्होंने मौके पर पहुंचकर विरोध-प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और 12 लोगों को थाने लेकर आई। शिकायत के आधार पर तीनों महिलाओं के विरुद्ध अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया।

अकेले नहीं हैं रेवंत रेड्डी... ममता से केजरीवाल तक, इन मुख्यमंत्रियों को भी नहीं मिली थी विदेश यात्रा की अनुमति

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी विदेश मंत्रालय द्वारा आधिकारिक दौरे के लिए राजनीतिक मंजूरी न पाने वाले देश के नेताओं की सूची में शामिल हो गए हैं। वह तेलंगाना के गठन और विभाजित

आंध्र प्रदेश सरकार के समय, दोनों ही दौर में पहले ऐसे सीएम हैं, जिन्हें पॉलिटिकल मंजूरी नहीं मिली।

हालांकि, वह देश के पहले ऐसे नेता या मुख्यमंत्री नहीं हैं, इससे पहले भी ममता बनर्जी से लेकर अरविंद केजरीवाल तक... विपक्ष के कई नेताओं को मुख्यमंत्री और मंत्री रहने के दौरान विदेश यात्रा की मंजूरी नहीं मिली थी, और कुछ को तो कई बार मनाही का सामना करना पड़ा।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पंजाब के सीएम भगवंत मान को राज्य के उद्योग मंत्री समेत 25 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल के साथ निवेश आकर्षित करने के लिए फरवरी 2026 में यूके और इजरायल जाना था, जिसके लिए पॉलिटिकल मंजूरी नहीं दी गई। इससे पहले एमईए ने मान को 2024 में 3 से 9 अगस्त के बीच पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का समर्थन करने के लिए जाने की मंजूरी भी नहीं दी थी। हालांकि, पंजाब के मुख्यमंत्री को दिसंबर 2025 में जापान और दक्षिण कोरिया जाने की मंजूरी मिल गई थी।

वहीं, सितंबर 2021 में पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रोम में विश्व शांति सम्मेलन में शामिल होना चाहती थीं। लेकिन एमईए ने यह कहते हुए उन्हें पॉलिटिकल मंजूरी नहीं दी थी कि वह कार्यक्रम सीएम के लेवल का नहीं था। इस दौरान टीएम प्रमुख और उनके पार्टी के नेताओं ने मंजूरी न मिलने पर सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। इससे पहले ममता बनर्जी को 2018 में शिकागो जाने की योजना के लिए भी मंजूरी नहीं मिली थी।

विदेश जाने की मंजूरी न मिलने वाले विपक्षी नेताओं में प्रमुख अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया भी हैं। । अक्टूबर 2019 में दिल्ली के तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल को छ40 जलवायु शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए डेनमार्क जाने की एमईए से मंजूरी नहीं मिली थी। नवंबर 2025 में केरल के तत्कालीन छ्रू पिनाराई विजयन को सऊदी अरब, बहरीन और ओमान जाने के लिए राजनीतिक मंजूरी नहीं मिली थी।

दरअसल, केंद्र सरकार की नीति के तहत सभी सरकारी अधिकारियों और मुख्यमंत्रियों को किसी भी आधिकारिक या निजी विदेश यात्रा के लिए विदेश मंत्रालय से राजनीतिक मंजूरी और अन्य विभागों से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। विदेश मंत्रालय कई बातों को ध्यान में रखकर राजनीतिक मंजूरी देने या न देने का फैसला करता है, जैसे कार्यक्रम का स्वरूप, निमंत्रण किस तरह का है, किस देश की यात्रा करनी है और भारत के साथ उस देश के संबंध कैसे हैं, वगैरह।

प्रोफेसर ही निकला पेपर लीक का मास्टरमाइंड: सील को तोड़े बिना एंडोस्कोपी कैमरे से चुराया पेपर, छात्रों को बेचा

रायपुर, एजेंसी। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीकेवी) की बीएससी कृषि द्वितीय वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर के कीट विज्ञान (एंटोमोलॉजी) विषय का प्रश्नपत्र लीक करने के मामले में पुलिस ने एक प्रोफेसर सहित छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में दो आरोपित अभी फरार हैं।

सभी को दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपित भारती एग्रीकल्चर कालेज, दुर्ग के प्रोफेसर योगेश सोनकेसरिया ने लिफाफे की सील खोले बिना एंडोस्कोपिक कैमरे की मदद से प्रश्नपत्र का वीडियो बनाया फिर उसे नोट करके छात्रों तक पहुंचाया। पुलिस के अनुसार प्रश्नपत्र 11 हजार रुपये में बेचा गया पुलिस के अनुसार प्रश्नपत्र 11 हजार रुपये में बेचा गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मामले में मुख्य आरोपित सहित छह लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच जारी है और जो भी लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि प्रोफेसर ने केवल 20 अगस्त को होने वाला एंटोमोलॉजी का प्रश्नपत्र ही लीक नहीं किया था, बल्कि इससे पहले आठ अगस्त को होने वाला पैथोलॉजी का प्रश्नपत्र भी अपने खास छात्रों को उपलब्ध कराया था। हालांकि, उस समय प्रश्नपत्र सार्वजनिक नहीं हुआ था। पुलिस के अनुसार योगेश वर्ष 2019 से भारती एग्रीकल्चर कॉलेज में प्रोफेसर है। 17 अगस्त को वह जोरा स्थित कृषि महाविद्यालय से आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लेकर घर गया। पुलिस का दावा है कि उसने लिफाफे की सील से छेड़छाड़ किए बिना उसमें सूक्ष्म छेद कर एंडोस्कोपिक कैमरा अंदर डाला और प्रश्नपत्र की वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली। इसके बाद वीडियो देखकर हाथ से प्रश्नपत्र लिखकर छात्रों तक पहुंचाया। एक छात्र अजय ने प्रश्नपत्र की सामग्री कई छात्रों तक पहुंचाई।

20 अगस्त को सुबह एजीसीएच-221 की परीक्षा होनी थी। परीक्षा शुरू होने से करीब दो घंटे पहले कवर्धा कृषि महाविद्यालय के ई-मेल पर प्रश्नपत्र लीक होने की सूचना मिली। उसके बाद संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई।

गोल्डी बराड़ ने क्यों की थी हरदीप निज्जर की हत्या

भगोड़े गैंगस्टर ने लीक ऑडियो में खुद कबूला, बताई असली वजह

टोरंटो, एजेंसी। भगोड़े गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने कथित तौर पर एक लीक ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कराने की बात कबूल की है। 2023 में कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। ऑडियो क्लिप के अनुवाद के मुताबिक, बराड़ ने हत्या के पीछे निज्जर द्वारा स्थानीय ड्रग नेटवर्कों को संरक्षण देने को वजह बताया। साथ ही उत्तरी अमेरिका में अवैध ड्रग्स बेचने के लिए किशोरों का इस्तेमाल करने के भी आरोप लगाए। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के बीच गंभीर राजनयिक विवाद पैदा हो गया था। भारत में कई हत्याओं के मामलों में वांछित गोल्डी बराड़ ने कथित ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा से बातचीत के दौरान निज्जर की हत्या की वजह बताई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बराड़ ने कथित तौर पर चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा को बताया, ये ऑपरेटर 16 से 17 साल के युवाओं को ड्रग्स बेचने के लिए काम पर रखते थे। इसके बाद युवाओं को ब्लैकमेल कर मुखबिर बनने के लिए मजबूर करते थे। निज्जर अपने प्रभाव को मजबूत करने के लिए ऐसे लोगों का समर्थन और संरक्षण करता था, ताकि जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल कर सके। ऑडियो क्लिप के अनुसार उसने आगे कहा, इसीलिए मुझे और मेरी टीम को निज्जर को मारना पड़ा, क्योंकि ये लोग युवाओं का इस्तेमाल ड्रग्स बेचने के लिए कर रहे थे।

ईरान की अमेरिका को दो-टूक: रवैया बदलो तभी खुलेगा होर्मुज; पड़ोसी देशों को दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) के सचिव मोहसिन रेजाई ने शनिवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जब तक अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक इसे दोबारा नहीं खोला जाएगा।

समाचार एजेंसी आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा, अमेरिका के दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। अमेरिका का रवैया ठीक करने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। रेजाई ने आरोप लगाया कि वाशिंगटन ने सैन्य विकल्पों की उम्मीद छोड़ दी है। अब वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाने पर निर्भर है। उन्होंने कहा, सैन्य हमलों से अमेरिकी पूरी तरह निराश हैं। उन्हें लगता है कि आर्थिक नाकेबंदी के जरिये सैन्य कार्रवाई में मदद की जा सकती है। उन्होंने दावा किया कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भरोसा दिलाया है कि आर्थिक नाकेबंदी से ईरान आत्मसमर्पण कर देगा। रेजाई ने कहा, नेतन्याहू ने ट्रंप से वादा

किया है कि अगर वह ईरान पर छह महीने या दो से तीन महीने तक आर्थिक नाकेबंदी लगाते हैं, तो ईरान आत्मसमर्पण कर देगा।

रेजाई ने यह भी दावा किया कि अमेरिका अपने सहयोगियों की मदद पर निर्भर है। उन्होंने कहा, ट्रंप अकेले हैं और उन्हें नाटो और अपने सहयोगियों की मदद चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान ने प्रतिबंधों से बचने के तरीके विकसित कर लिए हैं। इससे वह तेल बेचता रह सकता है। उन्होंने कहा, ईरान ने वर्षों के दौरान प्रतिबंधों से बचना और तेल बेचना सीख लिया है। रेजाई ने दोहराया कि ईरान पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को खत्म करना चाहता है। उन्होंने कहा कि ईरान युद्ध चाहने वालों के खिलाफ खड़ा है। उन्होंने कहा, ईरान पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करना चाहता है और दुनिया के युद्ध भड़काने वालों के खिलाफ खड़ा है। रेजाई ने कहा, हर घर आर्थिक युद्ध शुरू करने की जगह बन सकता है। उन्होंने आगे कहा, ईरानी युवाओं को अर्थव्यवस्था में उतरना चाहिए। हर मोहल्ला आर्थिक युद्ध के लिए मिसाइल बेस बन सकता है।

रेजाई ने अमेरिका की आर्थिक चुनौतियों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप के राष्ट्रपति रहने के दौरान अमेरिका का कर्ज बढ़ा है। रेजाई ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को संभालने का अधिकार ईरान के पास है। उन्होंने इसके लिए फारस की खाड़ी में ईरान की लंबी तटरेखा का हवाला दिया। उन्होंने कहा, फारस की खाड़ी के 50 प्रतिशत से ज्यादा तट पर ईरान का अधिकार है। इसलिए होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रबंधन हमें ही करना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अपना बचाव करेगा। वह अमेरिका को ईरानी क्षेत्र तक पहुंचने की अनुमति नहीं देगा। रेजाई ने कहा, हम पूरी ताकत से ईरान की रक्षा करेंगे और अमेरिकियों को ईरान तक पहुंचने की अनुमति नहीं देंगे।

मुनीर के खिलाफ सेना में असंतोष; रावलपिंडी की सुरक्षा बढ़ाई गई, छह माह तक तैनात रहेंगी तीन कंपनियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को मिली असीमित शक्तियों के खिलाफ सेना के अधीनस्थ रैंक अधिकारियों में असंतोष फैल गया है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि गृह मंत्रालय को रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय के आसपास सुरक्षा के लिए सेना की तीन कंपनियां तैनात करनी पड़ी हैं। यह तैनाती अगले छह माह के लिएहै। हालांकि, सरकार ने इसे राजनीतिक आक्रोश के कारण किसी तरह की संवेदनशील स्थिति से निपटने की कोशिश बताया है। गृह मंत्रालय ने सेना की तैनाती का आदेश संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत उठाया गया है, जो नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों की तैनाती का अधिकार देता है। बहरहाल, सूत्रों का कहना है कि हाल में पारित 27वें संविधान संशोधन और नए डिफेंस फोर्सेस एक्ट के बाद आसिम मुनीर को अभूतपूर्व शक्तियां मिल चुकी हैं। नए ढांचे के तहत मुनीर के पास अब थल, जल और वायु सेना, तीनों अंगों पर पूर्ण नियंत्रण है। मुनीर के पास किसी भी अधिकारी या जवान को सेवा से बर्खास्त करने और जबरन रिटायर करने के अधिकार आ गए हैं। इससे जूनियर और अधीनस्थ रैंकों के अधिकारी घुटन महसूस कर रहे हैं। जूनियर अधिकारियों में असंतोष से सैन्य नेतृत्व को संभावित बगावत की आशंका भी सता रही है। पाकिस्तान में हालिया संशोधनों के बाद फील्ड मार्शल मुनीर का कम से कम 2030 तक पद पर बने रहने का रास्ता साफ हो गया है। यही नहीं, उन्हें आजीवन कानूनी छूट तथा अभियोजन से सुरक्षा भी हासिल हो गई है। इससे सेनाओं के भीतर आंतरिक असंतोष को और हवा मिली है। दरअसल तीनों सेनाओं के कर्मियों को लग रहा है कि उनकी स्थिति बंधुआ मजदूर जैसी हो गई है। रावलपिंडी में सेना की यह ताजा तैनाती ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले शहर के मॉल रोड पर सुरक्षा बलों पर एक हमला हुआ था, जिसमें एक संदिग्ध को मार गिराया गया।

यूएस में बड़ी साजिश नाकाम: न्यूयॉर्क कैपिटल को लेकर एफबीआई निदेशक काश पटेल का खुलासा

वाशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने शनिवार को कहा कि संघीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एक आतंकी साजिश नाकाम की है। उन्होंने कहा कि यह न्यूयॉर्क स्टेट कैपिटल को निशाना बनाने की साजिश थी। पटेल के मुताबिक, यह साजिश आईएसआईएस से प्रेरित थी। काश पटेल के मुताबिक, इस साजिश में अल्बानी की 35 साल की एक महिला शामिल थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। पटेल ने संघीय आतंकवाद रोधी अभियानों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में 640 आतंकी हमलों की साजिशें नाकाम की गईं। उन्होंने एक्स पर लिखा, अमेरिकी जमीन पर एक और संभावित आतंकी हमला नाकाम किया गया। 35 साल की अल्बानी की एक महिला पर न्यूयॉर्क स्टेट कैपिटल को निशाना बनाने का आरोप है। उसने आईएसआईएस से प्रेरित हमले की साजिश रची थी। यह उन खतरों में से सिर्फ एक है, जिनका संघीय कानून प्रवर्तन सामना कर रहा है। पिछले साल 640 आतंकी हमलों की योजनाएं नाकाम की गईं।

पटेल ने मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि खतरे कई तरह के हैं। अधिकारी अमेरिका में लोगों को निशाना बनाने वाले खतरों से निपट रहे हैं। इसके साथ ही विदेश में तैनात अमेरिकी सैनिक भी निशाने पर हैं। उन्होंने कहा कि इन खतरों से भी अधिकारी निपट रहे हैं। अल्बानी की साजिश नाकाम होने पर पटेल ने कहा कि निर्दोष लोगों की जान जाने से पहले एक और कथित आतंकी साजिश रोक दी गई। उन्होंने कहा कि कुछ अभियानों के बारे में लोगों को जानकारी मिलती है। कई अभियानों के बारे में कभी पता नहीं चलता। उन्होंने कहा, यही हमारा मिशन है।

पटेल ने हमले को नाकाम करने में शामिल टीमों की तारीफ की। उन्होंने संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की कार्रवाई को भी सराहा। उन्होंने कहा, हमारी एफबीआई अल्बानी टीम ने शानदार काम किया। न्याय विभाग में हमारे सहयोगियों ने भी अच्छा काम किया। अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांशे ने भी सहयोग किया। यह एफबीआई खतरों का पता लगाती रहेगी। उन्हें नाकाम करती रहेगी। अमेरिकियों को सुरक्षित रखेगी। इससे पहले मई में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ी कार्रवाई की जानकारी दी थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,